नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 12

अंक : 43

सोमवार, 21 से 27 नवम्बर 2022

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

निगम चुनावों के लिए भाजपा ने जारी किया संकल्प पत्र 03

साइबर अपराध से सतर्क रहना होगा किशोरियों को 08

# NCR समाचार

तोकायेव ने कजाख राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ 10

मेजबान कतर की विश्व कप टीम का 'शो' खत्म 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

रणवीर सिंह की फिल्म सर्कस का नया पोस्टर रिलीज 12

## भारत अपने संविधान की ताकत से बढ़ रहा आगे: मोदी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत हमारा संविधान है, जिसके बल पर देश आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने 'संविधान दिवस' के अवसर पर उच्चतम न्यायालय परिसर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा, आज कि वैश्विक परिस्थितियों में पूरे विश्व की नजर भारत पर है। भारत के तेज विकास, तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था और मजबूत होती अंतरराष्ट्रीय छवि के बीच दुनिया हमें बहुत बड़ी उम्मीदों से देख रही है। इन सब के पीछे हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारा संविधान है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे संविधान के प्रेंबल की शुरूआत में जो 'वी द पीपुल' लिखा है। यह सिर्फ तीन शब्द नहीं है। यह एक आह्वान है, एक प्रतिज्ञा है। एक विश्वास है।

उन्होंने कहा कि संविधान में लिखी यह भावना उस भारत की मूल भावना है, जो दुनिया में लोकतंत्र की जननी रही है। 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' रहा है। यही भावना हमें वैशाली के गणराज्य और वेद की ऋचाओं में भी दिखती है प्रधानमंत्री ने कहा नागरिकों को सुखी रखना, साथ सच्चाई के साथ खड़े होना और सरल व्यवहार, यही राज्य का व्यवहार होना चाहिए। आधुनिक संदर्भ में भारत के संविधान ने देश की इन सभी सांस्कृतिक और नैतिक भावनाओं को समाहित किया हुआ है।

श्री मोदी ने कहा, मुझे संतोष है कि आज देश मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में अपने इन प्राचीन आदर्शों को और संविधान की भावनाओं को लगातार मजबूत कर रहा है। 'प्रो-पीपुल' भावना की ताकत से आज देश और देश का गरीब, देश की माताएं, बहनों का सशक्तिकरण हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सामान्य मानविकी के लिए आज कानूनों को सरल बनाया जा रहा है। समय पर न्याय पहुंचाने के लिए हमारी न्यायपालिका भी लगातार कई सार्थक कदम उठा रही है।

श्री मोदी ने कहा कि इस बार 15 अगस्त को लाल किला से उन्होंने कर्तव्यों की बात पर बल दिया था। यह हमारे संविधान की भावना का ही प्रकटीकरण है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपिता को याद करते हुए कहा, महात्मा गांधी कहते थे कि हमारे अधिकार हमारे वह कर्तव्य है, जिन्हें हम सच्ची इंटीग्रिटी और डेडीकेशन के साथ पूरा करते हैं। आज अमृतकाल में जब हम आजादी के 75 वर्ष पूर्ण करके अगले 25 वर्षों की यात्रा शुरू कर रहे हैं, तो संविधान का यह मंत्र देश के लिए एक संकल्प बन रहा है।

श्री मोदी ने कहा, आजादी का यह अमृत काल देश के लिए कर्तव्य काल है, चाहे व्यक्ति हो या संस्थाएं हमारे दायित्व ही आज हमारी पहली प्राथमिकता है। अपने कर्तव्य पथ पर चलते हुए हम देश को विकास की नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के सामने नित्य नए अवसर बन रहे हैं। भारत हर चुनौती पार करते हुए आगे बढ़ रहा है। एक सप्ताह के बाद भारत को जी-20 की अध्यक्षता भी मिलने वाली है। यह बहुत बड़ा अवसर है। हम सभी टीम इंडिया के रूप में विश्व में भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाएं, भारत का योगदान को विश्व के सामने लेकर जाएं। यह भी हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे संविधान की एक और विशेषता है, जो आज के युवा भारत में और भी प्रसांगिक हो गई है। उन्होंने कहा, हमारे संविधान निमार्ताओं ने हमें एक ऐसा संविधान दिया है, जो ओपन है। फ्यूचरिस्टिक है। अपने आधुनिक विजन के लिए जाना जाता है।

## इसरो ने ओशनसैट, आठ अन्य उपग्रहों को सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचाया

**श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) ने शनिवार को पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (ओशनसैट) और आठ अन्य उपग्रहों को सफलतापूर्वक ध्रुवीय कक्षाओं (सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट) में पहुंचा दिया। इसरो ने एक ट्वीट में कहा, पीएसएलवी-सी54/ईओएस-06 मिशन पूरा हुआ। शेष उपग्रहों को भी उनकी लक्षित कक्षाओं में पहुंचा दिया गया है।

यह पीएसएलवी की 56वीं उड़ान थी। मिशन 2022 में अंतरिक्ष एजेंसी के लिए पांचवां और आखिरी बताया जा रहा है। चेन्नई से करीब 115 किलोमीटर दूर यहां सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले 'लॉन्च पैड' से 44.4 मीटर लंबा रॉकेट 25.30 घंटे की उलटी गिनती के बाद पूर्वाह्न 11 बजकर 56 मिनट के पूर्व निर्धारित समय पर अपने अभियान पर रवाना हुआ।

पीएसएलवी-सी54 के प्रक्षेपण के 17 मिनट बाद लक्षित कक्षा में पहुंचने पर पृथ्वी अवलोकन उपग्रह या ओशनसैट सफलतापूर्वक रॉकेट से अलग हो गया और उसे करीब 742 किलोमीटर की ऊंचाई पर कक्षा में स्थापित कर दिया गया।

वहीं, वैज्ञानिकों द्वारा रॉकेट की ऊंचाई कम कर लगभग 528 किलोमीटर करने के बाद अन्य उपग्रहों को क्रमिक रूप से ध्रुवीय कक्षाओं में पहुंचाया गया। मिशन निदेशक एस. आर. बीजू ने कहा, पीएसएलवी-सी54 मिशन दो घंटे की उड़ान अवधि के बाद सफलतापूर्वक पूरा हुआ। ईओएस-6 ओशनसैट श्रृंखला में तीसरी पीढ़ी का उपग्रह है। इससे पहले, मिशन नियंत्रण केंद्र में अपने संबोधन में इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि ईओएस-06 को लक्षित कक्षा में बखूबी स्थापित करने की उपलब्धि सफलतापूर्वक हासिल कर ली गई है।

## भारतीय लोकतंत्र दुनिया के लिए मार्गदर्शक : धनखड़

**नई दिल्ली, एजेंसी।** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारतीय संसदीय लोकतंत्र को दुनिया के अन्य लोकतंत्रों के लिए एक मार्गदर्शक बताते हुए कहा है कि संविधान में निहित मूल्यों को बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए और एक ऐसे भारत का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिए जिसकी कल्पना हमारे संस्थापकों ने की थी। श्री धनखड़ ने संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका का आपसी सहयोग लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत की महत्ता तब महसूस की जाती है जब विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका मिलकर और एकजुटता से कार्य करती हैं। उन्होंने इन प्रतिष्ठित संस्थानों के शीर्ष पर सभी लोगों से गंभीरता से विचार करने और प्रतिबिंबित करने का आग्रह किया ताकि संविधान की भावना और सार के अनुरूप एक स्वस्थ परिवेश का विकास हो सके।

उपराष्ट्रपति ने भारत का संविधान और भारतीय लोकतंत्रः क्या विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका अपने संवैधानिक जनादेश के प्रति सच्चे रहे हैं- विषय पर एक व्याख्यान देते हुए ये टिप्पणियां की। श्री धनखड़ ने भारतीय संविधान को दुनिया के बेहतरीन संविधानों में से एक बताते हुए कहा कि संविधान सभा के सदस्य बेदाग साख और अपार अनुभव के साथ बेहद प्रतिभाशाली थे। संविधान की प्रस्तावना से 'हम, भारत के लोग' शब्दों का उल्लेख करते हुए, उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि विधायिका में उनके विधिवत निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से पवित्र तंत्र के माध्यम से परिलक्षित लोगों का अध्यादेश सर्वोच्च है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि निमार्ताओं ने परिकल्पना की थी कि ऐसी स्थितियां उत्पन्न होंगी जो विधायिका के लिए संविधान के अनुरूप संविधान में संशोधन करना अनिवार्य कर देंगी।

## गुजरात चुनाव: भाजपा ने झोंकी पूरी ताकत

### बड़े नेताओं ने तीन सप्ताह में 150 से अधिक सभाएं कीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2001 में गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य विधानसभा के पिछले चुनाव में सबसे खराब प्रदर्शन किया था और शायद इसी से सबक लेते हुए उसने इस चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

राज्य में पहले चरण के मतदान से पहले और पिछले 20 दिनों में प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित आधा दर्जन मुख्यमंत्री और अन्य केंद्रीय नेता लगभग 150 छोटी-बड़ी चुनावी जनसभाएं कर चुके हैं।

इनमें तीन दर्जन से अधिक जनसभाएं तो सिर्फ मोदी और शाह ने संबोधित की हैं। इन दोनों के अलावा पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री और जाति व क्षेत्र विशेष से नाता रखने वाले नेता भी राज्य के धुआंधार दौरे पर हैं। चुनावी रणनीति से जुड़े भाजपा के एक नेता ने बताया कि प्रधानमंत्री आगामी रविवार को खेड़ा, नेतरांग और सूरत में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे तथा पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करेंगे। इसके अगले दिन वह चार जनसभाओं को संबोधित करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, उनकी सभाएं पलटाना, अंजार, जामनगर और राजकोट में भी प्रस्तावित हैं।

शाह अमरेली, भावनगर, वड़ोदरा और अहमदाबाद की विभिन्न सीट पर प्रचार करने के बाद अन्य क्षेत्रों में प्रचार अभियान का मोर्चा संभालेंगे जबकि नड्डा पार्टी का संकल्प पत्र जारी होने के बाद हिम्मतनगर में रोड शो करेंगे।

गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए एक दिसंबर और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना आठ दिसंबर को की जाएगी। पहले चरण में कच्छि, सुरेंद्रनगर, मोरबी, राजकोट, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर-सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, नर्मदा, भरूच, सूरत, तापी, डांग, नवसारी और वलसाड़ जिलों की 89 सीट पर मतदान होना है। इस चरण में कुल 788 प्रत्याशी मैदान में हैं।

निर्वाचन आयोग ने तीन नवंबर को गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की थी और इसके साथ ही राज्य में आदर्श चुनाव संहिता लागू हो गई थी।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण गुजरात के आदिवासी बहुल वलसाड जिले की कपराड़ा से छह नवंबर को भाजपा के चुनाव अभियान का आगाज किया था।

अगले दिन मोदी ने सोमनाथ में पूजा-अर्चना करने के बाद वेरावल, धोराजी, अमरेली और बोताड़ में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। दिन भर रैली करने के बाद उन्होंने अहमदाबाद स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी की थी।

मोदी ने इसके अगले दिन तीन चुनावी सभाएं कीं। उन्होंने पहली सभा सुरेंद्रनगर में, दूसरी जंबूसार और तीसरी नवसारी में की। प्रधानमंत्री ने 23 और 24 नवंबर को मेहसाणा, दाहोद, वड़ोदरा, भावनगर, पालनपुर मोडासा, दहेगाम और बावला में चुनावी सभाओं को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री अपनी सभाओं में ज्यादातर समय भाजपा शासन में राज्य में किए गए विकास कार्यों को रेखांकित करते हैं और साथ ही ह्यह्यडबल इंजनह्लह्ल की सरकार होने के फायदे भी गिनाते हैं। केंद्र व राज्य में एक ही पार्टी की सरकार

## बहुत जल्द 'आप' एक राष्ट्रीय पार्टी बनेगी: केजरीवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी(आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी देश की जनता की नयी उम्मीद और विश्वास बन चुकी है तथा बहुत जल्द एक राष्ट्रीय पार्टी बनने जा रही है।

श्री केजरीवाल ने आप के 10वें स्थापना दिवस के मौके पर आज कहा कि 10 साल पहले आज ही के दिन आम आदमी पार्टी की स्थापना हुई थी। इन 10 सालों में जनता के बेशुमार प्यार और कार्यकताओं की मेहनत से पार्टी ने भारतीय राजनीति में कई इतिहास रचे। आज आम आदमी पार्टी देश की जनता की नयी उम्मीद बन चुकी है, विश्वास बन चुकी है। बहुत जल्द एक और ऐतिहासिक जीत के साथ 'आप' एक राष्ट्रीय पार्टी बनने जा रही है।

'आप' नेता एवं दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि 10 वर्ष पहले श्री अरविंद केजरीवाल ने देश को एक भ्रष्टाचार मुक्त राजनैतिक विकल्प देने का संकल्प लिया था। आज यह संकल्प 1100 से ज्यादा जनप्रतिनिधियों व करोड़ो समर्थको के साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के लिए देश की एक मात्र उम्मीद बन चुका है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी हर दिन इतिहास रच रही है। जो काम किसी और पार्टी के लिए कल्पना में भी असम्भव होता है, वहां से केजरीवाल का विजन और 'आप' का काम शुरू होता है। आम आदमी पार्टी का हमेशा से एक ही संकल्प रहा है और वह यह है कि 'आप' का हर नेता-कार्यकर्ता देश के भविष्य के लिए ऐसे ही निस्वार्थ भाव से काम करता रहेगा ताकि हम साथ मिलकर भारत को नं.1 देश बनता देख सकें।

## आफताब के सोमवार को नार्को परीक्षण की संभावना

**नई दिल्ली, एजेंसी।** श्रद्धा वाकर हत्या मामले में आरोपी आफताब अमीन पूनावाला का नार्को टेस्ट सोमवार को किये जाने की संभावना है।

विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था)-जोन द्वितीय सागर प्रीत हुडा ने आफताब का डीएनए टेस्ट रिपोर्ट पुलिस को प्राप्त नहीं होने की जानकारी दी है। वहीं आरोपी के पॉलीग्राफ टेस्ट नहीं होने की भी पुष्टि की है।

गौरतलब है कि श्रद्धा के लिव-इन पार्टनर आफताब ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी थी, जिसने कथित तौर पर उसके शरीर को 35 टुकड़ों में काटकर राष्ट्रीय राजधानी के छतरपुर इलाके में फेंक दिया था। दिल्ली पुलिस श्रद्धा हत्या मामले की जांच कर रही है।

## पार्टी में किसी से परेशान या नाराज नहीं हूं: थरूर

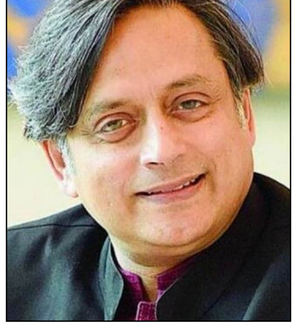

**कोच्चि, एजेंसी।** कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को कहा कि वह पार्टी की केरल इकाई में किसी से परेशान या नाराज नहीं हैं तथा उन्हें किसी से बातचीत करने में कोई परेशानी नहीं है क्योंकि ह्यह्य हम बालविहार में नहीं जहां एक दूसरे से बातचीत करने की मनाही हो। 'ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस' के प्रदेश स्तर सम्मेलन में हिस्सा लेने यहां आये तिरुवनंतपुरम के सांसद थरूर ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने पार्टी में किसी के विरुद्ध कुछ नहीं बोला है, न ही उसके (पार्टी के) निर्देश के विरुद्ध कुछ किया,ऐसे में उन्हें समझ नहीं आ रहा कि क्यों ऐसा विवाद खड़ा किया गया है।

उन्होंने कार्यक्रम से पहले संवाददाताओं से कहा, मैं किसी से परेशान या नाराज नहीं हूं। मैंने किसी को दोषी नहीं ठहराया है या किसी पर आरोप नहीं लगाया है। मेरी तरफ से कोई शिकायत या मुद्दा नहीं है। मुझे सभी को एक जैसा देखने में कोई दिक्कत नहीं है और मुझे किसी से बातचीत करने में कोई परेशानी नहीं है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के सुधाकरण से बातचीत करेंगे, तब उन्होंने कहा कि वह (सुधाकरण) स्वस्थ नहीं हैं और वह वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से भाग लेंगे। सतीशन के बारे में उन्होंने कहा, दि हमारी कार्यक्रम स्थल पर भेंट होती है तो हम मिलेंगे। उन्होंने सवाल किया, ह्यह्ययदि वे मुझसे बात करेंगे तो मैं क्यों नहीं बात करूंगा? हम बालविहार में थोड़े ही हैं कि एक-दूसरे से बातचीत नहीं करें।

लेकिन यदि एक वक्त पर एक ही जगह पर हम नहीं हैं तो हम कैसे एक-दूसरे से बातचीत करेंगे। सतीशन ने हाल में थरूर का नाम लिये बिना कहा था कि पार्टी में किसी भी प्रकार की गुटबाजी या समानांतर गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी । उन्होंने चेतावनी दी थी कि ऐसे कदमों से 'गंभीरता' से निपटा जाएगा। थरूर के मालाबार दौरे के आलोक में विपक्ष के नेता द्वारा दिये गये कई बयानों में यह एक बयान है।

### गहलोत-पायलट की रार पर बोले रमेश

## कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए 'कठोर निर्णय' लेने पड़े तो लेंगे

**इंदौर, एजेंसी।** राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा कांग्रेस नेता सचिन पायलट को 'गद्दार' कहे जाने के बाद दोनों नेताओं के गुटों के बीच तनातनी तेज हो गई है। इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि पार्टी के लिए राजस्थान में संगठन सर्वोपरि है और वह इसकी मजबूती के लिए जरूरत पड़ने पर 'कठोर निर्णय' लेने से भी पीछे नहीं हटेगी।

राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' के इंदौर में पड़ाव के दौरान रमेश ने संवाददाताओं से कहा, 'हमारे लिए संगठन सर्वोपरि है। राजस्थान के मसले का हम वही हल चुनेंगे, जिससे हमारा संगठन मजबूत होगा। इसके लिए अगर हमें कठोर निर्णय लेने पड़े तो कठोर निर्णय लिए जाएंगे। अगर (गहलोत और पायलट के गुटों के बीच) समझौता कराया जाना है तो समझौता कराया जाएगा।

गहलोत-पायलट की रार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व राजस्थान के मसले के उचित हल पर विचार कर रहा है।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रभारी रमेश ने कहा, लेकिन मैं इस हल की कोई समय-सीमा तय नहीं कर सकता। इस हल की समय-सीमा केवल कांग्रेस नेतृत्व तय करेगा। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस को गहलोत और पायलट, दोनों की जरूरत है।

गौरतलब है कि गहलोत ने एक टीवी चैनल को हाल ही में दिए साक्षात्कार में पायलट को 'गद्दार' करार देते हुए कहा था कि उन्होंने वर्ष 2020 में कांग्रेस के खिलाफ बगावत की थी और गहलोत नीत सरकार को गिराने की कोशिश की थी, इसलिए उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा सकता।

रमेश ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री को इस साक्षात्कार में कुछ शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। उन्होंने भरोसा जताया कि राहुल की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' अन्य राज्यों की तरह राजस्थान में भी सफल होगी। अभी मध्य प्रदेश से गुजर रही यह यात्रा चार दिसंबर को राजस्थान में दाखिल होगी, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

गौरतलब है कि गुजरात में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा ने अपने घोषणापत्र में मतदाताओं से वादा किया है कि सत्ता में बरकरार रहने पर वह राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करेगी।

रमेश ने कहा, 'समान नागरिक संहिता पर संसद के अंदर और बाहर बहस होती रहनी चाहिए। लेकिन भाजपा चुनावों के समय जान-बूझकर विभाजनकारी मुद्दे उठाती है, ताकि वोटों का ध्रुवीकरण किया जा सके।

उन्होंने कहा, भाजपा इस बार भी गुजरात विधानसभा चुनावों में फायदा हासिल करने के लिए समान नागरिक संहिता के मुद्दे को तूल दे रही है। चुनावों के बाद वे (भाजपा) इस मुद्दे को भूल जाएंगे। रमेश ने दावा किया कि गुजरात में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही है और नतीजों की घोषणा के बाद आम आदमी पार्टी (आप) का गुब्बारा फूट जाएगा। उन्होंने कहा, 'इस गुब्बारे को मीडिया ने फुलाया है। गुजरात में 'आप' जमीनी स्तर पर मजबूत नहीं दिखाई देती है।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली-62

फोन :
8888883968,
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

### आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

## ताजा खबर संक्षिप्त

### बिजली का तार टूटकर खेत में गिरा- दो किसानों की मौत

**कुशीनगर (एजेंसी)।** कसया के गांव भैसहां भागड़ टोला के सरेह में शुक्रवार को 11 हजार वोल्ट के विद्युत लाइन का तार टूट गिर गया। इससे खरपतवार में आग लग गई। आग से आसपास खेत में खड़ी गन्ने की फसल बचाने पहुंचे दो किसान करंट की चपेट में आ गए। गंभीर रूप से झुलसने से मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटनास्थल कई गांव के लोग जुट गए। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी घटना की जानकारी ली और अग्रिम कार्रवाई भी पूरी की। सरेह से होकर 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन गुजर रही है। अचानक तीन तारों में से एक तार टूट कर जमीन पर गिरा। विद्युत धरा प्रवाहित होने के कारण जिस जगह तार गिरा, वहां खरपतवार में आग लग गई। इसके अगल-बगल किसानों के गन्ने की फसल है। गांव के ही 70 वर्षीय किसान उदित व 25 वर्षीय डबलू आग से फसल बचाने को पहुंचे। इस दौरान दोनों विद्युत तार के संपर्क में आ गए और झुलसने से मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के बाद आसपास गांवों के सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए।

### 73 अपराधियों की जब्त की गई संपत्ति आजम खां समेत कई भूमाफिया घोषित

**मुंबई (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई पर जोर दे रहे हैं। रामपुर में भी पुलिस प्रशासन ने माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई करते हुए उनकी संपत्ति भी जब्त की है। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां और पूर्व जिलाध्यक्ष उज्जवल दीदार सिंह साबी को भी प्रशासन भूमाफिया घोषित कर चुका है। आजम खां के जुलाई 2019 में बड़े पैमाने पर मुकदमे दर्ज किए थे। जौहर यूनिवर्सिटी के लिए जमीन कब्जाने के मामले में 30 मुकदमे अजीमनगर थाने में दर्ज कराए गए थे। इनमें 26 मुकदमे किसानों ने दर्ज कराए थे। उनका आरोप था कि आजम खां ने सपा शासनकाल में जबरन उनकी जमीन पर कब्जा किया। इस पर प्रशासन ने उन्हें भूमाफिया घोषित कर दिया था। इसके अलावा समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष उज्जवल दीदार सिंह साबी के खिलाफ भी जमीन कब्जाने का मुकदमा दर्ज हुआ। उन्हें भी भूमाफिया दर्ज किया गया।

### पटना आ रही फ्लाइट में महिला को हार्ट अटैक

**पटना (एजेंसी)।** किसी को हार्ट अटैक आ जाए तो उसकी जान सांसद में पड़ जाती है। मामला जब आकाश की ऊंचाई का हो तो फिर जान बचने की उम्मीद न के बराबर होती है। लेकिन यदि आसपास धरती के भगवान कहे जाने वाले डाक्टर हों तो फिर क्या कहना। कुछ ऐसा ही हुआ दिल्ली से पटना आ रही इंडिगो की फ्लाइट में। 19 नवंबर को दिल्ली से पटना आ रही इंडिगो की फ्लाइट (6E695) के यात्रियों ने ऐसे ही धरती के एक भगवान को देखा। डाक्टर ने अनाउंसमेंट के बाद फ्लाइट में मौजूद एनेस्थेटिस्ट की मदद से न केवल रोगी को स्लाइन चढ़ाया बल्कि अन्य यात्रियों के पास उपलब्ध दवाएं मंगाकर बेहोश महिला के प्राणों की रक्षा भी की। अंजान यात्री के लिए आगे बढ़कर उत्कृष्ट चिकित्सकीय कौशल व मानवीय व्यवहार का प्रदर्शन करने वाले ये डाक्टर हैं राज्य स्वास्थ्य समिति में हेल्थ सिस्टम स्ट्रेंथनिंग के नोडल पदाधिकारी डा। . अभिषेक कुमार सिन्हा। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत तक जब ये चर्चा पहुंची तो उन्होंने शुक्रवार को राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक में न केवल उनकी प्रशंसा की बल्कि प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। 18-19 नवंबर को दिल्ली में इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड 2022 की कार्यशाला थी।

## खबर जरा हटके

### देसी भाभी ने सड़क पर सरपट दौड़ाई बुलेट, स्वैग वाले वीडियो ने मचाया गदर!

सोशल मीडिया पर एक से एक वीडियो शेयर और वायरल होते रहते हैं। जिनमें अधिकांश ऐसे होते हैं जो अपने अलग और अनोखे अंदाज के चलते लोगों की पसंद बन जाते हैं जिसे लोग बार बार देखना पसंद करते हैं और वो वीडियो जल्दी ही छा जाते हैं। सिंह यह वीडियो कुछ भी हो सकता है कई हैरत अंगेज कारनामा तो कहीं बच्चों की क्यूटनेस कभी जानवरों की शरारतें तो कभी कुछ ऐसा जो अलग हो। जैसे वो भाभी जो लहंगा पहन कर बाइक दौड़ाती दिखी तो लोग देखते ही रह गए। इंस्टाग्राम पर एक भाभी का वीडियो धमाल मचा रहा है। जहां देसी अवतार में उनका बाइकर अंदाज लोगों को खूब लुभा रहा है। पारंपरिक लिबास, माथे पर टीका, सिर पर घूंघट और सड़क पर सरपट बुलेट दौड़ाती भाभी को देख लोगों ने कहा- गजब। वीडियो को 50 हज़ार से ज्यादा लाइक मिले। वायरल वीडियो में एक महिला ट्रेडिशनल गुर्जर पहनावे में है। सड़क पर बिंदास अंदाज में बुलेट दौड़ती दिखी तो देखने वाले दंग रह गए। इस दौरान धांसू भाभी ने अपने पीछे एक सहेली को भी बैठा रखा था। जिन्हें लेकर वो बड़ी तेजी से कहीं जा रही थी। उस वक्त कोई सड़क पर उनका वीडियो भी बनाता चल रहा था। फिर तो सोशल मीडिया पर आते ही बुलेट वाली भाभी का अंदाज़ वायरल हो गया। वीडियो लोगों को बेहद पसंद आ रहा है। क्योंकि ये कॉम्बिनेशन बड़ा जबरदस्त है।

## बाक्स न्यूज

### फिर कोरियाई ग्रुप पर चढ़ा बॉलीवुड का नशा, 'जेधा नशा'

बॉलीवुड का नशा हिंदुस्तान में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के सिर चढ़कर बोलता है। यहाँ के गाने भी लोगों को इतने पसंद आते हैं जिसे सुनने के बाद कदम खुद ब खुद थिरकने लग जाते हैं यही वजह है कि इन दिनों एक के बाद एक बॉलीवुड का कोई न कोई गाना जरूर दुनिया में धूम मचा रहा है। देश के अंदर ही नहीं दुनियाभर में डांस ग्रुप इंडियन गानों को अपनी धांसू परफॉर्मेंस के लिए चुनते हैं। जैसे काला चश्मा ट्रेंड कर रहा था वैसे ही एक नए गीत ने जगह बना ली है। इंस्टाग्राम पर कोरियाई बॉयज का डांस ग्रुप बीटीएस पर बॉलीवुड करना शायद बर फिर चढ़ता दिखाई दिया। कोरियाई बॉयज ने 'जेधा नशा' पर ज़बरदस्त ग्रुप परफॉर्मेंस देकर लोगों को अपना दीवाना बना रहा है। शेयर करने के बाद 24 घंटे से पहले ही वीडियो को 50,000 के करीब लाइक्स मिल गए। हालांकि वीडियो एडिटेड है। और हाद में हिन्दी गाना जोड़ा गया है। दक्षिण कोरियाई बॉय बैंड बीटीएस ने दुनिया भर में धूम मचाई है। पूरी दुनिया में लोग उनके संगीत को सुनना और उसे एंजॉय करना पसंद करते हैं। बीटीएस ग्रुप की वैसे तो खासियत है उनका म्यूज़िक। लेकिन उसके साथ ही उनकी कमाल की और अद्भुत कोरियोग्राफी भी लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहती है। जो सोशल प्लेटफॉर्म पर आते ही ज़बरदस्त धूम मचाता है। हाल ही में धांसू बीटीएस ग्रुप ने फेसम बॉलीवुड सॉन्ग 'जेधा नशा' पर शानदार डांस करते हुए देखा गया। जो सोशल मीडिया पर आते ही लोग जबरदस्त वायरल हो गया।

## चुनावी रैली में बोले गृह मंत्री अमित शाह

# 'दंगाइयों को सबक सिखाकर गुजरात में शांति कायम की'

**गुजरात (एजेंसी)।** गुजरात चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। ऐसे में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को झालोद में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने 20 साल पुराने 2002 गुजरात दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि हमने दंगाइयों को ऐसा सबक सिखाया है कि उन्हें गुजरात से बाहर जाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने सांप्रदायिक दंगे करना वालों को ऐसा सबक सिखाया है कि आज तक दंगाई अपना सिर नहीं उठा पाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी राज्य में अखंड शांति लेकर आया है। शाह ने कहा, जब गुजरात में कांग्रेस की सरकार सत्ता में थी, तो सांप्रदायिक दंगे चरम पर थे। मुझे बताइए कि क्या कांग्रेस के दौर

में दंगे होते थे या नहीं। नरेंद्र मोदी ने एक बार 2002 में इन दंगाइयों को ऐसा सबक सिखाया कि आज तक वे अपना सिर नहीं उठा पाए हैं। ये दंगाई गुजरात से बाहर चले गए है। बीजेपी ने गुजरात में शांति बहाली की है।अमित शाह ने पायल के लिए वोटों की अपील करते हुए कहा कि पायल को बहुत बड़े अंतर से जीतना चाहिए। एक बार फिर बीजेपी बड़े मार्जिन से जीतने जा रही है। एक बार फिर नरेंद्र भाई और भूपेंद्र भाई की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि पायल को टिकट देते हुए हम सभी ने सोचा था कि वह डॉक्टर है और राजनीति में नई है। लेकिन इस जनसभा में उमड़ी विशाल भीड़ को देखकर मुझे यकीन है कि पायल भारी मतों से जीतने जा रही है।

### भाजपा-आप के लिए खंभालिया सीट बनी प्रतिष्ठा की लड़ाई

गुजरात के द्वारका जिले की खंभालिया सीट आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई में बन गई है। कांग्रेस भी एक मौजूदा विधायक के साथ चुनावी मैदान में है। लिहाजा, यहां मुकाबला त्रिकोणीय हो चुका है। यहां विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विक्रम मदाम, आप के मुख्यमंत्री के चेहरे इसुदन गढ़वी और भाजपा उम्मीदवार मुलु अय्यर बेरा के बीच लड़ाई है। बीजेपी उम्मीदवार मुलु अय्यर बेरा ने खंभालिया सीट जीतने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा, खंभालिया सीट पर हम जीतेंगे, मैं लगातार यात्रा कर रहा हूं और लोगों से मिल रहा हूं। लोग मुझसे कहते हैं कि उन्होंने पिछले दो कार्यकाल से कांग्रेस को चुनकर गलती की और इसलिए विकास नहीं हुआ और विकास के काम अभी भी अटके हुए हैं। लोगों को अब लग रहा है कि उन्हें बीजेपी के साथ रहना चाहिए. खंभालिया सीट बीजेपी की ही है। बेरा ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी राज्य में चार सीटें भी नहीं जीतने जा रही है। उन्होंने कहा, इसुदान गढ़वी खंभालिया सीट से आम आदमी पार्टी का सीएम चेहरा हैं, लेकिन उम्मीदवार कोई भी हो, यहां के लोग समझदार हैं। लोग जानते हैं कि गढ़वी का परिचय क्या है। मैं यहां का स्थानीय हूं, मैं लोगों के साथ रहता हूं। भाजपा उम्मीदवार ने कहा, मैं बार-बार गांव जाता हूं। खंभालिया यह जानता है। मैं यहां चुनाव हार भी जाता हूं, तो भी मैं यहां लोगों के बीच ही रहूंगा और उनके सुख-दुख में शामिल होता हूं। आप पार्टी मुफ्त की चीजें देने की बात कर रही है और यहां के उम्मीदवार को सीएम चेहरा के रूप में लॉन्च किया है लेकिन खंभालिया के लोग जानते हैं कि आप राज्य में 4 सीटें भी नहीं जीतने जा रही है, तो उनका सीएम कहां से बनेगा? उन्होंने कहा कि विधायक और मंत्री होने के नाते उन्होंने क्षेत्र के लिए काफी विकास कार्य किए हैं। बीजेपी उम्मीदवार ने कहा कि 5 साल पहले यहां से चुने गए कांग्रेस विधायक ने जनता से किया वादा पूरा नहीं किया। इस बीच, आम आदमी पार्टी के सीएम उम्मीदवार इसुदान गढ़वी ने कहा कि गुजरात के लोग आप नेता को मुख्यमंत्री के रूप में चाहते हैं। इसुदान गढ़वी भी खंभालिया के ही रहने वाले हैं। वह पिपलिया गांव के निवासी हैं और पिछड़ा वर्ग से संबंध रखते हैं। राजनीति में आने से पहले गढ़वी पत्रकार थे। गढ़वी ने कहा, मैं एक साधारण आम आदमी हूं, एक किसान का बच्चा हूं। अरविंद केजरीवाल जी ने जो वाट्सएप नंबर दिया था, उसमें लाखों लोगों ने मुझे वोट दिया था कि हमारे उम्मीदवार इसुदान भाई गुजरात के सीएम हों और इस वजह से आज खुशी की लहर है। गढ़वी ने कहा, पूरे किसानों के बीच, बेरोजगार युवा और मजदूर वर्ग भी खुश हैं। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी ने 27 साल में कुछ नहीं किया। गढ़वी ने कहा, मुलु अय्यर बेरा और कांग्रेस यहाँ तस्वीर में भी नहीं हैं क्योंकि किसान एकजुट हैं। पहली बार खंभालिया का बच्चा मुख्यमंत्री बनने जा रहा है। भाजपा ने 27 साल में कुछ नहीं किया। वे सिर्फ अपनी गलतियों को छिपाने की साजिश कर रहे हैं, इन्होंने शिक्षा को कबाड़ बना दिया है। गढ़वी ने आगे कहा कि सरकार आम आदमी के बहुमत से बनेगी। 2017 में खंभालिया सीट पर कांग्रेस के विक्रम मदाम ने जीत हासिल की थी। उन्होंने बीजेपी के कालू चावड़ा को 11046 वोटों से हराया था। 2014 के उपचुनाव में यह सीट कांग्रेस के खाते में आई थी। उससे पहले 2007 से 2014 तक खंभालिया पर बीजेपी का कब्जा था। ऐसे में यहां बीजेपी और कांग्रेस की बादशाहत चलती रही है।

### सत्येंद्र के बहाने नड्डा का आप पर तंज, केजरीवाल ने तो जेल में भी मसाज का इंतजाम कर दिया

भाजपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि दिल्ली सरकार ने एमसीडी को और एमसीडी के माध्यम से राजनीति में घटिया हरकत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली की आप सरकार ने एमसीडी की बजट बढ़ाने के बजाय, घटाने का काम किया। दिल्ली नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी दिल्ली में चुनावी सभा को संबोधित किया। पश्चिमी पटेल नगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने जबरदस्त तरीके से एमसीडी में भाजपा के कार्यों की सराहना की और अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार पर निशाना साधा। अपने संबोधन में जेपी नड्डा ने कहा कि मैं अपने पार्षदों, सफाईकर्मियों और पार्टी के कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी लोगों की सेवा के साथ अपने आप को जोड़े रखा। उन्होंने कहा कि कोरोना में लॉकडाउन के दौरान भी हमारे सफाई कर्मियों ने अपने कार्यों में कोई कमी नहीं की। एमसीडी चुनाव के लिए वोटिंग 4 दिसंबर को होनी है जबकि नतीजे 7 दिसंबर को आएंगे। भाजपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि दिल्ली सरकार ने एमसीडी को और एमसीडी के माध्यम से राजनीति में घटिया हरकत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली की आप सरकार ने एमसीडी की बजट बढ़ाने के बजाय, घटाने का काम किया। कहीं बजट घटता है क्या? ये इनके कारनामे हैं। उन्होंने कहा कि 2018 में इनका (दिल्ली सरकार) 7,000 करोड़ का बजट था और 2021 में ये घटकर 6,121 करोड़ हो गया। इन्होंने बजट बढ़ाने के बजाय घटाने का काम किया। उन्होंने आगे कहा कि 70 हजार अनऑथोराइज घरों को रेगुलराइज करने का काम हमारी एमसीडी ने किया। 13 हजार कर्मचारियों को एमसीडी ने रेगुलराइज किया। 17 मल्टी लेवल पार्किंग कंस्ट्रक्शन करके बनाया। 9 मल्टी लेवल पार्किंग पर काम चल रहा है। इसके साथ ही नड्डा ने यह भी कहा कि 5 लाख 82 हजार स्ट्रीट लाइट में नए एलईडी बल्ब लगाए गए। साढ़े 9 लाख पुराने बल्ब को निकालकर नए एलईडी बल्ब लगाए गए। 80 प्रतिशत घरों से आज डोर टू डोर वेस्ट कलेक्शन हो रहा है। स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस चल रही है। हमने काम किया है काम करेंगे और लोगों की सेवा करेंगे। सत्येंद्र जैन के बहाते उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि केजरीवाल ने तो जेल में भी मसाज का इंतजाम कर दिया। शिक्षा की बात करें तो रेपिस्ट को थेरेपिस्ट बना दिया। मनीष सिसोदिया को तो शर्म आनी चाहिए, जो इतने बड़े झूठ पे झूठ बोल रहा है। आपको बता दें कि एमसीडी चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच है। आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच से वार-पलटवार का दौर भी लगातार जारी है।

### अब सड़कों पर नहीं दिखेंगे 15 साल पुराने सरकारी वाहन, सरकार का नया फैसला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में शुरू हुए वार्षिक 'एग्रो-विजन' कृषि प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह के अवसर पर यह ऐलान किया है कि भारत सरकार में इस्तेमाल हो रहे 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को स्क्रैप किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी है कि इस नीति के बारे में राज्यों को अवगत करा दिया गया है। गडकरी ने बताया कि, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में कल, उन्होंने एक फाइल पर साइन किया, जिसमें यह कहा गया है कि भारत सरकार के सभी 15 साल पूरे कर चुके वाहनो को कबाड़ में भेज दिया जाएगा। इस नीति को स्टेट लेवल पर अपनाया जाएगा। सभा में गडकरी ने यह भी जानकारी दी है कि पानीपत स्थित इंडियन ऑयल के दो प्लांट शुरू हो चुके हैं। इनमे से एक प्लांट से हर दिन एक लाख लीटर इथेनॉल का प्रोडक्शन होगा, और दूसरे प्लांट से चावल के भूसे का प्रयोग करके 150 टन बायो-बिटुमेन का प्रोडक्शन प्रतिदिन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और भारत के अन्य चावल उत्पादक राज्यों में निकलने वाले पराली को जलाने के बजाए इथेनॉल और बायो बिटुमेन बनाने के लिए प्रयोग होगा। गडकरी के मुताबिक भारत में और सड़क परिवहन विभाग को करीब 80 लाख टन बायो-बिटुमेन की आवश्यकता है। देश में प्रतिवर्ष करीब 50 लाख टन बिटुमेन का उत्पादन किया जाता है।

### भारत ऐसी व्यवस्था में विश्वास नहीं करता जहां कुछ देशों को दूसरों से श्रेष्ठ समझा जाता है: राजनाथ

**नई दिल्ली। (एजेंसी)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत किसी ऐसी विश्व व्यवस्था में विश्वास नहीं करता जहां कुछ देशों को दूसरों से श्रेष्ठ समझा जाता है। उन्होंने कहा कि देशों के कार्य मनुष्यों की समानता एवं सम्मान के सार तत्व से मार्गदर्शित हों जोकि प्राचीन मूल्यों का हिस्सा है। हिन्द प्रशांत क्षेत्रीय वार्ता (आईपीआरडी) 2022 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने सुरक्षा और समृद्धि को हमेशा सम्पूर्ण मानवता के 'सामूहिक उद्देश्य' के रूप में देखा है। उन्होंने कहा, ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि अगर सुरक्षा सही अर्थों में सामूहिक उद्यम बन जाती है तब हम एक ऐसी विश्व व्यवस्था तैयार करने के बारे में सोच सकते हैं जो हम सभी के लिये लाभदायक हो।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि अब हमें सामूहिक सुरक्षा के दायरे से ऊपर उठकर साझे हित और साझी सुरक्षा के स्तर पर जाने की जरूरत है। सिंह ने कहा, '' भारत बहुस्तरीय गठबंधन की नीति में विश्वास करता है जिसे विभिन्न हितधारकों के माध्यम से विविध सम्पर्कों के जरिये हासिल किया जा रहा है ताकि सभी के विचारों एवं चिंताओं के बारे में चर्चा की जा सके और उनका निपटारा किया जा सके।'' सुरक्षा परिदृश्य पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा को एक की कीमत पर दूसरे की जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि हमें सभी के लिये जीत की स्थिति सृजित करने का प्रयास करना चाहिए। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि एक मजबूत एवं समृद्ध भारत का निर्माण दूसरों की कीमत पर नहीं हो सकता है बल्कि भारत दूसरों देशों को उनकी पूर्ण क्षमता को हासिल करने में मदद के लिये है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत किसी ऐसी विश्व व्यवस्था में विश्वास नहीं करता है जहां कुछ को दूसरों से श्रेष्ठ समझा जाता है। उन्होंने कहा कि देशों के कार्य मनुष्यों की समानता एवं सम्मान के सार तत्व से मार्गदर्शित हों जोकि प्राचीन मूल्यों का हिस्सा है।

## विकास योजनाओं ने पकड़ी रफ्तार; आतंकियों की संख्या तीन तक सिमटी

# आतंक का पर्याय पुलवामा बना नए कश्मीर का चेहरा

**पुलवामा (एजेंसी)।** केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म होने के तीन साल के अंदर पुलवामा जिले में आतंकवाद के गढ़ की जगह विकास के रास्ते में नए कश्मीर का चेहरा बन गया है। एक तरफ पुलवामा जिले में सिर्फ तीन सक्रिय आतंकी बचे हैं, वहीं जिले का बजट दो सालों में पाँच गुना से अधिक बढ़ने से विकास को नई रफ्तार मिल रही है। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार विकास की योजनाओं की मंजूरी और आतंकी इकोसिस्टम के खिलाफ कार्रवाई में राजनीतिक दखलंदाजी का नहीं होना इस बड़े बदलाव की प्रमुख वजह है।

अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद रूक गई है पत्थरबाजी-आतंकी हमलों के लिए पुलवामा लंबे समय से बदनाम रहा है, लेकिन साल 2019 में सीआरपीएफ के 40 जवानों की शहादत और उसके बाद पाकिस्तान के भीतर किये गए एयर स्ट्राइक ने इसकी बदनामी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुँचा दिया। पुलवामा में सड़कों पर अब भी पत्थरबाजी में क्षतिग्रस्त हुए सुरक्षा बलों के कुछ वाहनों को देखा जा सकता है, लेकिन पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद रूकी पत्थरबाजी दोबारा शुरू नहीं हो पाई। पुलवामा के उपायुक्त बसीर उल हक चौधरी के अनुसार विकास योजनाओं को पारदर्शी तरीके से लागू करने और आतंकी इकोसिस्टम पर बिना राजनीतिक दखलंदाजी के कार्रवाई की वजह से जनता का सिस्टम पर भरोसा कायम करने में कामयाबी मिली है। बसीर उल हक चौधरी के अनुसार दो साल पहले शुरू हुई बैंक टू विलेज योजना के तहत जिले के सभी गांवों की 525 योजनाओं को चिह्नित किया गया और इनमें से 475 योजनाएं पूरी की जा चुकी है।

पुलवामा में बढ़ रहा है निवेश-47 फीसद युवा ... तरफ मोड़ने के लिए हर पंचायत में कम से कम एक खेल का मैदान सुनिश्चित किया गया और आज 190 पंचायतों में 247 खेल के मैदान हैं। पांच करोड़ की लागत से सिंथेटिक टर्फ हाकी स्टेडियम बनकर तैयार है। चौधरी के अनुसार दो सालों में स्कूलों छात्रों की संख्या 20 हजार बढ़ गई है। इसी तरह से जम्मू-कश्मीर की नई औद्योगिक नीति की वजह से आने वाले निवेश को हासिल करने पुलवामा पहले नंबर पर है। निवेश करने वालों में जिंदल ग्रुप की जेएसडब्ल्यू भी शामिल है। आतंकवादियों को छुड़ाने के लिए आते थे राजनीतिक नेताओं के फोन-उन्होंने कहा कि 2020-21 में जिले का बजट महज 137 करोड़ था, जो 2021-22 में तीन गुना बढ़कर 407 करोड़ हो गया। चालू वित्त वर्ष में पुलवामा जिले का बजट 750 करोड़ रुपये है। आतंक के खौफ से ... पांच अगस्त 2019 के बाद की बदली हुई परिस्थितियों की देन है। जिले के सबसे बड़े पुलिस अधिकारी के अनुसार 2019 के पहले किसी आतंकी संगठन से जुड़े ओवरग्राउंड वर्कर को पकड़ना आसान नहीं था। उसे छुड़ाने के लिए तत्काल राजनीतिक, सामाजिक नेताओं के फोन आने शुरू हो जाते थे। अब किसी का फोन नहीं आता क्योंकि सबको पता है फोन करने से कोई फायदा नहीं होगा। लोगों को पसंद आ रही है पुलिस की निष्पक्षता और पारदर्शिता-आतंक के खिलाफ लड़ाई में पुलिस की निष्पक्षता और पारदर्शिता लोगों को पसंद आ रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ इस जिले में पांच दर्जन से अधिक युवाओं को आतंकी बनने से रोकने में सफलता मिली है, जिनमें अधिकांश में माता-पिता या रिश्तेदार ने पुलिस से मदद मांगी थी। नए आतंकियों की भर्ती रूकने और पुराने आतंकियों के सफाए के बाद सक्रिय आतंकियों की संख्या तीन तक सिमट गई है। उन्होंने ...

### शाहनवाज हुसैन बोले- राहुल गांधी के नक्शे कदम पर चल रहीं ऋचा चड्डा

**विजयवाड़ा (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा भी राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं के नक्शे कदम पर चल रही हैं। ऋचा चड्ढा ने हाल ही में भारत चीन के बीच 2020 में हुई गलवान घाटी झड़प पर टिप्पणी की थी, जिसके बाद उन्हें काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। गलवान झड़प 2020 पर ऋचा चड्ढा की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा, 'भारतीय सेना ने गलवान घाटी में चीन को बहुत अच्छा सबक सिखाया और उनकी कब्रें अभी भी वहीं हैं। भारतीय सेना की उसके बाद दुनिया भर में प्रशंसा हुई, लेकिन ... भारतीय सैनिकों की बहादुरी पर उंगली उठा रहे हैं। दअरसल, ऋचा चड्ढा भी राहुल गांधी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के रास्ते पर चल रही हैं। सब कुछ बर्दाश्त किया जा सकता है लेकिन भारतीय सेना का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।' बुधवार को ऋचा ने उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी के बयान- भारतीय सेना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेने के किसी भी आदेश को पूरा करने के लिए तैयार है पर प्रतिक्रिया दी थी। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी का बयान रक्षा मंत्री के पिछले संबोधन के संदर्भ में दिया गया था जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेने के नई दिल्ली के संकल्प को दोहराया था, जिसमें कहा गया था।

# निगम चुनावों के लिए भाजपा ने जारी किया संकल्प पत्र

## गरीबों को आवास, कूड़ा मुक्त दिल्ली समेत 12 वादे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भाजपा ने शुक्रवार को एमसीडी चुनावों के लिए अपना 12 सूत्रीय संकल्प पत्र जारी किया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, राज्य भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता और विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी की मौजूदगी में यह 'संकल्प पत्र' जारी किया गया। इसमें भाजपा ने ई-गवर्नेंस पर जोर देते हुए आसानी से लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही है। राज्य भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने संकल्प पत्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ई-गवर्नेंस से निगम की सेवाएं मोबाइल पर उपलब्ध कराई जाएंगी। 'संकल्प पत्र' में छठ घाट एवं वाटर बॉडीज की स्थापना की बात कही गई है। साथ ही झुग्गी झोपड़ी निवासियों और गरीब लोगों को आवास सुविधाएं देने का वादा किया गया है।

संकल्प पत्र में दिल्ली नगर निगम की सभी सेवाएं 100 दिनों के अंदर मोबाइल एप्लीकेशन के जरिये ऑनलाइन किए जाने का वादा किया गया है। पार्टी ने कहा है कि हरित और स्वच्छ दिल्ली के लिए कचरे का निस्तारण तेज किया जाएगा। दिल्ली में कचरे को ऊर्जा उत्पादन के काम में लाया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र में सभी झुग्गी झोपड़ी निवासियों को पक्के मकान देने की बात कही है। पार्टी ने कहा है कि झुग्गियों में रहने वाले हर व्यक्ति को फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे। 17,000 फ्लैट आवंटन के लिए बन कर तैयार हो चुके हैं। भाजपा केंद्र सरकार की मदद से 5 वर्षों में दिल्ली में 7 लाख गरीबों को आवास मुहैया कराएगी। जहां झुग्गी वहां मकान योजना से दो लाख गरीब परिवारों को आवास मुहैया कराया जाएगा जबकि पीएम उदय योजना के तहत पांच लाख आवास मुहैया कराए जाएंगे।

झुग्गी बस्तियों में एमसीडी संचालित डिस्पेंसरी और मैटरनिटी वार्ड की सुविधा देने की बात कही गई है। सभी साप्ताहिक बाजारों का नियमितीकरण किए जाने का भी वादा किया गया है। रेहड़ी पटरी और असंगठित मजदूरों को सुविधाएं देने की बात कही गई है। भाजपा ने कहा है कि लोगों को रस्म पगड़ी और प्रार्थना सभाओं के लिए सामुदायिक हाल की निःशुल्क बुकिंग सुविधा प्रदान की जाएगी। भाजपा ने संकल्प पत्र में पहली अप्रैल 2023 से फैक्ट्री लाइसेंस समाप्त करने के साथ ही व्यापारियों को लाइसेंस में 15 फीसदी की छूट देने और गेस्ट हाउसों में रसोई खोलने की अनुमति देने का वादा भी किया है। हेल्थ लाइसेंस नीति को और सरल बनाने के साथ ही सिंगल विंडो मेकेनिज्म अपनाने की बात भी कही गई है।

संकल्प पत्र जारी किए जाने के मौके पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने दिल्ली सरकार पर भी जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज से 8 साल पहले दिल्ली में जो सरकार बनी थी वो लगभग हर वादे पर फेल निकली। आम आदमी पार्टी रिश्वतखोरी करके सीटें बांट रही है। दिल्ली सरकार ने अपनी सभी संवैधानिक कर्तव्यों को नजरअंदाज किया है। उनका करीब 70,000 करोड़ का बजट कहां जाता है, यह एक बड़ा रहस्य है। भ्रष्टाचार में घिरी दिल्ली सरकार लोगों को गुमराह करने की कोशिशें करती है। पीयूष गोयल ने कहा कि आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार को लेकर उठाए जा रहे सवालों का जवाब नहीं देती लेकिन दिल्ली के लोग अब आम आदमी पार्टी के बहकावे में नहीं आएंगे। आप एमसीडी चुनाव में टिकट बेचने, उसके जेल में बंद मंत्री की मालिश कराने, आबकारी नीति में अनियमितताओं पर जवाब देने में नाकाम रही है। आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली की जनता को हर मोर्चे पर धोखा दिया है। दिल्ली के लोग इन चुनावों में आम आदमी पार्टी को सबक सिखाएंगे।

### भाजपा का 12 सूत्रीय 'संकल्प पत्र' कुछ इस प्रकार

-निगम में ई-गवर्नेंस को और सुचारू बनाएंगे, जन्म-मृत्यु हाउस टैक्स जो पहले से ऑनलाइन है, उसे 100 दिन के भीतर मोबाइल एप के जरिये उपलब्ध कराएंगे।
-प्रदूषण नियंत्रण में निगम पूरा सहयोग करेगा, दिल्ली के सस्टेनेबल विकास और ग्रीन दिल्ली बनाने की ओर आगे बढ़ेंगे, कूड़े से बिजली बनाएंगे।
-हर बेघर को मकान बनाकर देंगे, 17 हजार मकान बनकर तैयार हैं, 35 योजनाएं प्रोसेस में है, जहां झुग्गी वहीं मकान होंगे।
-अनाधिकृत कॉलोनी का 18 साल का हाउस टैक्स माफ होगा, अप्रूव कॉलोनियों में 6 साल का हाउस टैक्स माफ किया जाएगा, कोई पेनल्टी या टैक्स नहीं लिया जाएगा।
-दिल्ली के साप्ताहिक बाजारों का नियमतिकरण होगा। दिल्ली में 1 लाख फैक्ट्री और 35 इंडस्ट्रियल एरिया हैं,फैक्ट्री लाइसेंस को पूरी तरह समाप्त करेंगे।
-रूरल इलाकों, जेजे कॉलोनी, अनाधिकृत कॉलोनी को दिए जाने वाले फंड को दिल्ली सरकार ने रोका है, इनमें हम तेजी लाएंगे।
-महिलाओं के स्वास्थ्य और उनके गरिमापूर्ण जीवन के लिए 50 जन रसोई, 130 महिला क्लिनिक में आयरन और विटामिन दी जाएगी, अन्नपूर्णा योजना के तहत हर गरीब को 5 रुपये में भर पेट भोजन दिया जाएगा।
-लड़कियों को फ्री साइकल और गरीब विधवा महिलाओं की बेटियों की शादी के लिए 30 हजार से बढ़कर 50 हजार रुपए करेंगे।
-निगम के स्कूलों में स्मार्ट क्लास बनाएंगे। निगम की स्वास्थ्य सुविधाओं का आधुनिकीकरण करेंगे और जन औषधि से जोड़ेंगे।
दिल्ली में पार्किंग की बड़ी समस्या है, 100 से ज्यादा मल्टी पार्किंग बनाई गई है, नई जगहों और बड़े बाजारों में और पार्किंग बनाएंगे।
-1000 स्थाई छठ घाट बनाए जाएंगे।

## एक नजर

### बुलडोजर नहीं चलाएंगे, दिल्ली में अतिक्रमण हटाने पर बोले केजरीवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को अतिक्रमण मामले में बुलडोजर ना चलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हम बुलडोजर नहीं चलाएंगे। सीएम ने कहा, 'अलतेरेशन कर रखें हैं जिससे किसी को बाधा नहीं पहुंच रही। ऐसे लोगों को मौका देके उन्हें हटाने के लिए कहा जाएगा। हम बात करेंगे। लोग हटाते भी हैं। कई बार हमने प्रयास किया है, हम लोगों से ठीक करने को कहेंगे। आप बुलडोजर क्यों चला रहे हो। हम दिल्ली को ठीक कर के दिखाएंगे। हम ठीक करने दिखाएंगे जैसे हमने शिक्षा और स्वास्थ्य में काम किया है ऐसे ही हम अतिक्रमण से दिल्ली को ठीक करेंगे।' इससे पहले उन्होंने कहा था कि बीते पांच साल में दिल्ली सरकार ने एमसीडी को एक लाख करोड़ रुपये दिए हैं। कृपया भाजपा से पूछें कि यह सब कहां गया। सब चले गए, वे बहुत लालची हैं। उन्होंने कहा कि, हम छोटे-छोटे अतिक्रमणों को नियमित करेंगे ताकि लोग तनाव मुक्त रह सकें। हम अतिक्रमण के आधार पर एक छोटा जुर्माना लगा सकते हैं। हमरा अच्छा काम करने का इरादा है। हमारी नीयत साफ है।

### महिला की हत्या के मामले में भारतीय मूल का ऑस्ट्रेलियाई नागरिक गिरफ्तार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई नागरिक राजविंदर सिंह को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। सिंह पर ऑस्ट्रेलिया के क्वीन्सलैण्ड शहर में एक महिला की हत्या करने का आरोप है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना के बाद वह ऑस्ट्रेलिया से भाग गया था। सिंह की गिरफ्तारी पर 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का ईनाम था। इंटरपोल ने सिंह (38) के खिलाफ एक ब्रोड कॉर्नर नोटिसह्व जारी किया था, जिसके बाद पटियाला हाउस अदालत ने उसके खिलाफ 21 नवंबर को प्रत्यर्पण अधिनियम के तहत गैर जमानती वारंट जारी किया। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्षों की ओर से साझा की गई जानकारी के आधार पर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी को दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ इकाई ने सुबह करीब छह बजे जीटी करनाल रोड से पकड़ा। उन्होंने बताया कि आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए अदालत में पेश किया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग ने चार नवंबर को बताया था कि समुद्र तट पर ऑस्ट्रेलियाई महिला की हत्या करने वाले सिंह की गिरफ्तारी पर 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का ईनाम घोषित किया गया है। अक्टूबर 2018 में त्वोह कोर्डिंग्ले (24) अपने कुत्ते को क्वींसलैंड के वांगेटी बीच पर टहलाने निकली थी, जब उनकी हत्या कर दी गई। सिंह इनिसफेल में बतौर नर्स काम करता था। कोर्डिंग्ले की हत्या करने के दो दिन बाद ही वह अपनी पत्नी और दो बच्चे छोड़कर ऑस्ट्रेलिया से भाग गया था।

### आबकारी घोटाला मामला फर्जी, सिसोदिया को फंसाने की कोशिश : केजरीवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आबकारी नीति घोटाला मामले को 'फर्जी' करार दिया और आरोप लगाया कि इसमें उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को फंसाने का प्रयास किया गया जबकि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को अपनी जांच में उनके खिलाफ कुछ भी नहीं मिला। केजरीवाल ने ट्वीट किया, सीबीआई आरोपपत्र में मनीष का नाम नहीं। पूरा मामला फर्जी। छापे में कुछ नहीं मिला। 800 अफसरों को चार महीने की जांच में कुछ नहीं मिला। मनीष ने शिक्षा क्रांति से देश के करोड़ों गरीब बच्चों को अच्छे भविष्य की उम्मीद दी। मुझे दुःख है ऐसे शख्स को झूठे केस में फंसा कर बदनाम करने की साजिश रची गयी। सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में सात आरोपियों के खिलाफ शुक्रवार को पहला आरोप पत्र दाखिल किया। अधिकारियों ने बताया कि आरोप पत्र में दो गिरफ्तार कारोबारियों के अलावा एक समाचार चैनल के प्रमुख, हैदराबाद निवासी एक शराब कारोबारी, दिल्ली निवासी एक शराब वितरक और आबकारी विभाग के दो अधिकारियों के नाम शामिल हैं। सीबीआई की प्राथमिकी में सिसोदिया का नाम लिया गया था लेकिन उनका नाम आरोप पत्र में शामिल नहीं है। एजेंसी द्वारा जांच संभालने के 60 दिन के अंदर आरोपपत्र दायर किया गया है।

## दिल्ली में 1300 करोड़ के क्लास रूम घोटाले पर चुप क्यों है केजरीवाल : भाजपा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में क्लास रूम बनाने के काम को करने के लिए टेंडर की प्रक्रिया को नियमों को ध्यान में रखते हुए पूरा नहीं किया गया। जिसका सच अब केजरीवाल सरकार के विजलेंस डिपार्टमेंट के डायरेक्टर के एक पत्र से हुआ है। बब्बर एंड बब्बर एसोसिएट नाम की कंपनी को निजी तौर पर फायदा पहुंचाया गया जिससे 1300 करोड़ रुपये घोटाला हुआ है।

शुक्रवार को प्रेस वार्ता में भाटिया ने कहा कि डायरेक्टर विजिलेंस तो दिल्ली सरकार के अंतर्गत आता है। इस बीच दिल्ली सरकार में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर एक रिपोर्ट चीफ सेक्रेटरी को दी गई है। इस पूरे मामले को भी भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता हरीश खुराना और अन्य लोगों की ओर से उठाया गया है। गौरव भाटिया ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस सरकार को क्लास रूम बनाने थे वह बाहर रूम बना रही है।

अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया का यही चरित्र है। गौरव भाटिया ने तंज कसते हुए आगे कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जहां भी होंगे वहां भ्रष्टाचार होगा ही। दिल्ली के अंदर स्कूल बनाने थे लेकिन स्कूल नहीं बनाए गए।

भ्रष्टाचार से अपनी जेब भरने के लिए स्कूलों में कमरे बनाने का हवाला दिया गया। नियमों का उल्लंघन तो हो ही रहा है, बड़े स्तर का अनियमितताएं बरती जा रहे हैं। काम का ठेका जरूर दिया जाता है लेकिन उस काम को बढ़ा दिया जाता है और उसके लिए कोई टेंडर भी नहीं किया जाता है। सरकार की कार्रवाई होती है, रेट बढ़ा दिए जाते हैं और पेमेंट पहले ही कर दी जाती है।

गौरव भाटिया ने आगे कहा कि दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी को एक रिपोर्ट डायरेक्टर ऑफ विजलेंस के स्तर से दी गई है, जिसमें बब्बर एंड बब्बर नाम की एक कंपनी का जिक्र किया गया है। यही वह कंपनी है जिसने बिना टेंडर के क्लास रूम बनाने की बात कही, जबकि सीवीसी गाइडलाइन्स है कि अगर जनता के पैसों यानी टैक्स के पेसों से कोई काम होता है तो सबसे पहले उसके लिए निविदा निकाली जाती है और फिर कम से कम खर्च में सारी चीजों को पूरा करने वालों को टेंडर दिया जाता है।

## चार्जशीट में उपमुख्यमंत्री का नाम नहीं : सौरभ भारद्वाज

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और विधायक सौरभ भारद्वाज ने पार्टी मुख्यालय में आज प्रेस वार्ता कर कहा कि भाजपा के नेताओं ने मई-जून के महीने से यह बात कहनी शुरू कर दी थी कि तथाकथित एक्साइज के अंदर गड़बड़ी हुई है और मनीष सिसोदिया जेल जाएंगे। भाजपा के प्रवक्ता गाना गाते थे कि अब तो जेल में जाना पड़ेगा, जेल की रोटी खानी पड़ेगी।

सीबीआई-ईडी ने लगभग 500 अफसरों की टीम बनायी और 600 से अधिक जगहों पर छापे मारे। उप मुख्यमंत्री के घर पर छापेमारी की गई और कई बार पूछताछ की। पांच सौ अफसरों द्वारा छह सौ जगह छापे मारने के बाद आज चार्टशीट कोर्ट के अंदर दायर की है। अभी चार्जशीट में सिर्फ यह दायर किया है कि किन लोगों के खिलाफ आरोप तय किए जाएं।

जिन लोगों के खिलाफ आरोप तय किए जा रहे हैं, उनमें सीबीआई ने आरोपी नंबर 1 उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बनाया था। लेकिन अब चार्जशीट में आरोपी नंबर एक मनीष सिसोदिया का नाम ही नहीं है। इसका मतलब है सीबीआई के छापे मारने, गवाहों के बयान लेने, लोगों को डरा धमका के सरकारी गवाह बनाने के बाद भी एक साक्ष्य नहीं मिला है। ऐसे में चार्जशीट में नाम नहीं होने की वजह से मनीष सिसोदिया पर कोई आरोप ही नहीं बनता है।

उन्होंने कहा कि चार्जशीट के अंदर मनीष सिसोदिया का नाम नहीं है, ऐसी खबरें मीडिया से आयी है। इससे एक बात साबित होती है कि यह पूरा का पूरा केस फर्जी था और सारे आरोप नकली थे। सिर्फ और सिर्फ गुजरात और दिल्ली नगर निगम के चुनाव में आम आदमी पार्टी को बदनाम करने के लिए, पूरे दिन भाजपा के प्रवक्ता प्रेस वार्ता करते थे। इन लोगों के पास सिवाय झूठी प्रेस वार्ता करने के कोई काम नहीं था।

हमारे नेता को घटिया भाषा का इस्तेमाल करते हुए ये कभी लुटेरे तो कभी चोर कहते थे। इसके अलावा कट्टर भ्रष्टाचारी और कट्टर बेईमान कहते थे। इनकी सबसे बड़ी समस्या ये है कि आम आदमी पार्टी एक कट्टर इमानदार पार्टी है। इनको यह बात सहन नहीं हो रही। इतने दिनों की मेहनत के बाद भी सीबीआई और ईडी को कुछ नहीं मिला और चार्जशीट में मनीष सिसोदिया का नाम तक नहीं है।

भारद्वाज ने कहा कि वह समझते हैं कि भाजपा को पूरे देश के लोगों, दिल्ली के छोटे बच्चों और उनके अभिभावकों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने दिल्ली के अंदर पिछले छह महीने में जहरीली राजनीति की और सुबह से शाम तक सिर्फ नकारात्मकता फैलाई। केंद्र की भाजपा सरकार की सीबीआई ने आज दबाव में कई कोशिशों के बाद भी मनीष सिसोदिया को चार्जशीट के अंदर आरोपित नहीं बनाया।

उन्हें लगता है कि इतिहास में पहली बार है कि आरोपित नंबर एक के खिलाफ एक भी आरोप तय नहीं कर पाए। इनकी चार्जशीट भी मनीष सिसोदिया का नाम लेने से कतरा रही है। ये एक बहुत बड़ी सच्चाई की जीत है। दिल्ली और देश के ईमानदार लोगों की जीत है।

## केजरीवाल की 'हत्या' की कथित साजिश को लेकर राज्य के निर्वाचन आयुक्त से करेंगे शिकायत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी (आप) के नेता दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 'हत्या' की कथित साजिश को लेकर शिकायत दर्ज कराने के लिए राज्य के निर्वाचन आयुक्त से मुलाकात करेंगे।

आप के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली पुलिस कर्मियों की मौजूदगी के बावजूद चुनाव से पहले केजरीवाल पर हमले हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा के दो गढ़ गुजरात और एमसीडी में 'आप' पार्टी के आने के डर से भाजपा के सांसद मनोज तिवारी समेत अन्य लोगों ने अरविंद केजरीवाल की हत्या की साजिश रची है।

भारद्वाज ने कहा कि वह राज्य के निर्वाचन आयुक्त विजय देव से दोपहर में मुलाकात करेंगे और तिवारी द्वारा दी गई कथित धमकी के बारे में एक शिकायत देंगे। पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराएंगे। इससे पहले दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी मामले की जांच की मांग की थी।

सिसोदिया ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर गुजरात और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव में हार के डर के चलते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जान से मारने की साजिश रचने का आरोप लगाने के एक दिन बाद शुक्रवार को इस मामले में जांच की मांग की। सिसोदिया ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता मनोज तिवारी ने केजरीवाल के खिलाफ बृहस्पतिवार को जिस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल किया, वह खुली धमकी है।

तिवारी ने इन आरोपों का जवाब देते हुए कहा, एमसीडी चुनाव टिकट बेचने के लिए जिस तरह से 'आप' विधायक को उनकी ही पार्टी के कार्यकताओं ने पीटा है, उसे देखकर मुझे केजरीवाल की सुरक्षा की चिंता हो रही है। भाजपा द्वारा केजरीवाल की हत्या की साजिश रचे जाने के आरोप लगाकर, सिसोदिया एक बार फिर पुराना राग अलाप रहे हैं।

उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, वह हर साल केजरीवाल की जान को खतरा होने का दावा करते हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या चल रहा है केजरीवाल दावा कर रहे हैं कि सिसोदिया को गिरफ्तार किया जाएगा, जबकि सिसोदिया, केजरीवाल की हत्या की साजिश रचे जाने की बात कर रहे हैं।

## संदीप भारद्वाज के आत्महत्या को सांसद मनोज तिवारी ने बताया मर्डर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पश्चिमी जिले के कीर्ति नगर इलाके में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संदीप भारद्वाज ने गुरुवार को आत्महत्या कर ली। इस मामले को लेकर भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने शुक्रवार को इसी पूरे मामले पर प्रेस वार्ता कर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर संदीप भारद्वाज की सुसाइड को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा यह बेहद दुखद है, यह आत्महत्या नहीं हत्या है। मनोज तिवारी ने कहा कि किसी की मौत पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। ऐसे में किसी और की मौत न हो जाए इसकी चिंता करना बहुत जरूरी है। तिवारी ने कहा कि वह मानते हैं कि ये आत्महत्या नहीं हत्या है। संदीप भारद्वाज आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता थे और टिकट के दावेदार थे, जिस प्रकार के प्रमाण, साक्ष्य आ रहे हैं। ये आत्महत्या नहीं लग रहा है। मनोज तिवारी ने आगे कहा कि संदीप भारद्वाज को 'आप' से टिकट मिलने का भरोसा मिला था और वह आम आदमी पार्टी के फाउंडर मेंबर थे। आप ने संदीप भारद्वाज की जगह अंजली राय के बेटे को ज्यादा पैसों में टिकट बेच दिया। ऐसी स्थिति में संदीप भारद्वाज काफी आहत थे और उन्होंने आत्महत्या कर ली। तिवारी ने कहा कि आत्महत्या के लिए मजबूर करना भी हत्या के समान होता है। यह पाप आप के शीर्ष नेतृत्व ने किया है। मनोज तिवारी ने कहा कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल के सुरक्षा की चिंता की है। वह चाहते है कि वो सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि जिस तरह उनके विधायक पिट रहे हैं, आप कार्यकर्ता मौत के मुंह में चला गया है। ऐसे में उन्हें सावधान रहने की जरूरत है।

## शराब घोटाले की चार्जशीट में सिसोदिया का नाम नहीं, केजरीवाल का दावा- पूरा केस है फर्जी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में सात आरोपियों के खिलाफ शुक्रवार को अपना पहला आरोप पत्र दाखिल किया। सीबीआई की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक आरोप पत्र में विजय नायर और अभिषेक बोइनपल्ली के साथ पांच अन्य लोगों के नाम हैं। इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि सीबीआई की चार्जशीट में मनीष सिसोदिया का नाम नहीं है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरा केस फर्जी है। इन्हें छापेमारी में कुछ नहीं मिला। 800 अधिकारियों को चार महीने जांच में कुछ भी नहीं मिला। मालूम हो कि मनीष सिसोदिया को सीबीआई की प्राथमिकी में नामित किया गया था। अब जब सीबीआई ने इस केस में अपना पहला आरोप पत्र दाखिल किया है, तो उनका नाम शामिल नहीं होने के कारण आम आदमी पार्टी हमलावर हो गई है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई को जांच में मनीष सिसोदिया के खिलाफ कुछ भी नहीं मिला। मनीष सिसोदिया ने शिक्षा क्रांति से देश के करोड़ों गरीब बच्चों को अच्छे भविष्य की उम्मीद दी। मुझे दुःख है ऐसे शख्स को झूठे केस में फंसाकर बदनाम करने की साजिश रची गई। सीबीआई के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में कुल सात आरोपियों के खिलाफ अपना पहला आरोपपत्र दाखिल किया है। इस आरोप पत्र में विजय नायर और अभिषेक बोइनपल्ली के अलावा एक समाचार चैनल के प्रमुख, हैदराबाद के एक शराब कारोबारी, दिल्ली का एक शराब वितरक और आबकारी विभाग के दो अधिकारी शामिल हैं।

## भागीरथ पैलेस बाजार में आग लगने से 100 से अधिक दुकानें खाक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** उत्तरी दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में थोक बाजार भागीरथ पैलेस में भीषण आग लगने से करीब 100 दुकानें जलकर खाक हो गईं। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम लगी इस आग पर काबू पा लिया गया है और अब जले हुए हिस्सों को ठंडा किया जा रहा है ताकि आग दोबारा न भड़क जाए। घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। पुलिस के मुताबिक आग लगने की घटना के दौरान पांच इमारतें प्रभावित हुईं, जिसमें से तीन दुकानें बचाव अभियान के दौरान ढह गईं।

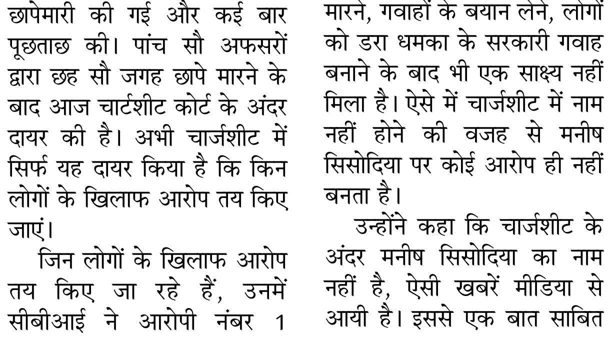

दमकल विभाग के अनुसार, उन्हें आग लगने की सूचना बृहस्पतिवार रात नौ बजकर 19 मिनट पर मिली और दमकल की 40 गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। अभी दमकल की 22 गाड़ियां वातावरण को ठंडा करने में जुटी हैं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर 12 घंटे से अधिक समय में काबू पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि बाजार के महालक्ष्मी मार्केट इलाके में एक दुकान में आग लग गई थी, जो तुरंत ही बाकी दुकानों में फैल गई। सभी दुकानें बिजली के उपकरणों की हैं। प्लास्टिक और रबर के जलने की वजह से पैदा होने वाली जहरीली गैसों के परिणामस्वरूप आसमान में सफेद धुंआ उठ रहा था और हवा प्रदूषित हो रही थी।

दिल्ली दमकल सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने शुक्रवार को कहा, आग पर काबू पा लिया गया है। अभी दमकल की 22 गाड़ियां शीतलन अभियान में जुटी हैं। हालांकि, आग लगने की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि कमजोर ढांचे, पानी की कमी और संकरी गलियों के कारण मकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

उत्तरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने कहा कि आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली नगर निगम(एमसीडी) के अधिकारी और पुलिस के रिजर्व बल मौके पर पहुंच गए। पुलिस उपायुक्त ने कहा, आग बुझाने का हर संभव प्रयास किया गया।

## एक नजर

### सिसोदिया की गिरफ्तारी के लिए ईडी डॉयरेक्टर से मिले प्रधानमंत्री मोदी : केजरीवाल

एनसीआर समाचार

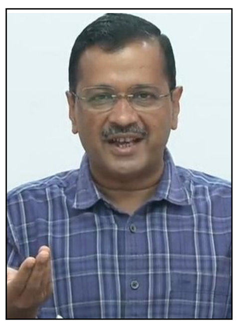

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए अपनी बात रखी। इस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर बात की। दिल्ली केजरीवाल ने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी जी खुद आम आदमी पार्टी के केस को मॉनिटर कर रहे है। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सीबीआई और ईडी के डॉयरेक्टर से मुलाकात की और कहा कि, कैसे भी कुछ भी करके मनीष सिसोदिया को जेल में डालो।

दिल्ली सीएम का कहना था कि, आम आदमी पार्टी और वो खुद कट्टर ईमानदार है और इसका सर्टिफिकेट खुद मोदी जी ने उन्हें दे दिया है। आगे उन्होंने कहा कि, जब से आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली में बनी है तब से ही भारत के प्रधानमंत्री उनके पीछे लगे हुए है, उनकी पार्टी की और सभी पार्टी कार्यकर्ताओं की जांच में लगे हुए है। 2015 से शुरू हुई ये जाँच 2022 तक भी समाप्त नहीं हुई। 7 साल बीत गए, लेकिन आज तक उनको 25 पैसे का भी होर फेर नहीं मिला, जिसकी वजह से वो आज तक मनीष सिसोदिया को जेल नहीं भिजवा पाए।

उनका कहना था कि, ये जांच जिंदगी भर चलती रहेगी। जब तक आम आदमी पार्टी की सरकार रहेगी तब तक सीबीआई और ईडी की जाँच जारी रहेगी और उनको कभी भी एक भी पैसे का भी घोटाला आम आदमी पार्टी की सरकार में नहीं मिलेगा।

### मजाक उड़ाने का विरोध करने पर लाठी-डंडे से पीटा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शाहदरा के सीमापुरी में मजाक उड़ाने का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। शराब के नशे में धुत पड़ोसी ने युवक और उसके पिता पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। वारदात में आरोपी युवक के परिवार वाले भी शामिल रहे। घायल अमित और उनके पिता महेश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी सलमान को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित 23 वर्षीय अमित परिवार के साथ सीमापुरी में रहते हैं। रात में वह अपने बेटे के साथ दुकान से आटा लेने के लिए गए थे। दुकान बंद होने पर वह वापस अपने घर लौट रहे थे। तभी रास्ते में उनका पड़ोसी सलमान शराब के नशे में मिला। वह उन्हें गंजा कहकर मजाक उड़ाने लगा। उन्होंने विरोध किया तो वह भड़क गया और गाली-गलौच करने लगा। इसके बाद सलमान घर से परिजनों के साथ लाठी-डंडे लेकर आया और अमित पर हमला कर दिया। बचाव में उनके पिता महेश आए तो उन्हें भी पीटा। हमले में अमित का सिर फट गया और बाएं हाथ की हड्डी टूट गई। पुलिस ने अमित की शिकायत पर केस दर्ज कर सलमान को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि बाकी अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

### ट्रेन के मार्ग में परिवर्तन रहेगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लखनऊ स्टेशन पर चल रहे कार्य के चलते 29 नवंबर तक कुछ ट्रेन के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। 14008 सद्भावना एक्सप्रेस दिल्ली से मुज्जफरपुर, 14014 सद्भावना एक्सप्रेस दिल्ली से सुल्तानपुर और 14016 सद्भावना एक्सप्रेस दिल्ली से रक्सौल जाने वाली गाड़ी मुरादाबाद-सुल्तानपुर होते हुए जाएगी। वहीं, 14018 सद्भावना एक्सप्रेस दिल्ली से मुज्जफरनगर जाते समय मुरादाबाद, फैजाबाद होते हुए जाएगी।

### एम्स में फॉलोअप के लिए टेलीमेडिसिन की सुविधा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एम्स में दिल की बीमारी के इलाज के लिए आने वाले मरीजों के लिए अच्छी खबर है। अस्पताल ने पहले से पंजीकरण करा चुके मरीजों के फॉलोअप के लिए फोन पर परामर्श की सुविधा लॉन्च की है, जिनका पहले से ही एम्स में इलाज चल रहा है। इसके लिए मरीज मंगलवार, गुरुवार को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक और शनिवार को 11 बजे से एक बजे तक 8929936750 पर कॉल कर सकते हैं।

### धोखाधड़ी के मामले में फरार महिला गिरफ्तार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दक्षिण पश्चिम जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने धोखाधड़ी के मामले में दो साल से फरार महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी 40 वर्षीय उर्मिला उर्फ उर्मी देवी ने फर्जी दस्तावेज से प्रॉपर्टी बेचकर धोखाधड़ी की थी। आरोपी महिला गुजरात के सूरत में छिपी हुई थी। पुलिस महिला से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। पिछले साल 15 जनवरी को पालम के रहने वाले प्रेमचंद ने सागरपुर थाना पुलिस को शिकायत दी थी। उन्होंने पुलिस को बताया था कि एक महिला ने फर्जी दस्तावेज बनाकर उनकी प्रॉपर्टी को बेच दिया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पता चला कि महिला गुजरात के सूरत में छिपी हुई है। पुलिस की टीम सूरत पहुंची और दो दिन तक तलाशी के बाद उसे गिरफ्तार किया।

# निगम चुनाव : चुनाव मैदान में 556 करोड़पति प्रत्याशी

## 139 उम्मीदवारों पर आपराधिक मुकदमे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए 4 दिसंबर को मतदान होगा। कुल 1349 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। आम आदमी पार्टी, बीजेपी और कांग्रेस मुख्यतः तीन पार्टियां मुख्य दावेदार में हैं। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी उम्मीदवार वोट पाने के लिए अपने-अपने वार्ड में चुनाव प्रचार में जुटे हैं। इन पार्टियों के बड़े नेता भी प्रत्याशियों के समर्थन में वोट मांग रहे हैं। किस पार्टी में कितने ऐसे प्रत्याशी हैं जिन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, किस पार्टी में अधिक धनवान प्रत्याशी हैं, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने नगर निगम चुनाव के 1349 में से 1336 प्रत्याशियों द्वारा चुनाव आयोग में दाखिल हलफनामे का अध्ययन कर रिपोर्ट जारी की है।

10 फीसदी प्रत्याशियों पर आपराधिक मामले: निगम चुनाव लड़ने वाले 10 फीसद यानी 139 प्रत्याशियों के खिलाफ अलग-अलग थानों में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। 139 में से 76 ऐसे प्रत्याशी हैं, जिन पर गंभीर मामले दर्ज हैं। जबकि वर्ष 2017 में निगम चुनाव लड़ने वाले 7 फीसद प्रत्याशियों पर आपराधिक मामले दर्ज थे। 2022 में समाजवादी पार्टी का सिर्फ एक प्रत्याशी मैदान में है, जिस पर केस दर्ज है। इस तरह उसके सौ फीसद प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। दूसरे पायदान पर ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम है, जिनके 33 फीसद प्रत्याशियों के खिलाफ अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज हैं। तीसरे नंबर पर आरएलडी के प्रत्याशी हैं जिनपर 25 फीसद प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, तो चौथे पायदान पर आम आदमी पार्टी है।

वर्ष 2017 में आम आदमी पार्टी में 8 फीसद ऐसे प्रत्याशी थे जिनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज थे, वहीं 2022 में 18 फीसद ऐसे प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पांचवें नंबर पर बीजेपी है जिसके 11 फीसद प्रत्याशियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी के खिलाफ हत्या की कोशिश जैसे गंभीर मामले भी दर्ज हैं। एक प्रत्याशी के खिलाफ हत्या का मुकदमा भी दर्ज है।

42 फीसद प्रत्याशी करोड़पतिः एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार 1336 चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों में 556 प्रत्याशी (लगभग 42 फीसद) करोड़पति हैं। इन प्रत्याशियों की औसत संपत्ति 2.27 करोड़ है। चुनाव लड़ने वाले धनवान प्रत्याशियों की बात करें तो वर्ष 2017 के मुकाबले 2022 में धनवान प्रत्याशियों की संख्या 12 फीसद बढ़ी है। वर्ष 2017 में 30 प्रतिशत प्रत्याशी ऐसे थे, जो करोड़पति थे। वहीं 2022 में जो प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं, उनमें 42 फीसदी करोड़पति हैं। संस्था ने कुल 1336 प्रत्याशियों के हलफनामे के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इनमें 556 यानी 42 फीसद करोड़पति प्रत्याशी हैं। 2017 के निगम चुनाव में चुनाव लड़ने वाले 2315 प्रत्याशियों में 697 यानी 30 फीसद करोड़पति थे।

राजनीतिक पार्टियों के हिसाब से देखें तो समाजवादी पार्टी का जो 1 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है, वह करोड़पति है। बीजेपी के 250 में से 162 प्रत्याशी यानी 65 फीसद करोड़पति हैं। वहीं आम आदमी पार्टी के भी 7 फीसद यानी 148 प्रत्याशी, करोड़पति है। बीजेपी के बल्लीमारान वार्ड से चुनाव लड़ने वाले रामदेव शर्मा सबसे अमीर प्रत्याशी हैं। उन्होंने हलफनामे में कुल 66 करोड़ अपनी संपत्ति होने का जिक्र किया है। दूसरे नंबर पर भी बीजेपी से ही मालवीय नगर वार्ड से चुनाव लड़ रही नंदिनी शर्मा हैं। इन्होंने अपने हलफनामे में कुल 49 करोड़ संपत्ति होने का जिक्र किया है। तीसरे नंबर पर आम आदमी पार्टी के करावल नगर से प्रत्याशी जितेंद्र बंसल है। उन्होंने अपने हलफनामे में कुल 48 करोड़ रुपये होने का जिक्र किया है।

वहीं दो निर्दलीय प्रत्याशी ऐसे हैं जिन्होंने अपने हलफनामे में अपनी कुल संपत्ति को जीरो बताया है। ककरोला वार्ड से चुनाव लड़ रही रीता और द्वारका सी वार्ड से चुनाव लड़ रही बीना देवी ने चुनाव आयोग को अपनी संपत्ति का जो ब्यौरा दिया है, उसमें शून्य संपत्ति लिखा है। इसके अलावा तीन और प्रत्याशियों ने अपनी कुल संपत्ति महज हजार रुपए होने का जिक्र किया है।

कापसहेड़ा वार्ड से चुनाव लड़ रही निर्दलीय प्रत्याशी कुसुम यादव ने अपनी कुल संपत्ति 2000 रुपये बताई है, तो शास्त्री नगर से कांग्रेस की प्रत्याशी पंकज राणा ने अपनी कुल संपत्ति 2517 रुपए बताया है। बीएसपी पार्टी से वसंत विहार वार्ड से चुनाव लड़ रही सुनीता ने अपनी कुल संपत्ति 3570 रुपये होने का जिक्र हलफनामे में किया है। इनके पास तो पैन कार्ड भी नहीं है। चुनाव मैदान में 20 प्रत्याशी ऐसे हैं जिन्होंने पैन कार्ड से संबंधित जानकारी नहीं दी है।

60 अनपढ़ प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में: पढ़ाई लिखाई की बात करें तो कुल प्रत्याशियों में से 752 यानी 56 फीसद ऐसे प्रत्याशी हैं, जिन्होंने अपनी शैक्षणिक योग्यता पांचवी से लेकर 12वीं तक ही बताई है। 36 फीसद प्रत्याशी यानी 487 ऐसे प्रत्याशी हैं जिन्होंने अपनी शैक्षणिक योग्यता स्नातक और उससे ऊपर का जिक्र किया है। 12 प्रत्याशी डिप्लोमा होल्डर हैं, 22 ऐसे हैं जिन्होंने बताया है कि वह सिर्फ साक्षर हैं और 60 ऐसे प्रत्याशी हैं जो निरक्षर हैं। मतलब वह पढ़ना-लिखना नहीं जानते हैं तीन प्रत्याशी ने अपने शैक्षणिक योग्यता की जानकारी नहीं दी है। चुनाव लड़ने वाले हैं 38 फीसद प्रत्याशी यानी 510 ऐसे हैं जिनकी आयु 21 से 40 वर्ष के बीच है। 55 फीसद प्रत्याशी यानी 741 ऐसे हैं जिनकी आयु 41 से 7 वर्ष के बीच है और 5 फीसद प्रत्याशी यानी 73 ऐसे हैं जिनकी आयु 61 से 80 साल के बीच में है। 12 प्रत्याशी चुनाव मैदान में ऐसे हैं जिन्होंने अपनी उम्र के बारे में जानकारी नहीं दी है।

## दिल्ली में मैट्रीमोनियल साइट पर विधवा से दोस्ती कर किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की टीम ने बलात्कार के एक मामले में घोषित फरार अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित पहले से ही दो शादी कर चुका था और मैट्रीमोनियल साइट के जरिए विधवा महिलाओं को शादी का झांसा देकर उनके साथ संबंध बनाता था। आरोपित कई दिनों से फरार चल रहा था जिसे अपराध शाखा की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपित की पहचान रवि लखीना के रूप में हुई है। आरोपित दिल्ली में जनकपुरी के चंद्र नगर का रहने वाला है। आरोपित को कोर्ट ने एक मामले में फरार घोषित कर रखा था जिसे अपराध शाखा की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। अपराध शाखा ने शनिवार को बताया कि सात अप्रैल को एक पीड़िता ने थाना वसंत कुंज में एक शिकायत दर्ज कराई जिसमें उसने आरोप लगाया कि वह विधवा है और अकेली रहती है। वह एक व्यक्ति से मैट्रीमोनियल साइट पर मिली थी। आरोपित ने मैट्रीमोनियल साइट पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर उससे दोस्ती की और शादी का झांसा दिया।

जिसके बाद वह उससे मिली तो इसी दौरान उससे दुष्कर्म किया। बाद में उसे पता चला कि वह व्यक्ति पहले से ही शादीशुदा है। उसकी दो पत्नियां और दो बच्चे हैं। उसने फर्जी प्रोफाइल से झांसा देकर उसके साथ धोखाधड़ी की और दुष्कर्म किया। इस शिकायत पर थाना वसंत कुंज नॉर्थ में दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया। आरोपित रवि लखिना फरार था और अदालत की ओर से उसे आरोपित भी घोषित किया गया था।

उसे गिरफ्तार करने के लिए डीसीपी अमित गोयल ने एसीपी उमेश भारद्वाज के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया, जिसमें क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर राकेश कुमार, एसआई गौतम, एएसआई अशोक, विकास कुमार, नरेंद्र गोदारा, हेड कांस्टेबल राहुल, इरशाद, नाहनजी, कमल गोदारा और सुर्वदेव को शामिल किया गया। अपराध शाखा की टीम ने जानकारी विकसित करते हुए अपराधी रवि लखनिया के परिवार के सदस्य और रिश्तेदारों पर तकनीकी निगरानी रखी। सूचना मिली कि वांछित आरोपित रवि लखीना सेक्टर- 48 गुरुग्राम हरियाणा में हो सकता है। टीम ने जाल बिछाया।

आरोपित रवि लखिना को वहां से गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में पता चला कि आरोपित रवीना पहले से ही शादीशुदा है।

## आप नेता सत्येंद्र जैन का नया वीडियो आया सामने, इस बार 'निलंबित तिहाड़ जेल प्रमुख के साथ आए नजर

एनसीआर समाचार

दिल्ली नगर-निगम एमसीडी के चुनाव के लिए केवल एक सप्ताह का समय बचा है, जेल में बंद आप नेता सत्येंद्र जैन का एक नया और चौथा वीडियो, कथित तौर पर तिहाड़ जेल के हाल ही में निलंबित अधीक्षक के साथ बातचीत करते हुए, सोशल मीडिया पर सामने आया है।

कथित वीडियो में सत्येंद्र जैन कुछ आदमियों के साथ अपनी कोठरी के अंदर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं और एक चौथा आदमी अंदर आता है जबकि बाकी लोग चले जाते हैं। 1.17 मिनट की क्लिप में जैन उस व्यक्ति से करीब एक मिनट तक बात करते नजर आ रहे हैं। वहीं अधिकारियों के मुताबिक, वीडियो में दिख रहा शख्स सुपरिंटेंडेंट अजीत कुमार था जो जेल नंबर 7 में तैनात था। इस महीने की शुरुआत में दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार ने कथित तौर पर जैन को विशेष वीआईपी ट्रीटमेंट देने के लिए कुमार को निलंबित कर दिया था।

जैसे ही नया वीडियो सामने आया, भारतीय जनता पार्टी बीजेपी, जो पहले ही आप और सत्येंद्र जैन के जेल में विशेष इलाज के वीडियो को लेकर निशाना साध चुकी है, ने फिर से निशाना साधा।

एक भाजपा नेता ने कहा कि "आप के जेल में बंद मंत्री सत्येंद्र जैन का एक नया वीडियो वायरल हो रहा है और सत्येंद्र जैन अधीक्षक अजीत कुमार के साथ बातचीत कर रहे हैं, जिन्हें हाल ही में मुख्य सचिव ने उन्हें विशेष उपचार देने के लिए निलंबित कर दिया था।"

बता दे कि एक हफ्ते के अंदर अब तक सत्येंद्र जैन के करीब चार वीडियो ऑनलाइन लीक हो चुके हैं। पहले के एक वीडियो में, उन्हें कथित तौर पर जेल के अंदर "मालिश" करते देखा गया था। हालांकि, आप ने कहा कि वह "फिजियोथेरेपी" थी "मालिश" नहीं। जैन के धार्मिक विश्वास के अनुसार कच्चा भोजन करने का एक अन्य वीडियो भी ऑनलाइन सामने आया था।

वहीं, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि चूंकि बीजेपी एमसीडी चुनाव और गुजरात चुनाव हार रही है, इसलिए उसके पास "जनता को दिखाने के लिए" कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे वोट बटोरने के लिए इस तरह के और वीडियो क्लिप जारी करेंगे।

## चांदनी चौक के भागीरथ पैलेस बाजार की दुकानों में लगी भीषण आग, कई दुकाने जलकर हुई खाक

एनसीआर समाचार

दिल्ली के चांदनी चौक स्थित भागीरथ पैलेस बाजार की दुकानों में लगी भीषण आग पर रात भर लगी भगदड़ के बाद शुक्रवार सुबह काबू पा लिया गया। हालांकि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना कोई नहीं है, लेकिन आग में कई दुकानें जलकर खाक हो गईं।

बता दे कि दमकल अधिकारियों ने कहा कि बाजार की संकरी और भीड़भाड़ वाली गलियां होने के कारण उन्हें आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं दिल्ली के व्यस्त चांदनी चौक बाजार में आग एक सतत चिंता का विषय है। दिल्ली हिंदुस्तान मर्केंटाइल एसोसिएशन के महासचिव भगवान बंसल ने मीडिया को बताया कि हर छह-आठ महीने में यहां आग लग जाती है।

चांदनी चौक में आग कैसे लगी?

अधिकारियों के मुताबिक आग गुरुवार रात 9 बजकर 19 मिनट पर लगी। ह्रआग एक दुकान में लगी और देखते देखते वे बगल की दुकानों में फैल गई। दमकल कर्मी लगातार आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे थे। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

आग के फैलने के तुरंत बाद, 30 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारियों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि आग बुझाने के लिए एक रिमोट कंट्रोल फायर फाइटिंग मशीन भी तैनात की गई थी। लेकिन अधिकारी अगली सुबह भी आग बुझाने के लिए संघर्ष करते रहे। शुक्रवार की सुबह, एक अधिकारी ने एएनआई को बताया कि "स्थिति बहुत अच्छी नहीं है", यह कहते हुए कि एक इमारत का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था।

आखिरकार इसे नियंत्रण में लाया गया और शुक्रवार सुबह करीब 10.30 बजे कूलिंग ऑपरेशन शुरू किया गया। साथ ही अग्निशमन विभाग के अधिकारी यह स्थापित करने में सक्षम थे कि आग एक दुकान में लगी और फिर तेजी से फैल गई। लेकिन अभी तक उन्हें आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

चांदनी चौक में आग लगना एक आम घटना क्यों है?

भगवान बंसल के मुताबिक, मुख्य समस्या पूरे इलाके में बिजली के तारों का लटकना है। ह्रजब बीएसईएस मीटर बदलने के लिए आता है, तो तारों को खुला छोड़ दिया जाता है। हम लगातार स्थानीय कार्यालय में इस मुद्दे को उठाते हैं और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और उपराज्यपाल को पत्र भेज चुके हैं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

## दिल्ली नगर निगम में बदरपुर की जनता दे रही आम आदमी पार्टी को अपना समर्थन

एनसीआर समाचार

दिल्ली नगर निगम का चुनाव बेहद जल्द होने वाला है ऐसे में सभी पार्टियों की तैयारियों में तेजी आ गई है। हर पार्टी यही चाहती है की नगर निगम में उनका ही राज हो उनकी ही सरकार बने। देखा जाए तो पिछले 15 सालों से दिल्ली के नगर निगम में भाजपा का ही राज रहा है, ऐसे में कुछ जनता ये चाहती है कि भाजपा ही उस गद्दी पर रहे और वहीं दूसरी ओर कुछ जनता ये चाहती है कि इस बार नगर निगम में आम आदमी पार्टी को मौका दिया जाए। जहां इतने सालों तक भाजपा का काम देखा, वहीं अब एक मौका आम आदमी पार्टी और अरविन्द केजरीवाल को देकर भी देखना चाहिए। दिल्ली के बदरपुर क्षेत्र में की जनता का मानना है कि जो काम इतने सालों में भाजपा नहीं कर पाई वो अब आम आदमी पार्टी ही कर पायेगी। वहीं कुछ लोगों का ये कहना है कि वो आम आदमी पार्टी की मुफ्त की सुविधाओं से खुश है। आम आदमी पार्टी प्रमुख शिक्षित है और देश को भी शिक्षा की ओर ले जायेंगे।

दिल्ली के भिन्न क्षेत्रों से जनता के अलग अलग मत आ रहे है, जो अपने अपने पसंद की पार्टियों को समर्थन देने और जिताने की बात करती है। 8 दिन शेष रह गए है चुनाव को और 7 दिसंबर को दिल्ली नगर निगम चुनाव का परिणाम भी आ जायेगा।

## एमसीडी चुनाव: भाजपा ने झोंकी ताकत, आज उतरेंगे एक लाख कार्यकर्ता

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एमसीडी चुनाव के मतदान की तारीख नजदीक आते ही दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। मतदान से पहले पड़ने वाले रविवार को भारतीय जनता पार्टी के एक लाख कार्यकर्ता दिल्ली के प्रत्येक मतदाता तक पहुंचेंगे और उन्हें पार्टी की उपलब्धियों और केंद्र की मोदी सरकार की लोकप्रिय योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे। इसके अलावा उन्हें संकल्प पत्र देकर आगामी एमसीडी चुनाव में भाजपा के लिए मतदान करने को प्रेरित करेंगे।

शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के पंडित पंत मार्ग स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता में भारतीय जनता पार्टी की तरफ से यह सूचना दी गई। पार्टी कार्यालय की सूचना के अनुसार कल यानी रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में पार्टी महा जनसंपर्क अभियान चलाएगी। इस दौरान जेपी नड्डा खुद वजीरपुर में कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मतदाताओं को भारतीय जनता पार्टी की उपलब्धियों के बारे में बताएंगे और उन्हें संकल्प पत्र देंगे।

इसके अलावा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा शासित कई अन्य प्रदेशों के मुख्यमंत्री भी इस अभियान में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के नेताओं समेत 100 से अधिक सांसद विधायक स्वयं सड़कों पर उतर कर लोगों से आगामी चुनाव में भाजपा के लिए वोट करने की अपील करेंगे। आम आदमी पार्टी के सात कार्यकर्ताओं को भाजपा में किया गया शामिल : शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल के नेतृत्व में रोहिणी इलाके के सात आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों को भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता दिलाई गई। इसके अलावा मटियाला विधानसभा के अंतर्गत आने वाले वार्ड की एक प्रत्याशी जो कि बहुजन समाज पार्टी से एमसीडी का चुनाव लड़ने वाले थे उन्हें भी भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाई गई है। भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है।

## कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में किया प्रचार, आप नेता ने थामा हाथ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने आज मयूर विहार फेज-2, वार्ड 196 में कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में पदयात्रा की और जनसभा को सम्बोधित किया और मौजूद मतदाताओं से कांग्रेस प्रत्याशी को वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने क्षेत्रीय कर्मठ, निष्ठावान कार्यकर्ताओं को चुनाव मैदान में उतारा है, जिन्हें दिल्ली की जनता से भरपूर समर्थन मिल रहा है। भाजपा, आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों का जनता द्वारा बहिष्कार किया जा रहा है, जिससे साफ हो गया है कि दिल्ली की जनता दिल्ली नगर निगम कांग्रेस को एक बार फिर निगम में मौका देने जा रही है। दूसरी ओर आज आम आदमी पार्टी से कस्तूरबा नगर विधानसभा क्षेत्र के 146-अमर कॉलोनी वार्ड अध्यक्ष राहुल बैसोया और श्रीमती चंदा रॉय सहित बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हो गए। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक दत्त, प्रवक्ता धीरज बैसौया, ओबीसी चेयरमैन विजय चौधरी भी मौजूद थे।

# शिक्षकों के अवकाश को स्वीकृत करने में अधिकारी अब नहीं कर सकेंगे हीलाहवाली

धन उगाही करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्यवाही
मानव सम्पदा पोर्टल के ऑनलाइन अवकाश मॉड्यूल को लेकर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के अधिकृत उत्तर जारी

लखनऊ। डिजिटल इंडिया मिशन को आगे बढ़ाते हुए, सरकार ऑनलाइन उपलब्ध सेवाओं का अधिकतम लाभ उठा रही है। ऐसी ही एक वेबसाइट है मानव संपदा पोर्टल, मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली के लिए एक ई-टूल, जिसे शिक्षा क्षेत्र को लाभ पहुंचाने के लिए तीन साल पहले शुरू किया गया था। वर्तमान में इसकी शुरुआत अन्य 25 विभागों में भी कर दी गई है।

मानव संपदा पोर्टल शिक्षकों, कर्मचारियों की निगरानी, प्लानिंग, भर्ती, पोसिंटग, पदोन्नति, स्थानांतरण, सेवा इतिहास के रखरखाव आदि में मदद करता है। मानव संपदा पोर्टल से ही शिक्षकों को मेडिकल अवकाश, मातृत्व अवकाश, चाइल्डकेयर अवकाश, आकस्मिक अवकाश और गर्भपात अवकाश मिलता है। इससे किसी भी प्रकार के फर्जीवाड़े की संभावना एवं धन उगाही की संभावना नहीं रहती है। हां इतना अवश्य है कि कहीं कहीं खंड शिक्षा अधिकारी और बेसिक शिक्षा अधिकारी हैं चाइल्ड केयर लीव अप्रूव करने के लिए शिक्षकों से धन उगाही करते हैं।

अवकाश लेने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश

आकस्मिक अवकाश के बीच में पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश आपके सीएल बैलेंस से काट लिए जाएंगे। यदि किसी भी आकस्मिक अवकाश के बीच में सार्वजनिक अवकाश या रविवार आ रहा है तो उनके लिए अलग-अलग आवेदन करें। आकस्मिक अवकाश के अतिरिक्त सभी अवकाश जैसे ईएल, मातृत्व अवकाश, सीसीएल, एमएल आदि के उपरांत ज्वाइनिंग रिक्वेस्ट अनिवार्य रूप से भेजनी होगी। ज्वाइनिंग रिक्वेस्ट अप्रूव न होने तक अन्य अवकाश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर पाना संभव नहीं होगा। आकस्मिक अवकाश के प्रीफिक्स और सफिक्स को ध्यानपूर्वक भरा जाए। यदि आपके द्वारा गलत सफिक्स भर दिया जाता है तो सफिक्स वाले दिन आप अवकाश अप्लाई नहीं कर पाएंगे।

सेल्फ लीव कैंसिलेशन का ऑप्शन आवेदित अवकाश के एक दिन पूर्व तक ही उपलब्ध रहेगा।

आवेदित अवकाश की दिनांक को सेल्फ लीव कैंसिलेशन का ऑप्शन उपलब्ध नहीं रहेगा।

आवेदित अवकाश की दिनांक से तथा दिनांक के उपरांत लीव को कैंसिल कराने के लिए आपको लीव कैंसिलेशन रिक्वेस्ट अपने रिपोर्टिंग ऑफीसर को स्वीकृत करने हेतु भेजनी होगी।

मेडिकल लीव, सीसीएल आदि अवकाश के एक्सटेंशन के लिए आपको पूर्व आवेदित अवकाश के रिफरेंस नम्बर से अप्लाई करना होगा जिसके लिए पूर्व आवेदित अवकाश का रिपोर्टिंग ऑफिसर द्वारा स्वीकृत होना अनिवार्य है तथा एक्सटेंशन लीव पूर्व में आवेदित अवकाश के स्वीकृत रिपोर्टिंग ऑफिसर जैसे बीईओ या बीएसए के पास जाएगी। कर्मचारी के अवकाश की अवधि पूरी हो जाने के बाद अवकाश मॉड्यूल में ऑनलाइन ज्वाइनिंग प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है। जब तक कर्मचारी द्वारा अपनी ज्वाइनिंग का अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया जाएगा तब तक वह अगले किसी भी प्रकार के अवकाश के लिए आवेदन नहीं कर सकेगा।

शिक्षक किसी भी प्रकार/प्रकृति यहां तक कि राजपत्रित अवकाश निर्बंधित अवकाश या सार्वजनिक अवकाश जैसे रविवार दिवसों के लिए भी अवकाश हेतु आवेदन कर सकता है। शिक्षकों का चार दिन तक का अवकाश प्रधानाध्यापक स्वीकृत करेंगे। इससे अधिक होने पर बीईओ स्वीकृत करेंगे।

आकस्मिक अवकाश के लिए सहायक अध्यापकों को रिपोर्टिंग ऑफिसर प्रधानाध्यापक को और प्रधानाध्यापक को रिपोर्ट ऑफिसर खंड शिक्षा अधिकारी को बनाना होगा। रिपोर्टिंग ऑफिसर के अवकाश पर होने पर भी उन्हीं को रिपोर्टिंग ऑफिसर बनाया जाएगा और रिपोर्टिंग ऑफिसर को संबंधित शिक्षक के अवकाश को स्वीकृत या अस्वीकृत करना होगा।

आकस्मिक अवकाश को विद्यालय समय के एक घंटे पहले ही स्वीकृत करना होगा। अन्य अवकाश को स्वीकृत या अस्वीकृत करने के लिए एक दिन का समय निर्धारित किया गया है। वहीं मेडिकल और बाल्य देखभाल अवकाश को दो दिन में बीईओ और उसके बाद बीएसए को दो दिन के अंदर स्वीकृत या अस्वीकृत करना होगा। अवकाश आवेदन पर दो दिन के अंदर कार्यवाही न करने पर बीईओ और बीएसए को उत्तरदायी माना जाएगा। यदि अवकाश अस्वीकृत किया जाएगा तो उसका भी कारण बताना होगा। बीएसए रिद्धी पाण्डेय ने बताया कि नई गाइडलाइन के अनुसार सभी शिक्षक पोर्टल पर अवकाश के लिए आवेदन करेंगे।

# संविधान दिवस पर पुरानी पेंशन बहाली मंच अटेवा चलाएगा ट्विटर पर अभियान

जनपद कार्यकारिणी की वर्चुअल बैठक में बनी रणनीति

लखनऊ। पुरानी पेंशन बहाली मंच अटेवा की जिला कार्यसमिति की बैठक आज वर्चुअल माध्यम से संपन्न हुई। यह बैठक संगठन के जिला संयोजक प्रदीप कुमार यादव की अध्यक्षता एवं महामंत्री प्रताप भानू सिंह गौर के संचालन में आयोजित कि गई जिसमें आन्दोलन को गति देने व कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए विचार-विमर्श कर आम सहमति से महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये। प्रदेश कार्यकारिणी को प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी कुलदीप सैनी मुख्य अतिथि के रूप में जुड़े। उन्होंने बताया कि एनएमओपीएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में तय किये गये कार्यक्रम में आज दोपहर 12 बजे से 5 बजे तक संविधान दिवस पर पुरानी पेंशन बहाली हेतु ट्विटर पर रुब्वदेजपजनजपवदंसतपहीजव्च्ै के हैशटैग के साथ पूरे देश में यह अभियान चलाया जाएगा बैठक में प्रमुख रुप से ज्योति शिखा मिश्र अनुपम प्रजापति मृदुला तिवारी बिहारी लाल आनंद अनन्त त्रिवेदी राजेश श्रीवास्तव सुखदेव बाबू देवेंद्र सिंह राजेश सिंह जावेद सोनू संदीप सिंह अग्नीश कुमार आदित्य यादव गौरव मिश्रा रामेंद्र सिंह मनोज शिवनाथ आदि ने अपने विचार रखे।

# निपुण भारत मिशन के तहत डीएम की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

औरैयाः जिलाधिकारी प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग में चल रही विभिन्न योजनाओं यथा-निपुण भारत, ऑपरेशन कायाकल्प के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट के मानस सभागार में आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, उनकी नींव मजबूत करना बहुत आवश्यक है। इसलिए आप सभी लोग अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी के साथ करते हुए उन्हें हर प्रकार की शिक्षा दें जिससे वह आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि इस उम्र में जो सिखा दिया जाता है वह आगे हमेशा उनके काम में आता है। बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करें जिससे वह विद्यालय से अनुपस्थित न हों।

बैठक में जिलाधिकारी ने जिला शिक्षण अनुश्रवण समिति के सदस्यों एसआरजी, एआरपी तथा नोडल शिक्षक संकुलों के साथ निपुण लक्ष्य प्राप्ति की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित को शत प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिये। बैठक के दौरान निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु समस्त निपुण टास्क फोर्स के पदाधिकारियों को जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया, साथ ही साथ बेसिक शिक्षा विभाग की कई गतिविधियों जैसे ऑपरेशन कायाकल्प, शारदा कार्यक्रम के तहत आउट आफ स्कूल बच्चों का चिन्हीकरण और नामांकन डीबीटी एवं नवीन नामांकन के संबंध में भी समीक्षा की। जिलाधिकारी ने कहा कि निपुण भारत मिशन का उद्देश्य बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के सार्वभौमीकरण के लिए समुचित वातावरण का सृजन करना है। जिससे 2026 तक कक्षा तीन तक के बच्चों को पठन, लेखन एवं संख्या ज्ञान कराया जा सके। इसके अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के लिए जनपद स्तर पर कार्ययोजना का निर्माण, क्रियान्वयन और सघन मानीटरिंग की आवश्यकता है। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से इस अभियान में मन से जुटने के लिए कहा। बैठक में बीएसए विपिन कुमार ने दीक्षा एप पर होने वाली ट्रेनिंग को पूरा करने व डाउनलोड किए गए पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी कर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने के लिए भरसक प्रयास करने को कहा। इस दौरान एसआरजी सुनील दत्त राजपूत, अलका यादव व सुभाष रंजन द्विवेदी द्वारा जनपद व विद्यालयों को निपुण बनाने की कार्ययोजना भी सौंपी गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी राजस्व महेंद्र पाल सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी दीपक कुमार, सपना सिंह, अवधेश सोनकर, वीरेंद्र पांडेय सहित समस्त ब्लॉकों के एआरपी व नोडल शिक्षक संकुल उपस्थित रहे।

# परिषदीय स्कूलों में रेंडम सर्वे कर कृमि जनित बीमारियों की जांच करके संक्रमण का पता लगाएगा स्वास्थ्य विभाग

सर्वे की शुरुआत 21 नवंबर से होगी और यह 18 दिसंबर तक चलेगी
परिषदीय स्कूलों में होगा एसटीएच रेंडम प्रिवेलेंस सर्वे
स्वास्थ्य विभाग की ओर से सहयोगी संस्था एविडेंस एक्शन को मिली जिम्मेदारी

लखनऊ। प्रदेश के 39 जिलों में चुनिंदा परिषदीय स्कूलों में मिट्टी के जरिए फैलने वाले कृमि सर्वे (स्वाइल ट्रांसमिटेड हेलमिन्थ्स प्रिवेलेंस सर्वे) के जरिए बच्चों की सेहत की जांच की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग इससे खासतौर पर बच्चों में होने वाली कृमि जनित बीमारियों का पता लगाएगा। इसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जिले स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के साथ ही बेसिक शिक्षा विभाग की भी मदद ले रहा है।

बेसिक शिक्षा निदेशक शुभा सिंह ने सभी संबंधित जिलों के बीएसए को जांच में सहयोग करने के निर्देश दिए हैं। योजना के तहत प्रत्येक जिले में कुछ स्कूल चुने गए हैं। इन स्कूलों में चुनिंदा बच्चों की रैंडम आधार पर जांच होगी। स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी संस्था के लोग बच्चों के स्टूल (मल) के नमूने एकत्र करेंगे।

**जाँच में यह पता लगाएंगे-**

जांच में बच्चों में कीड़ों से होने वाली बीमारी की स्थिति का पता लगाया जाएगा। पेट में कीड़ों को मारने के लिए एल्बेंडाजोल जैसी दवाएं देने का जो अभियान स्कूलों में छेड़ा गया उसका कितना असर हुआ इसका भी इस सर्वे से पता चलेगा।

**इन जिलों में होगा सर्वे-**

आगरा, बागपत, बहराइच, बलिया, बांदा, बदायूं, चंदौली, देवरिया, अयोध्या, फतेहपुर फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजीपुर, गोरखपुर, हापुड़, हरदोई, जालीन, जौनपुर, अमरोहा, कन्नौज, लखीमपुर खीरी, कुशीनगर, लखनऊ, महोबा, मैनपुरी मथुरा, मऊ, मेरठ, मिजोपुर, पीलीभीत प्रतापगढ़, रायबरेली रामपुर सहारनपुर, संतकबीर नगर, शाहजहापुर, सीतापुर, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र।

# पुलिस अधीक्षक सुनीति द्वारा परेड की ली गयी सलामी तथा पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

कानपुर देहात। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सुनीति कानपुर देहात द्वारा पुलिस लाइन में शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात पुलिस पहुंचकर पुलिस कर्मियों द्वारा जो कार्यवाही की जाती है के सम्बन्ध में अभ्यास कराया गया।

पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं इकाईयों, परिवहन शाखा, यूपी 112, भोजनालय,

अधीक्षक महोदया द्वारा परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीबार ड्रिल करवाई गयी एवं शस्त्र अभ्यास व अन्य दिशा-निर्देश भी दिए गये बाद परेड महोदया द्वारा यूपी 112 के कर्मचारियों को घटना की सूचना पर तत्काल मौके घटना स्थल(क्राइम ऑफ शीन)पर भवन निर्माण कार्य आदि का निरीक्षण किया गया। पुलिस लाइन परिसर में साफ-सफाई परखी गई व इस सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन एवं प्रतिसार निरीक्षक आदि उपस्थित रहे।

# नागेंद्र रघुवंशी बने केंद्रीय खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सदस्य

चोलापुर/वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नागेंद्र रघुवंशी को केंद्रीय खादी और ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार का सदस्य बनाया गया है। श्री रघुवंशी के नियुक्ति की खबर सुनते ही फोन एवं सोशल मीडिया पर बधाईयां देने वालो का तांता लग गया। श्री रघुवंशी ने अपनी नियुक्ति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ का आभार प्रकट करते हुए कहा कि मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता पर केंद्रीय नेतृत्व ने जो विश्वास व्यक्त किया है और जो जिम्मेदारी सौपी है उसका मै पुरी ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन करुंगा।श्री रघुवंशी ने विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के रुप में बीएचयू तथा यूपी कालेज से छात्र राजनीति की शुरुआत की इसके पश्चात नागेंद्र रघुवंशी ने भारतीय जनता पार्टी में बूथ अध्यक्ष से लेकर युवा मोर्चा, मंडल, जिला महामंत्री, जिलाध्यक्ष, क्षेत्र मंत्री, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सहित विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों का सफलता पूर्वक निर्वहन किया। श्री रघुवंशी वर्तमान में भाजपा काशी क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले प्रतापगढ़ जिले के जिला प्रभारी है।बधाई एवं हर्ष व्यक्त करने वालों में भाजपा प्रदेश के सह प्रभारी सुनील ओझा, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य लक्ष्मण आचार्य, क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव, कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार रविन्द्र जायसवाल, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ दयाशंकर मिश्र ÷दयालु, प्रदेश कोषाध्यक्ष मनीष कपूर, प्रदेश मंत्री मीना चौबे, एमएलसी अशोक धवन, विधायक गण डॉ नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, डॉ अवधेश सिंह, टी.राम,भाजपा नेता अवधेश राय,भाजपा नेता शशांक सिंह रघुवंशी,नीलरतन पटेल 'नीलू, सुनील पटेल, महापौर मृदुला जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मोर्या, जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष विद्या सागर राय, धर्मेंद्र सिंह,अशोक चौरसिया, अशोक तिवारी, सुरेश सिंह, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सह मीडिया प्रभारी संतोष सोलापुरकर, नवीन कपूर, जगदीश त्रिपाठी, संजय सोनकर,अमन रघुवंशी, नमन रघुवंशी,प्रवीण सिंह गौतम आदि प्रमुख रहे।

# मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण हेतु आयोजित कैम्पों में कराएं अपना नाम दर्ज- जिला निर्वाचन अधिकारी

कानपुर देहात। उप जिला निर्वाचन अधिकारी केशव प्रसाद गुप्त द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01.01.2023 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 09.11.2022 से 08.12.2022 तक जन सामान्य से दावे / आपत्तियां प्राप्त किए जायेंगे। मतदाताओं की सुविधा हेतु दिनांक 20.11.2022 (रविवार) को पंजीकरण कैंप विभिन्न मतदेय स्थलों पर लागेर गए थे तथा आगामी 26. 11.2022 (शनिवार)व 04.12.2022 (रविवार) को समस्त पदाभिहित स्थलों (मतदेय स्थलों) पर मतदाताओं के पंजीकरण हेतु विशेष कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जन सामान्य से दावे और आपत्तियां यथा फार्म-6, 7, 8 व 8ए प्राप्त किये जायेंगे। उक्त विशेष अभियान दिवस पर समस्त बी0 एल0ओ0/पदाभिहित अधिकारी अपने-अपने निर्धारित मतदेय स्थल पर उपस्थित रहकर दावे और आपत्तियां प्राप्त करेंगे। सभी पात्र मतदाता जो 01 जनवरी, 2023 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु प्राप्त कर चुके हैं परन्तु उनके नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित होने से छूट गये हैं उनसे अपील है कि दिनांक 26.11.2022 (शनिवार) तथा 04.12.2022 (रविवार) को अपने मतदेय स्थल पर जाकर निर्वाचक नामावली में अपना नाम दर्ज कराने / अपमार्जन कराने / संशोधन कराने के लिए निर्धारित प्रारूप भरकर जमा कर सकते हैं।

# सड़क सुरक्षा समिति एवं अभियोजन कार्यो की समीक्षा बैठक 29 नवंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में होगा आयोजन

कानपुर देहात। अपर जिलाधिकारी प्रशासन केशव नाथ गुप्त ने बताया कि दिनांक 28.11.2022 को सायं 03.00 बजे जिलाधिकारी नेहा जैन की अध्यक्षता में कानून एवं एवं शान्ति व्यवस्था, प्रवर्तन कार्य, अभियोजन कार्यो की समीक्षा, सड़क सुरक्षा की बैठक होना सुनिश्चित हुआ था। किन्तु प्रमुख सचिव उ0प्र0 शासन सामान्य प्रशासन अनुभाग लखनऊ की विज्ञप्ति संख्या 668/तीन-2022-39 (2)/12टी0सी0 दिनांक 23.11.2022 के क्रम में आपके आदेश संख्या 767 / राजस्व सहा0 का0 दे0 - अवकाश / 2022 दिनांक 23.11.2022 के तहत दिनांक 24.11.2022 का सार्वजनिक अवकाश के स्थान पर दिनांक 28.11.2022 को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया है, जिसके क्रम में जिलाधिकारी महोदया कानपुर देहात की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट नवीन सभागार माती कानपुर देहात में दिनांक 29.11.2022 को सायं 04.00 बजे सड़क सुरक्षा समिति की बैठक व सायं अभियोजन कार्यो की समीक्षा बैठक आहूत की गई है।

# मोनोपोली दवाओं से लुट रहे मरीज

जेनरिक व पेटेंट दवाएं लिखने से दूरी बनाए हुए हैं सरकारी व प्राइवेट चिकित्सक
30 फीसदी से अधिक तक महंगी पड़ रही हैं मरीजों को लिखी जाने वाली मोनोपोली दवाएं

लखनऊ। लोगों के बीमार पड़ने से उनकी सेहत तो बिगड़ती ही है लेकिन डाक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली मोनोपोली दवाएं मध्यमवर्गीय या गरीब परिवार में बीमार पड़ने वाले मरीज के इलाज कराने में उनके परिजनों की कमर भी तोड़ देती है।

नर्सिंगहोमों एवं फेमस डॉक्टर के यहां मोनोपोली दवाओं का खेल चल रहा है। कई अस्पतालों में मेडिकल स्टोर भी बिना फार्मासिस्ट रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रहे हैं। इनमें आने वाले रोगियों के पर्चे पर जो दवाएं लिखी जाती है बाहर के मेडिकल मेडिकल स्टोरों पर नहीं मिलती हैं। इन दवाओं पर एमआरपी बहुत अधिक प्रिंट होती है जबकि उसी साल्ट की दवाएं बाहर काफी कम मूल्य पर मिलती हैं। जबकि सरकार ने दवा के पर्चे पर साल्ट लिखने का आदेश जारी कर रखा है लेकिन इसकी खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। दवा के नाम पर रोगियों की जेब पर डाका डालने का यह खेल नर्सिंगहोमों से लेकर क्लीनिकों और सरकारी अस्पतालों तक में खेला जा रहा है। हैरत की बात तो यह है कि दवाओं के नाम पर गड़बड़ी रोकने की जिसकी जिम्मेदारी है उसे यह भी नहीं पता है कि कितने नर्सिंगहोमों में मेडिकल स्टोर संचालित हैं। दवा के नाम पर रोगियों को जेब नहीं ढीली करनी पड़ रही बल्कि तमाम डाक्टर और अस्पताल मिलकर जेब पर डाका डाल रहे हैं। इस खेल से अनजान रोगी के तीमारदार बाजार में सस्ती दर पर मिलने वाली दवाओं का तीस से पचास गुना अधिक पैसा अस्पतालों को अदा करते हैं। दवाओं में कमाई के इस खेल में बड़ी दवा कंपनियों और उनके डीलरों के साथ अस्पताल और डाक्टर के बीच समझौते के तहत खेल खेला जाता है। दवा कारोबार से जुड़े लोगों के मुताबिक दवा कंपनी से डीलर सीधा संपर्क करते हैं और निश्चित मात्रा में दवा सप्लाई के लिए जिलों का ठेका लेते हैं। इससे उन्हें प्रिंट रेट से 10 से 20 प्रतिशत मूल्य पर माल मिल जाता है। इसके बाद कंपनी उन जिलों में अपनी दवा की आपूर्ति नहीं करती। डीलर डाक्टरों और नर्सिंगहोम से संपर्क करके दवा की बिक्री कराते हैं। प्रिंट रेट पर चालीस से पचास फीसदी कमीशन दवा लिखने वाले को मिलता है बांकी काउंटर डीलर के ही होते हैं। एक थोक दवा कारोबारी खेल को समझाते हुए बताते कि किडनी के मरीजों के लिए मेरोपेनम साल्ट का इंजेक्शन लगता है। यह इंजेक्शन बाजार में पांच से सात सौ रुपया में मिलता है लेकिन नर्सिंगहोमों में इसी साल्ट का इंजेक्शन 2200 से 2400 रुपया तक में मिलता है। एंटीबायोटिक सिफाक्जिम, सिप्रोफ्लाक्सासिन, एसलोफेनिक, मल्टीविटामिन ओमेप्राजोल, पैंटोप्राजोल आदि वह दवाएं जो सबसे अधिक इस्तेमाल की जाती हैं। उनमें यह खेल खूब चलता है। यह कुछ साल्ट तो बानगी मात्र हैं। दवा व्यवसाय से जुड़े लोगों ने बताया कि इस खेल को दवा कारोबारियों की भाषा में प्रोपेगंडा की दवा कहा जाता है। इस खेल के चलते रोगियों को वह दवा भी महंगे दामों पर खरीदनी पड़ रही है जो स्टैंडर्ड कंपनी की सस्ती मिलती हैं। ऐसा नहीं है कि इस खेल में सभी डाक्टर और नर्सिंगहोम शामिल हों लेकिन दो तिहाई अस्पताल और तकरीबन तीस फीसद डाक्टर इस खेल में शामिल हैं।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्र राजेश बाबू कटियार ने बताया कि मोनोपोली दवाएं वह हैं जो बड़ी कम्पनियों की दवाओं के सब्स्टिट्यूट व साल्ट के आधार पर हर जिले में बड़े चिकित्सक व विशेषज्ञ अपने हिसाब से बनवाते (उत्पाद तैयार कराते) हैं जोकि गिनेचुने मेडिकल स्टोरों पर सेटिंग के आधार पर उपलब्ध कराई जाती हैं जो डॉक्टर इन दवाओं को लिखता है वह उसके आसपास के लोकेशन वाले मेडिकल स्टोरों पर ही उपलब्ध होती हैं। यह दवाएं एक जिले से दूसरे जिले या अन्य मेडिकल स्टोर पर नहीं मिलती हैं। ये दवाएं पेटेंट एवं जेनरिक की अपेक्षा 30 से 90 गुना तक महंगी होती है। देखा जाए तो मोनोपोली दवाइयां जेनरिक दवाइयों से भी गुणवत्ता में खराब होती हैं लेकिन इस बात को मरीज या उसका तीमारदार नहीं समझते वह उसी दवा को खरीदना पसंद करते हैं जो डॉक्टर ने उनके पर्चे पर प्रीस्क्राइब्ड की है। कुछ अच्छे डॉक्टर पेटेंट दवाइयां ही लिखते हैं और कुछ मरीजों के समझदार तीमारदार मोनोपोली दवाओं की जगह उसी फार्मूले की पेटेंट दवाईयां खरीदना पसंद करते हैं। पेटेंट दवाइयां गुणवत्ता में शत प्रतिशत बेहतर साबित होती हैं और मोनोपोली दवाइयों से कम दाम पर मिलती भी हैं।

# प्रशासन के कई प्रयासों के बावजूद नहीं लग पा रही अवैध स्टेण्डों पर रोक

जालौन(उरई)। नगर के प्रवेश द्वार देवनगर चौराहे पर वाहनों अवैध स्टैंड बना हुआ है। फुटपाथ व मुख्य मार्ग पर खड़े होते अवैध वाहनों के कारण आवागमन प्रभावित होता है तथा दुर्घटनाओं की सम्भावना बनी रहती है।

उरई जालौन राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित हनुमानजी के मंदिर के पास मुख्य मार्ग पर किराये से चलने वाली कारें, बस आदि वाहन खड़े रहते हैं। इसके साथ ही चुर्खी रोड पर लगे वाटर कूलर के बगल में अवैध रूप से किराये वाली कारें खड़ी रहती है। सड़क व फुटपाथ पर चल रहे अवैध स्टैंड से राहगीरों को परेशानी होती है। मंदिर के पास मुख्य मार्ग पर वाहन खड़े होने के कारण मंदिर आने जाने वाली महिला भक्तों को दिक्कत होती है। सड़क पर लगे वाहनों के कारण सड़क से निकलने वाले वाहन न दिखने से दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है। कमोबेश यही हाल देवगर मुख्य चौराहे व चुर्खी रोड का है। सड़क व फुटपाथ पर वाहनों का कब्जा होने के कारण राहगीरों को दिक्कत होती है। अगर कोई राहगीर वाहन आदि को हटाने को कह दे तो वाहन चालक लड़ाई करने पर आमादा हो जाते हैं।

# सीडीओ सौम्या ने पोषण पाठशाला में किया प्रतिभाग

*बच्चों को सही समय पर ऊपरी आहार दिया जाना अत्यंत आवश्यकः सौम्या पाण्डेय*

कानपुर देहात। निदेशालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार लखनऊ द्वारा प्रदान दिशा-निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पांडे ने पोषण पाठशाला में प्रतिभाग किया। पोषण पाठशाला में जन-मानस एवं लाभार्थियों को आई0सी0डी0एस0 की विभागीय घोषणा कुपोषण से बचाव के एवं शिक्षा आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी। इस कार्यक्रम की मुख्य थीम सही समय पर उपरी आहार की शुरुआत पार्ट-2 है। इस पोषण पाठशाला में विभागीय अधिकारियों के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञों द्वारा इस सम्बन्ध में हिन्दी में विस्तार से चर्चा की गई। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। आगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा अपने केन्द्र पर पंजीकृत अन्तिम त्रैमास की गर्भवती महिलाएं, धात्री माताएं उनके अभिभावक की उपस्थिति सुनिश्चित की गयी। इस कार्यक्रम में 24643 लाभार्थी तथा उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

# मध्य प्रदेश जन्म जयंती पर विशाल गौर पालकी यात्रा का आयोजन किया गया

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश गौर युवा मंच द्वारा कबूला पुल स्थित गौर चौराहे पर डॉ हरिसिंह गौर की 153 जन्म जयंती पर विशाल गौर पालकी यात्रा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सभी अतिथियों द्वारा डॉक्टर गौर के चित्र पर आरती उतार कर माल्यार्पण कर नमन किया गया। इसके पश्चात अपने उद्बोधन में नरयावली विधानसभा के विधायक प्रदीप लारिया ने कहां की शिक्षा के क्षेत्र में जो योगदान डॉक्टर ने दिया है वह कोई नहीं दे सकता है।

उन्होंने अपनी सारी संपत्ति सागर वासियों को निछावर कर दी सागर सागर वासी डॉक्टर गौर को कभी भुला नहीं सकते और बधाई के पात्र गौर युवा मंच के अध्यक्ष रविंद अवस्थी है। जिन्होंने मूर्ति स्थापना का संकल्प लिया था उसे पूरा किया और समस्त मंच पदाधिकारियों को बधाई दी स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति अनिल तिवारी ने कहा कि डॉ गौर ने अपना सारा धन सागर वासियों के लिए दे दिया।

उन्हीं से हमें शिक्षा लेकर सारे समाज को कुछ ना कुछ दान शिक्षा के क्षेत्र में या सामाजिक कार्य में देना चाहिए पूर्व मंत्री नारायण प्रसाद कबीरपंथी ने कहा कि डॉक्टर डॉ गौर ने हमारे सागर के लिए शिक्षा जगत में इतना बड़ा विश्वविद्यालय दान कर सागर वासियों को शिक्षित किया है गौर युवा मंच के अध्यक्ष अधिवक्ता रविंद अवस्थी ने कहा कि मंच द्वारा जो संकल्प लिया गया बाय पूर्ण हो गया है और मंच द्वारा जल्दी मूर्ति की स्थापना की जाएगी इसके बाद प्रत्येक वर्ष जन्म जयंती पर बहुत ही धूमधाम से कार्यक्रम आयोजित कर जन्म जयंती हमेशा मनाई जाएगी और डॉक्टर गौर को भारत रत्न दिलाए जाने के लिए संघर्ष किया जाएगा।

उद्बोधन पश्चात पालकी यात्रा कमलापुर गौर चौराहा से प्रारंभ हुई जो सदर के प्रमुख मार्गो से होती हुई वापस कौर चौराहे पर समाप्त की पालकी यात्रा का सदर बाजार की घरों में पुष्प वर्षा कर आरती उतार कर माल्यार्पण कर आतिशबाजी कर मिठाई बांटकर उत्साह पूर्वक स्वागत किया गया। पालकी यात्रा में डायमंड पब्लिक स्कूल डीएनसीबी हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्र-छात्राएं डॉ गौर अमर रहे, की जय घोष के साथ खुशी पूर्वक पालकी यात्रा में सम्मिलित थे।

इस कार्यक्रम का संचालन मंच प्रवक्ता अनिल दुबे ने किया आभार मंच के उपाध्यक्ष डॉ विशाल मिश्रा ने माना कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रभु दयाल पटेल नगर पालिका अध्यक्ष मिहीलाल अहिरवार, सुशील केसरवानी, वीके विश्वकर्मा, गजेंद्र सोनी, सुधीर पांडे, सौरभ केसरवानी, पंकज मखारिया, भास्कर चौबे, एके राजोरिया, मधु मौर्य, राम प्रसाद विश्वकर्मा, सोनू सिंह बग्गा, श्यामसुंदर मिश्रा, वीरेंद्र पटेल, चौहान सिंह, राठौर अमित चौबे, धनंजय त्रिपाठी, हर्षवर्धन त्रिपाठी, मधु मौर्य, रश्मि कुशवाहा, सरस्वती मौर्य, रेखा राठिया, रजनी आठिया, नीरज केसरवानी, अंजू कुशवाहा, राजू राय, दीपक ठाकुर, आदि मंच के पदाधिकारी एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

# जल्द शुरू होगी 'दृश्यम 3' की कहानी

## अजय देवगन-स्टारर के बारे में निर्देशक अभिषेक पाठक ने की पुष्टि

एनसीआर समाचार

नई दिल्लीः निर्देशक अभिषेक पाठक की मलयालम फिल्म दृश्यम 2 का हिंदी संस्करण, जिसमें अजय देवगन मुख्य भूमिका में हैं, वह बॉक्स ऑफिस पर काफी शानदार प्रदर्शन कर रही है और इसे सकारात्मक समीक्षा भी मिली है। फिल्म 2021 में रिलीज इसी नाम की मलयालम फिल्म की रीमेक है और इसमें मोहनलाल ने अभिनय किया है। इसी तरह, दृश्यम 2015 का हिंदी संस्करण 2013 में रिलीज हुई फ्रैंचाइजी की पहली मलयालम फिल्म का रीमेक था। हाल ही में एक इंटरव्यू में जीतू जोसेफ ने मोहनलाल और बाकी कलाकारों के साथ दृश्यम 3 की संभावना की पुष्टि की है। हालांकि अभी तक फिल्म लिखी भी नहीं गई है, लेकिन जैसे ही जीतू ने बयान दिया कि दृश्यम 2 के डायरेक्टर अभिषेक पाठक ने भी तीसरी हिंदी दृश्यम की संभावना पर मुहर लगा दी है।

मीडिया से बात करते हुए, अभिषेक पाठक ने कहा कि हलोग उत्साहित हैं, इसलिए वे भाग 3 और 4 पर सिद्धांत बनाने जा रहे हैं। लेकिन हम अभी अपना पहला सप्ताह बंद करने वाले हैं। निश्चित रूप से भाग 3 की मांग है, और यह होगा, लेकिन फिलहाल हम 100 करोड़ रुपये की संख्या को पार कर खुश हैं। एक बार जब हमारे पास कुछ समय होगा, तो हम इस बारे में सोचेंगे कि हम अगले भाग में क्या करने जा रहे हैं, लेकिन अभी हम हर उस प्रतिक्रिया का आनंद ले रहे हैं जो हमें मिल रही है।

# नीमच जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 60 लाख का गांजा जब्त

एनसीआर समाचार

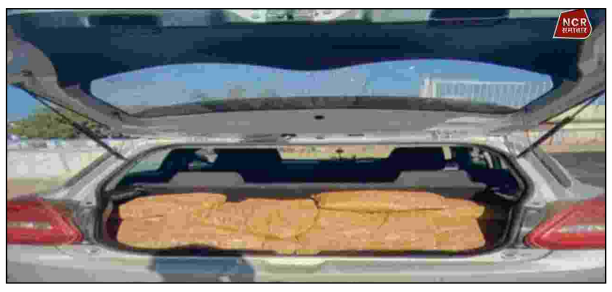

नीमच जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियानों में पुलिस को लगातार बड़ी सफलताएं मिल रही हैं। रामपुरा के समीप बरलाई-पालड़ा के जंगलों में 10 बीघा गांजा और अफीम की अवैध खेती के भंडाफोड़ के बाद नयागांव पुलिस ने भी कामयाबी का डंका बजाया है। मुखबीर की एक खास सूचना पर कार्रवाई करते हुए नयागांव चौकी पुलिस टीम के प्रभारी सुमित मिश्रा एवं टीम ने फोरलेन पर बिना नम्बर की स्विफ्ट कार की घेराबंदी की। हड़बड़ी में कार चालक ने कार को तेज भगाकर बच निकालने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की मुस्तेद टीम ने आखिरकार कार को घेर लिया और जब डिक्की की जांच की गई तो गांजा निकला।

1 क्विंटल गांजे को जब्त कर राजस्थान के उदयपुर क्षेत्र के दो आरोपियों को गिरफ्त में ले लिया गया। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 60 लाख रुपये बताई जा रही है। एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में ड्रग माफियाओं के अंतरराज्यीय गिरोह के शामिल होने की जानकारी पता चली है। गांजे की यह खेप विशाखापट्टनम से लाकर राजस्थान में खपाने ले जाई जा रही थी। इधर राजस्थान में भी होटल्स और पब में गांजे के कश लगवाए जाने के मामले सामने आते रहे हैं। इस मामले में ऐसे कई चोंकाने वाले खुलासे होने की संभावना है।

नयागांव चौकी प्रभारी सुमित मिश्रा इससे पहले भी मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बेहतरीन कार्रवाइयां कर चुके हैं। जिले में 3 दिन में नशा माफियाओं के खिलाफ दूसरी बड़ी कार्रवाई के बाद पुलिस महकमा उत्साहित है। एसपी सुरजकुमार वर्मा ने नयागांव पुलिस टीम की तारीफ की है। बहरहाल इस मामले की जांच बारीकी से की जा रही है।

# नए साल में क्या आप भाग्यशाली रहेंगे, देखें किन 3 राशियों को मिलेगा बारह महीने फल

एनसीआर समाचार

नई दिल्लीः यह साल (2022) कई कारणों और कई घटनाओं के लिए महत्वपूर्ण है। इस साल ने बहुत कुछ दिया, बहुत कुछ खोया। दरअसल, इस साल की आखिरी महीना के खत्म होने में अभी कुछ दिन बाकी हैं। लेकिन, इससे पहले ही सभी को आने वाले साल का बेसब्री से इंतजार है। जिस मंडली के लिए यह साल कुछ खास अच्छा नहीं रहा, वह आने वाले साल से काफी उम्मीदें लगा रही है। तो इस साल जश्न मनाने वालों को भी उम्मीद है कि आने वाला साल भी उतना ही खूबसूरत होगा। साल 2023 कुछ राशियां ऐसी हैं जिनके लिए आने वाला साल बेहद खास रहने वाला है, नव वर्ष एक वार्षिक राशिफल और 2023 के लिए तीन भाग्यशाली संकेत है।

क्या आप इन राशियों के हैंः

अब देखिए आपकी राशि इन राशियों में है या नहीं। क?योंकि लगभग एक महीने में आप एक पूरे नए साल की शुरूआत कर रहे होंगे। आपको 365 दिनों के लिए कई चीजों, कार्यों के लिए 365 नए अवसर मिलेंगे। 365 दिनों में आपको जीवन के अलग और उतने ही समृद्ध रंग देखने को मिलेंगे। फिलहाल आइए जानें कि इस साल 2023 किन राशियों के लिए फलदायी रहेगा।

मिथुन राशिः साल 2023 में मिथुन राशि वालों के लिए खुशियों भरा साल रहने वाला है। इस दौरान आपके निर्णय और निर्धारित लक्ष्य पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में प्रमोशन और नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। पार्टनर के साथ अविस्मरणीय पल बिताने का अवसर मिलेगा। आप पैसे बचाने के सही तरीके भी सीखेंगे। अविवाहितों के लिए विवाह के योग हैं।

तुला राशिः साल 2023 आपके करियर के लिहाज से महत्वपूर्ण रहने वाला है। आमदनी के नए हिस्से मिलेंगे। नए साल में आपको नौकरी का अपेक्षित अवसर भी प्राप्त होगा। परिवार में शुभ समाचार आएंगे। चारों तरफ खुशियों की बौछार होगी।

वृश्चिक राशिः इस राशि के लिए साल 2023 वाकई फायदेमंद है। खास बात यह है कि इस साल आपको ऐसे मौके मिलेंगे जो आपको जीवन में आगे ले जाएंगे। करियर में नए विकल्प मिलेंगे। नए लोगों से भेंट होगी। इन्हीं लोगों में से कोई एक आपके भाग्य का कारण बनने वाला है। आपके कई सपने पूरे होंगे। किसी प्रियजन का सहयोग जीवन भर रहेगा।

यदि आपके पास उपरोक्त तीन संकेतों में से कोई भी नहीं है तो निराश न हों। क्योंकि, कोई भी आपके रास्ते में आने वाले अवसरों को नहीं छीन पाएगा।

# जौनपुर विधान परिषद के पूर्व सदस्य की पत्नी के निधन पर श्रद्धांजलि देने वालों की उमड़ी भीड़

एनसीआर समाचार

जौनपुर विधान परिषद के पूर्व सदस्य कुंवर वीरेन्द्र प्रताप सिंह की पत्नी गीता सिंह का आसामयिक निधन हो गया। नगर के तारापुर कालोनी स्थित लाल पैलेस पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। श्रद्धांजलि देने वालों में मछलीशहर के सांसद बीपी सरोज, राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी, विधायक जगदीश राय, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, व्यापारी नेता इंद्रभान सिंह इंदू, पूर्व चेयरमैन नपाप दिनेश टंडन, जौनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम, मुख्य राजस्व अधिकारी रजनीश राय के अलावा कई दर्जन लोग रहे।

बता दें कि गीता सिंह का निधन लखनऊ में हो गया था। गीता सिंह पूर्व उपाध्यक्ष यूपी स्टेट कोऑपरेटिव बैंक के पद पर कार्य चुकी थीं और कई सामाजिक संगठनों से जुड़ी थीं। मृतका का दाह संस्कार भैंसा कुंड बैकुंठ धाम लखनऊ और अस्थि विजर्सन संगम प्रयागराज, वाराणसी के हरिश्चन्द्र घाट पर किया गया था। मृतका की आत्मा की शांति के लिए एकोदशाह जौनपुर हाउस अर्जुनगंज, लखनऊ में किया गया जबकि त्रयोदशाः जौनपुर, तारापुर कालोनी स्थित लाल पैलेस में 30 नवंबर को किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में अधिकतम लोगों के भाग लेने का आह्वान किया गया है।

# कर्मचारियों को बंदूक की नोक पर बंधक बनाकर लुटेरों ने गाजियाबाद मेटल वर्क्स में की लूटपाट

एनसीआर समाचार

पुलिस ने कहा कि गाजियाबाद पुलिस ने हथियारबंद बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है, जिन्होंने शुक्रवार को बंदूक की नोक पर एक मेटल वर्क्स फर्म के कर्मचारियों को पकड़ लिया और कई लाख रुपये की सीसा और तांबा स्क्रैप धातु लूट ली, घटना विजयनगर थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र की है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरों को पकड़ने के लिए पांच टीमों को तैनात किया गया है।

बता दे कि गुप्ता मेटल वर्क्स फैक्ट्री में घुसने वाले 3 से 4 लुटेरे थे। उन्होंने सुरक्षा गार्डों को बंदी बना लिया और वहां रखी सीसा और तांबा स्क्रैप धातु की वस्तुओं को लूट लिया, ह्वएसपी सिटी -2 ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा।

वहीं कंपनी के मालिक अनूप गुप्ता ने कहा कि आग्नेयास्त्र लहराने वाले अपराधियों ने उनके दो कर्मचारियों को बांध दिया और लगभग 40 लाख रुपये मूल्य का 5,500 किलोग्राम तांबा और 1,000 किलोग्राम सीसा स्क्रैप लूट लिया। अनूप गुप्ता ने पुलिस को बताया कि इस कवायद में बड़ी संख्या में लुटेरे शामिल हो सकते हैं।

शाम करीब 5.30 बजे जैसे ही अनूप गुप्ता को लूट की जानकारी मिली, उन्होंने इमरजेंसी नंबर पर पुलिस से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी, इसके बाद उन्होंने एसएसपी कार्यालय में संपर्क किया।

## मध्य प्रदेश में पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई

# पत्रकार के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों के तोड़े मकान

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश की तराना पुलिस एवं प्रशासन ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अधिमान्य पत्रकार इंद्रेश सूर्यवंशी के साथ मारपीट करने वाले आरोपियो के ग्राम सालाखेड़ी स्थित शासकीय भूमि पर बने अवैध मकान को तोड़ दिया गया।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एकता जायसवाल, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस राजाराम आवास्या, तहसीलदार डीके वर्मा, थाना प्रभारी भीमसिंह पटेल की उपस्थिति में प्रशासनिक अमले द्वारा अवैध निर्माण तोड़ने की कार्रवाई की गई।

19 नवंबर को नाचन बोर तराना पर उज्जैन निवासी अधिमान्य पत्रकार सुर्यवंशी के साथ लच्छीराम पिता रतनलाल गुर्जर एवं सुनिल पिता भगवानसिह गुर्जर निवासी सालाखेड़ी द्वारा मारपीट कर रुपये छीनने पर तराना पुलिस ने अपराध क्र. 545/2022 धारा 323, 294, 506, 34 एवं 394 में प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की गई।

अनुविभागीय अधिकारी जायसवाल ने बताया कि ग्राम सालाखेड़ी स्थित सर्वे क्रमांक 296 रकबा 1.08 ग्राम सेवाखाते की भूमि है जिस पर भगवानसिह, लखन व लच्छी राम पिता रतनलाल गुर्जर द्वारा 20*30 पर अवैध कब्जा कर मकान निर्माण किया था, तहसीलदार वर्मा के न्यायालय में प्रचलित प्रकरण क्रमांक 0021/31-18/22-23 में 22.11.22 के जारी आदेश पर कार्यवाही की गई।

उल्लेखनीय है कि ग्राम सालाखेड़ी के कोटवार नारायण पिता पन्ना जाति बागरी को शासन द्वारा दी गई सेवा भूमि पर आरोपी गणों ने अतिक्रमण कर मकान निर्माण कर लिया था जिसे हटाया गया।

थाना प्रभारी पटेल ने बताया कि, आरोपी लच्छीराम के विरुद्ध तराना थाने में पत्रकार के साथ मारपीट एवं लूट के अलावा पाँच अपराध पूर्व से न्यायालय में विचाराधीन है आरोपियो द्वारा की गई गुण्डा गर्दी के कारण आमजनता मे बहुत आक्रोश था। ऐसे गुण्डे पर अंकुश लगाने के लिए इनके द्वारा अतिक्रमण में बनाये गये मकान को तोड़ने का फैसला प्रशासन द्वारा लिया गया, जिससे आम लोगों में ऐसी गुण्डा गर्दी करने वालो की दहशत खत्म हो।

## मध्य प्रदेश के बामनिया रेलवे फाटक पर हुआ बड़ा हादसा

# 3 को गवानी पड़ी जान, दिल्ली मुंबई मार्ग कई घंटो तक रहा परभावित

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश के बामनिया रेलवे स्टेशन के पास रेलवे फाटक खुलने का इंतजार करते वाहन यात्रियों को पता नहीं था कि, पीछे से उनके लिए मौत बनकर ऐसे भी कोई आएगा। एक तेज रफ्तार ट्रक रेलवे फाटक पर खड़े बाइक सवार यात्रियों को रौंदते हुए फाटक तोड़कर रेलवे ट्रैक पर फंस गई। हादसा इतना भयानक था कि तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से तीन जिंदगियां मौत की नींद सो गई और कई घायल हों गए।

हादसे में दिल्ली मुंबई रेलवे मार्ग कई घंटो तक बंद रहा। कड़ी मस्कत के बाद ट्रक को रेलवे ट्रैक से हटाया गया। इस मार्ग पर पहले भी कई हादसे हो चुके है, लेकिन जवाबदारों और नेताओं ने अब तक नहीं ली कोई सुध कई बार बामनिया रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज की मांग भी की गई मगर किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं होती होता है तो बस फिर आए दिन एक हादसा।

## एक नजर

### उत्तर प्रदेश के धानी ब्लाक में संपन्न हुआ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह

एनसीआर समाचार

महराजगंज जिले के फरेंदा तहसील के आज धानी ब्लॉक में सामूहिक विवाह समारोह में कांग्रेस पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष व फरेन्दा विधायक माननीय वीरेन्द्र चौधरी बतौर मुख्य अतिथि ने वर वधु को आशीर्वाद देकर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह आयोजित कार्यक्रम को संपन्न किया। आप सभी पदाधिकारी गणों और सम्मानित जनता जनार्दन लोग व कार्यकर्ता गण से निवेदन है कि, आप धानी ब्लॉक परिसर में पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाये और कार्यक्रम में कुल पंजीकरण सूची 76 हुआ है, जोकि बृजमन गंज के 47 फरेंदा में 24 और धानी में 5 तथा मुस्लिम समुदाय से 19 लोग पंजीकरण सूची में शामिल हैं। मुख्य अतिथि विधायक वीरेन्द्र चौधरी, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि योगेन्द्र नाथ त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी धानी अर्जुन चौधरी, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राहुल शर्मा, ए डी ओ पंचायत नजरे आलम, दिनेश कुमार पासवान, शशिकांत, राकेश त्रिपाठी आदि रहे।

### बनेठी ब्राह्मण समाज की तरफ से कोटपूतली ब्राह्मण नगर अध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा का अभिनंदन किया गया

एनसीआर समाचार

राजस्थान बनेठी ब्राह्मण समाज की तरफ से नवनिर्वाचित कोटपूतली नगर अध्यक्ष ब्राह्मण समाज एडवोकेट बजरंग लाल शर्मा का बनेठी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष दीपक कौशिक के नेतृत्व में साफा एवं माला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। वहीं दीपक कौशिक ने बताया कि बजरंग लाल शर्मा सरल एवं मधुर स्वभाव के व्यक्ति हैं एवं समाज के लिए जो इन्हें आदेश मिले हमेशा तन, मन एवम धन से समाज के लिए अग्रसर रहते है। इस मौके पर बनेठी ब्राह्मण समाज के उपाध्यक्ष अनूप शर्मा, कोषाध्यक्ष शंकर शर्मा, संरक्षक देशराज शर्मा, वरिष्ठ सदस्य श्री राम, कैलाश शर्मा, पत्रकार संजय जोशी, भाजपा नेता मुकेश गोयल, जनार्दन पटवारी, हरिशंकर शर्मा, मातादीन शर्मा सहित अनेक विप्र बंधु मौजूद रहे।

### मध्य प्रदेश सागर एकता समिति ने दानवीर डॉक्टर हरिसिंह गौर की 153वीं जन्म जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश सागर एकता समिति द्वारा दानवीर, शिक्षाविद, विधिवेत्ता डाक्टर हरिसिंह गौर की 153वीं जन्म जयंती पर मोमबत्ती प्रज्वलित और पुष्प अर्पित कर सादर नमन किया। इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि, निजी पूंजी से विश्व विद्यालय स्थापित कर गौर साहब ने अनूठी मिसाल पेश की है। समिति सदस्यों ने भारत सरकार से अपील की शीघ्र गौर साहब को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएं। समारोह में रशीद भाई, सुधीर जैन, शरद गुप्ता, चंपक भाई, राजेंद्र मलैया, संजय शास्त्री, अजीत जैन, नीरज सेठ, कमल जैन आदि सेठ शामिल थे।

### बाराबंकी जल जीवन मिशन की टीम ग्राम पंचायतों में जाकर कर रही जागरूक

एनसीआर समाचार

बाराबंकी जल जीवन मिशन के तहत मनोहर इंटरप्राइजेज की टीम पहुंची पारा ग्राम पंचायत में जहां लोगों को जल ही जीवन है के बारे में लोगों जागरूक किया और जल बचाव करने का अपील किया कि, जीवन में जल की की सबसे अधिक जरूरत हैं, अतः जल को व्यर्थ नष्ट न करें। जल जीवन मिशन के तहत मनोहर इंटरप्राइजेज की टीम पारा ग्राम पंचायत पहुंची, जहां पर केंद्रीय सरकार की योजना हर घर जल योजना के बारे में लोगों को जागरूक किया। पारा ग्राम पंचायत जिला बाराबंकी ब्लॉक रामनगर में सिविल इंजिनियर पंकज वर्मा, सर्वेयर इंजीनियर अमन गिरि, सुभाष वर्मा, ग्राम प्रधान व सिविल इंजीनियर पंकज वर्मा ने पूरी पारा ग्राम पंचायत का पाइप लाइन बिछाने का एस्टीमेट बनाया।

### झारखण्ड के बोकारो में आयोजित हुआ चार दिवसीय फुटबॉल खेल महाकुंभ

एनसीआर समाचार

झारखण्ड के बोकारो में कथारा जीएम ग्राउंड में आयोजित चार दिवसीय फुटबॉल खेल महाकुंभ के फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने पहुँचे आजसु सुप्रीमो सुदेश महतो, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी और गोमिया विधायक डॉ लम्बोदर महतो का कथारा जाने के क्रम में संतोषी मंदिर, साड़म के समीप आज मिथुन चंद्रवंशी (कार्यकारी अध्यक्ष गोमिया प्रखंड) व क्षेत्र के समाजसेवी जय प्रकाश तिवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने किया।

# राज्य स्तरीय दलित अधिकार केन्द्र जयपुर में दलित कार्यकर्ताओं का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

एनसीआर समाचार

दलित अधिकार केंद्र कार्यालय जयपुर में दलित अधिकार केंद्र के द्वारा दलित कार्यकताओं का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर में दलित अधिकार केंद्र के मुख्य संरक्षक पी एल मीमरोठ ने कहा कि, सफल कार्यकर्ता वह होता है जो कानूनी जानकारी रखता है तथा कानून के दायरे में रहकर कार्य करता है। कार्यकर्ता का उद्देश्य और लक्ष्य साफ होना चाहिए, ताकि वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

मुख्य वक्ता भंवर मेघवंशी पत्रकार लेखक व सामाजिक कार्यकर्ता ने राजस्थान में दलित आंदोलन की पृष्ठभूमि इतिहास अंबेडकर की विचारधारा व अंधविश्वास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि, कार्यकर्ताओं को समाज के लोग उम्मीद की नजरों से देखते हैं। इसलिए सामाजिक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि, वह समाज की उम्मीदों पर खरा उतरे। दलित समुदाय के लोग मेहनती हैं दलित समाज के लोगों को इस व्यवस्था के नाम पर दबंग लोगों ने किताब विज्ञान शिक्षा धन शस्त्र भूमि से दूर रखा, जिसके कारण से दलितों का सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विकास नहीं हो सका।

वह 5000 वर्षों से शोषण के शिकार रहे हैं। अब इस शोषण से मुक्त होने का समय आ गया है, आवश्यकता इस बात की है कि हम शिक्षा ज्ञान प्राप्त करें।

आपने यह भी कहा कि, जब तक समाज धार्मिक पाखंडवाद से मुक्त नहीं होगा दलितों का आर्थिक विकास नहीं हो पाएगा। आपने बाबा साहब के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि, बाबा साहब की दुनिया के बुद्धिजीवियों में गिनती होती है। अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय में जितने छात्र अध्ययन करके निकले उसमें सबसे प्रथम नंबर पर बाबा साहब अंबेडकर का नाम आता है, जिसकी कोलंबिया विश्वविद्यालय में बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित है तथा उस पर लिखा हुआ है, ज्ञान का प्रतीक विश्वविद्यालय को इस बात पर भी गर्व है कि, ऐसा प्रतिभावान छात्र हमारे विश्वविद्यालय में अध्ययन किया। आपने सभी अनुसूचित जाति की उपजातियों को एक मंच पर आने का आह्वान किया तथा धर्म के नाम पर और है। आर्थिक शोषण पर रोकथाम करने का प्रयास किया। महिलाओं को पुरुषों के बराबर स्थान देने शिक्षा की ओर समाज को प्रेरित करने तथा स्वयं का परिवार का समाज का संत आवर्धन करने पर जोर दिया।

सतीश कुमार, एडवोकेट निदेशक, दलित अधिकार केंद्र जयपुर ने कहा कि, जिस विचारधारा को लेकर हम चल रहे हैं। उसको अपने जीवन में उतारना आवश्यक है आपने कहा कि, सामाजिक न्याय सामाजिक, क्रांति व सामाजिक परिवर्तन के लिए बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करना आवश्यक है। बाबा साहब की मूर्तियां लगाने का दौर समाप्त हो गया है। अब बाबा साहब के विचारों पर चलने की आवश्यकता है।

हेमंत मीमरोठ मुख्य कार्यकार, दलित अधिकार केंद्र जयपुर ने बताया कि, जब वर्ष 2000 में दलितों पर कार्य करने वाला स्वतंत्र संगठन नहीं था। उस समय दलित अधिकार केंद्र के मुख्य संरक्षक पी एल मीमरोठ ने स्थापना की तथा दलित अधिकार केंद्र के माध्यम से दलित हत्या चारों की मोनिटरिंग करना पैरवी व एडवोकेसी करना, दलित कार्यकताओं को प्रशिक्षण देना, पुलिस प्रशासन जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर दलितों के लिए बनी योजनाओं व कानूनों की प्रभावी क्रियान्वयन करने के लिए दबाव बनाना आदि कार्य शुरू किया, जिससे प्रदेश में दलित कार्यकर्ता व दलित समुदाय जागरूक हुआ। उस समय जब दलितों की रिपोर्ट दर्ज नहीं की जाती थी। मुआवजा नहीं मिलता एससी/एसटी एक्ट की पालना नहीं होती थी। वह सभी कार्य होने लगे हैं।

चंद्र लाल बेरवा, एडवोकेट सहायक निदेशक, दलित अधिकार केंद्र जयपुर ने मंच का संचालन किया और आने वाले सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि, प्रदेश के दलित कार्यकर्ता समाज के संपदा है। दलित कार्यकर्ता कानून की जानकारी लेकर और अधिक सक्रिय होकर अपने-अपने क्षेत्र में दलित अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाएंगे तो अत्याचार कम होंगे वह समुदाय में जागरुकता आने लगी है और अधिक जागरूकता आएगी। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में अलवर, दौसा, भरतपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, सीकर, झालावाड़ आदि जिलों से 70 महिला पुरुष कार्यकताओं ने भाग लिया।

## केकड़ी से बिजय नगर जाने वाले मुख्य सड़क हो रहे क्षतिग्रस्त, गड्ढों में गिरने से घायल हो रहे राहगीर

एनसीआर समाचार

राजस्थान नागोला केकडी को बिजयनगर कस्बे से जोड़ने वाले मुख्य सड़क मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र के लगभग 50 गांवों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते लोगों ने पीडब्ल्यूडी विभाग एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ प्रदर्शन कर नाराजगी जाहिर की है। नागोला बस स्टैंड एसोसिएशन अध्यक्ष धनराज साहू ने बताया कि, केकडी से बिजयनगर जाने वाली मुख्य सड़क जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गई है तथा सड़क से डामर उखड़ कर गिट्टियां निकल आई है तथा कहीं जगह से तो डामर सड़क ही गायब हो चुकी है।

जिसके कारण क्षेत्र के लगभग 50 गांवों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बड़ली सरपंच महेंद्र खटीक ने बताया कि, उपरोक्त सड़क मार्ग क्षेत्र का सबसे व्यस्ततम सड़क मार्ग है तथा हजारों वाहन प्रतिदिन यहां से गुजरते हैं। इसके बावजूद भी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की संवेदनहीनता के कारण अभी तक सड़क का निर्माण नहीं करवाया गया है। गिट्टियों से गिरकर चोटिल हो रहे हैं राहगीर - प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि उपरोक्त सड़क की खस्ता हालत का पता इसी बात से लगाया जा सकता है कि, सड़क में अनेकों स्थानों पर डामर का नामोनिशान नहीं बचा है।

गिट्टियां निकल आई हैं जिनसे दो पहिया वाहन चालक गिर-गिर कर चोटिल हो रहे हैं परंतु जिम्मेदार अफसर एवं जनप्रतिनिधि इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिसके कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। वहीं कृषि उपज मंडी मार्ग की खस्ता हालत होने के परिणाम स्वरूप बिजयनगर में स्थित कृषि उपज मंडी आने वाले किसानों के वाहनों को भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। जानकारी पर कई किसानों ने बताया कि, उपरोक्त सड़क मार्ग क्षतिग्रस्त होने से उन्हें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि, इस रास्ते का दूसरा कोई विकल्प मार्ग भी मौजूद नहीं है, जिसके कारण क्षतिग्रस्त सड़क से ही उन्हें कृषि जिंसों को उपज मंडी में पहुंचाने की मजबूरी होती है जिससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

## नवनियुक्त सरपंच सुमन शाक्य को रेखा शाक्य ने दी जीत की बधाई

एनसीआर समाचार

फतेहाबाद जेजेपी नेत्री रेखा शाक्य ने ग्राम पंचायत खान मोहम्मद से सरपंच बनी सुमन शाक्य को मालाएं पहनाकर बधाई दी। रेखा शाक्य ने बताया कि, सुमन शाक्य पूरे हरियाणा में शाक्य समाज की इकलौती सरपंच बनी है।

रेखा शाक्य ने समस्त ग्राम वासियों और शाक्य समाज का आभार प्रकट किया और सभी को जीत की शुभकामनाएं दी।

## आंगनबाड़ी मार्ग में अतिक्रमण से डुंगरिया खुर्द के ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल

एनसीआर समाचार

राजस्थान पुष्कर के निकटवर्ती ग्राम डुंगरिया खुर्द में आंगनबाड़ी के लिए जाने वाले रास्ते पर अतिक्रमण से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश उत्पन्न हो रखा है। गुरुवार को ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी को कड़ेल सरपंच का हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन देकर जल्द से जल्द इस अतिक्रमण को हटाने की मांग की। ज्ञापन में ग्रामीणों बताया कि अतिक्रमी झोटवाड़ा जयपुर निवासी मीना कंवर से कई बार समझाइस की गई लेकिन वह नहीं मानी इसके बाद 3 नवंबर को ग्राम पंचायत की जनसुनवाई और मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दी गई।

15 नवंबर 2022 को जिला परिषद अजमेर की जनसुनवाई में भी शिकायत की गई लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई साथ ही ग्रामीणों ने बताया कि अगले गुरुवार तक यदि कार्रवाई नहीं होती तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान पुष्पेंद्र सिंह, धीरेंद्र सिंह, नरेश सिंह, मोहन सिंह, किशन सिंह, नरेंद्र सिंह, राजू सिंह, ठाकुर साहब मांगू सिंह, शंकर सिंह, अभय सिंह राठौड़, रोहतास बोहरा, सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

## नौतनवा से गोरखपुर आ रही ट्रेन की चपेट में आई दो गऊ माता की मौके पर मौत

एनसीआर समाचार

महराजगंज जिले के पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत झामट स्टेशन और अगया के बीच में सुबह में नौतनवा से गोरखपुर आ रही ट्रेन की चपेट में आ जाने से दो गऊ माता की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी, जैसे ही इस घटना की जानकारी संगठन राष्ट्रीय योगी सेना युवा मोर्चा के मण्डल प्रभारी मोनू प्रजापति को मिली उनके द्वारा तत्काल संगठन राष्ट्रीय योगी सेना के कार्यकर्ता को निर्देशित किया गया और डायल 112, को सूचना एवम थाना प्रभारी पुरन्दरपुर को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस की मदद से एवम ग्राम प्रधान नरेंद्र यादव, संगठन राष्ट्रीय योगी सेना के सभी के सहयोग से जेसीबी बुलवा कर गऊ माता का दाह संस्कार करवाया गया। इस दौरान स्थनीय थाना प्रभारी पुरन्दरपुर एवम उनकी टीम द्वारा बहुत सहयोग मिला। उसके लिए मैं थाना प्रभारी उमेश कुमार को और उनकी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। इस मौके पर गोरखनाथ यादव नगर अध्यक्ष, राजन गौड़ ब्लॉक अध्यक्ष, ग्राम प्रधान नरेंद्र यादव, श्याम गौड़, विवेक मद्धेशिया, बबलू मद्दहेशिया, विरेंद्र मद्देशियां, विशाल गौड़, मो, कृष्ण मुख्य आरक्षी, मुख्य आरक्षी संजय सिंह, मोहम्मद अशजद, मनदेव कुमार, योगिंदर यादव, रामधनी कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

## कांग्रेस अल्पसंख्यक के जिला अध्यक्ष मोहम्मद महमूद खान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया

एनसीआर समाचार

राजस्थान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब इमरान प्रतापगढ़ी की सहमति व राजस्थान के भारत जोड़ो यात्रा प्रभारी जनाब कलाम साहब, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष जनाब आबिद कागजी के आदेशानुसार दिसंबर राजस्थान में प्रवेश कर रही, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान झालावाड़ जिले के ब्लाक इकलेरा के लिए अजमेर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक के जिला अध्यक्ष मोहम्मद महमूद खान को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था।

आज जिला अध्यक्ष मोहम्मद महमूद खान अपने साथियों सहित देवली पहुंचे, देवली पहुंचने पर देवली में अब्दुल शमीम उपाध्यक्ष ज़िला अल्पसंख्यक टोंक, मनोनीत पार्षद अमन खान, युवा नेता आकाश कंचन, मोहिन रजा पूर्व पार्षद, सादिक अली अब्बासी, बन्ना जय सिंह आदि कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने पर्यवेक्षक मोहम्मद महमूद खान व साथियों को माला पहनाकर स्वागत किया इसी दौरान पर्यवेक्षक मोहम्मद महमूद खान ने सभी युवा साथियों से अपील की है कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल होकर यात्रा को सफल बनाएं।

## मध्य प्रदेश के रीवा में मोहनिया टनल के उद्घघाटन की तैयारियां हुई शुरू

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश के बहुप्रतीक्षित रीवा सीधी मार्ग पर मोहनिया पहाड़ में बनी देश स्तरीय टनल के उद्घाटन हेतु आ रहे मंत्रियों को दिखाने के लिए गुढ़ नगर के अंदर सड़कों के गड्ढे पाटे जा रहे है। ज्ञात हो कि उक्त गड्ढों में आधे इंच गिट्टी व डामर के स्थान पर जला मोबीओइल का उपयोग लोकनिर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है। विभाग का मकसद केवल एक दिन के लिए निर्माण बनाने का है। विभाग का पैसा बर्बाद कर केवल अधिकारी कर्मचारी केवल अपनी जेब गरम करने में लगे हुए हैं। जिलाध्यक्ष महोदय रीवा से उक्त घटिया निर्माण को गुणवत्ता युक्त कराने की मांग नगरवासियों ने की है।

## संपादकीय

# आरक्षण व्यवस्था के दोष

आरक्षण बोतल का ऐसा जिन्न है जिसे सभी राजनीतिक दल निकाल कर अपनी स्वार्थसिद्धी करना चाहते हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसके नुकसान-फायदे के बारे में कभी विचार नहीं किया जाता। विशेषकर देश और समाज को होने वाले नुकसान की किसी को चिंता नहीं है। आर्थिक आधार पर दिए गए आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने मोहर लगा कर राजनीतिक दलों का रास्ता और आसान कर दिया। सभी राजनीतिक दलों के लिए यह हॉट केक की तरह है। किसी को भी इससे परहेज नहीं है। आरक्षण के विरुद्ध बोलना तो दूर बल्कि आरक्षण के असली हकदारों के हिस्से पर कुंडली मारे बैठे क्रीमी लेयर के खिलाफ भी बोलने का साहस किसी नेता या राजनीतिक दल में नहीं है। आरक्षण ने देश को दो हिस्सों में विभाजित कर दिया है। आरक्षित और गैर आरिक्षत वर्ग। गैर आरक्षित वर्ग इसे अपने साथ अन्याय मानता है, किन्तु एकजुट नहीं हो सकने के कारण राजनीतिक दलों को इस बहुसंख्यक गैर आरक्षित आबादी की परवाह नहीं है। आरक्षण के मुद्दे से राजनीतिक दल कितना घबराते हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आरक्षण का फायदा सही मायने में आरिक्षत वर्ग को कितना हो रहा है, इसका आकलन कभी नहीं कराया गया। आरक्षण व्यवस्था लागू होने के बाद यह संवैधानिक लाभ चुनिंदा लोगों के हाथ में सिमट कर रह गया है। यही वजह है कि देश में आज भी सीवरेज में गैस निकलने से दलित वर्ग के मजदूरों की मौत की खबरें आती रहती हैं। दलित हों या जनजाति वर्ग, अभी तक अपने परंपरागत पेशों से जुड़े हुए हैं। आरक्षण के बावजूद बड़े वर्ग समूहों की सामाजिक-आर्थिक हालत में कोई विशेष बदलाव नहीं आया है। आरक्षण के बलबूते अपनी सामाजिक और आर्थिक हैसियत मजबूत करने वाले लाभार्थियों को उन्हीं के वर्ग के वंचितों की चिंता नहीं है। आरक्षण का फायदा उठा कर आगे बढ़ चुका वर्ग उस पर कुंडली मारे बैठा है। क्रीमी लेयर ही आरक्षण का सही मायने में दोहन कर रही है। जबकि दूसरे आरक्षित सिर्फ उन्हें ताकने को मजबूर हैं। इस क्रीमी लेयर के खिलाफ बोलने का किसी में साहस मौजूद नहीं है। देश में आज भी ऐसा बड़ा तबका मौजूद है, जिस तक आरक्षण का लाभ इसलिए नहीं पहुंच पा रहा है। कारण साफ है कि आरक्षण का लाभ लेकर अपनी स्थिति को मजूबत कर चुके लाभार्थियों से उनका मुकाबला कमजोर पड़ रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि आरक्षण से सरकारी नौकरी में गिनती के लोगों को लाभ के अलावा आरक्षित वर्ग की स्थिति में खास बदलाव नहीं हुआ। देश में दलित और आदिवासी इलाके आज भी आधारभूत सुविधाओं से वंचित हैं।

बिजली, पानी, सडक, अस्पताल जैसी सुविधाएं इनके क्षेत्रों में आसानी से मयस्सर नहीं हैं। सरकारों ने आरक्षण देकर यह मान लिया कि अब इन वर्गों का विकास अपने आप हो जाएगा। ये देश और समाज की मुख्य धारा में आ जाएंगे। इनके क्षेत्रों के लिए अलग से विकास के प्रयास नहीं किए गए। यही वजह है कि दलित और जनजाति समुदाय अभी तक कई कुरीतियों और सामाजिक बुराइयों से मुक्त नहीं हो सके। इतना ही नहीं, आरक्षण का लाभ लेकर सत्ता का स्वाद चखने वाले नेताओं को भी इसकी चिंता नहीं है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आरक्षण की एक नई कैटेगिरी (ईडब्ल्यूएस) से किसका भला होगा।

# साइबर अपराध से सतर्क रहना होगा किशोरियों को

दरअसल जहां इंटरनेट का इस्तेमाल हमारे लिए वरदान सिद्ध हुआ है, वहीं कहीं न कहीं यह अभिशाप भी साबित हुआ है. इसके गलत तरीके से उपयोग से साइबर क्राइम में काफी बढ़ोतरी हुई है. आज के समय में यह एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है. जिस प्रकार इंटरनेट की रफ्तार बढ़ रही है उसी प्रकार से साइबर क्राइम ने भी अपने पैर पसार लिए हैं. इसके उपयोग से दूर-दराज बैठे लोगों के साथ जुड़ना बहुत आसान हो गया है. व्यवसाय को बढ़ाने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो गई है. इसने हमारे दैनिक जीवन के कार्यों को काफी हद तक आसान कर दिया है. लेकिन जहां इंटरनेट के इतने सारे लाभ हैं, वहीं इसके कुछ नुकसान भी हैं. यदि इसका सावधानीपूर्वक इस्तेमाल नहीं किया गया तो हैकर्स के जाल में फंस सकते हैं. जो आपके ही मोबाइल का गलत कामों में इस्तेमाल कर सकता है. जिसे साइबर क्राइम के नाम से जानते हैं.

**-माला कुमारी-**

दिल्ली की रहने वाली कविता (बदला हुआ नाम) सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती थी. उसके कई फैन फॉलोवर्स भी थे. लेकिन एक दिन उसे अचानक पता चलता है कि उसका सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो चुका है. कविता कहती है "लॉकडाउन के दौरान मैं इंस्टाग्राम की शॉर्ट रील्स देखकर कुछ सीखने की कोशिश करती थी. लेकिन एक दिन मुझे मेरे दोस्तों के माध्यम से पता चला है कि मेरा इंस्टाग्राम अकाउंट किसी ने हैक कर लिया है और अब वह उसका गलत तरीके से उपयोग कर रहा है. मैं थोड़ा परेशान हो गई. मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं? यह बात मैं मैं किससे साझा करूं और किसकी मदद लूँ? क्योंकि यदि हैकर ने मेरी वीडियो अथवा फोटो का गलत इस्तेमाल कर उसे वायरल कर दिया तो यह अच्छा नहीं होगा. तब मुझे अचानक इस समस्या से निकलने के लिए प्रोत्साहन संस्था के बारे में ध्यान आया. मैं इस समस्या से बचने के लिए प्रोत्साहन के प्रशिक्षकों की मदद ले सकती हूँ जो इन साइबर सुरक्षा से सम्बन्धित मुद्दों पर काम करते हैं. जब मैं उनसे मिली और उन्हें सारी स्थिति से अवगत कराया तो उन्होंने मुझे ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करने और साइबर सुरक्षा के बारे म् बताया.

यह समस्या केवल देश की राजधानी दिल्ली की रहने वाली किसी किशोरी की समस्या नहीं है बल्कि अन्य बड़े शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक ऐसी खबरें पढ़ने को आसानी से मिल जाती हैं. अंतर केवल इतना है कि दिल्ली जैसे बड़े शहर में रहने के कारण कविता को इसके खिलाफ एक्शन लेने में मदद मिल गई है. लेकिन अन्य क्षेत्रों के युवाओं और विशेषकर किशोरियों में जागरूकता की कमी के कारण इतनी जल्दी मदद नहीं मिल पाती है और हैकर्स का शिकार हो जाती हैं. दरअसल आज के समय कोई भी जानकारी प्राप्त करना अथवा सोशल मीडिया तक पहुंच बहुत आसान हो गया है. जैसे जैसे इंटरनेट का प्रसार बढ़ा है, उसके उपयोग करने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है. अब तो गांव गांव तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहने वाले युवाओं की एक बड़ी तादाद देखी जा सकती है.

दिल्ली से सटे ग्रामीण क्षेत्र की रहने वाली मीना (बदला हुआ नाम) बताती है कि "मेरे घर वालो ने मुझे उच्च शिक्षा प्राप्त करने और विषय से जुड़े अपडेट के लिए मोबाइल फोन उपलब्ध करवाया था. मेरी ऑनलाइन क्लासेज अच्छी चल ही रही थी कि अचानक एक दिन मेरे नंबर पर अनजान नंबर से कॉल, सन्देश और अश्लील वीडियो आने लगते हैं और तरह -तरह की धमकियां दी जाने लगती हैं. जिससे मैं बहुत डर जाती हूँ. कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करुँ? किसी से अपनी परेशानी शेयर करते हुए भी डर लग रहा था. परेशान होकर मैंने अपना सिम कार्ड बंद करवा दिया. वह कहती है कि मुझे नहीं मालूम था कि इसके खिलाफ कहां और कैसे शिकायत दर्ज कराई जाती है? साइबर सुरक्षा का ज्ञान न होने का कारण ही मैं इसका शिकार बनी हूं. काश, मैं जागरूक होती और साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में किसी ने मुझे बताया होता तो आज मुझे अपना सिम बंद करवाने की जरूरत नहीं होती बल्कि ऐसे साइबर अपराधी जेल में होते."

दरअसल जहां इंटरनेट का इस्तेमाल हमारे लिए वरदान सिद्ध हुआ है, वहीं कहीं न कहीं यह अभिशाप भी साबित हुआ है. इसके गलत तरीके से उपयोग से साइबर क्राइम में काफी बढ़ोतरी हुई है. आज के समय में यह एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है. जिस प्रकार इंटरनेट की रफ्तार बढ़ रही है उसी प्रकार से साइबर क्राइम ने भी अपने पैर पसार लिए हैं. इसके उपयोग से दूर-दराज बैठे लोगों के साथ जुड़ना बहुत आसान हो गया है. व्यवसाय को बढ़ाने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो गई है. इसने हमारे दैनिक जीवन के कार्यों को काफी हद तक आसान कर दिया है. लेकिन जहां इंटरनेट के इतने सारे लाभ हैं, वहीं इसके कुछ नुकसान भी हैं. यदि इसका सावधानीपूर्वक इस्तेमाल नहीं किया गया तो हैकर्स के जाल में फंस सकते हैं. जो आपके ही मोबाइल का गलत कामों में इस्तेमाल कर सकता है. जिसे साइबर क्राइम के नाम से जानते हैं.

इसमें कम्प्यूटर उपकरण के इस्तेमाल के द्वारा इंटरनेट का गलत तरीके से उपयोग करते हुए ऑनलाइन साइबर क्राइम किये जाते हैं. इसमें हैकिंग के अलावा ऑनलाइन निजी जानकारी चुराना, धोखाधड़ी करना और चाइल्ड पोनोग्राफी आदि यह सभी साइबर क्राइम के अंतर्गत आते हैं. साइबर बुलिंग सोशल मीडिया, फोरम या गेमिंग के जरिये ऑनलाइन की जा सकती है. जहां पर यूजर कंटेंट पढ़ सकते हैं, उसके साथ बातचीत कर सकते हैं या उसका कंटेंट को एक दूसरे को दे सकते हैं. यह एसएमएस, टेक्स्ट और एप्लिकेशन के जरिए भी किया जा सकता है. इस संबंध में प्रोत्साहन इंडिया फाउंडेशन के आईटी ट्रेनर गोविंद राठौर बताते हैं कि आये दिन हमारे पास ऐसे साइबर सुरक्षा से संबंधित मुद्दे आते रहते हैं. युवाओं और विशेषकर किशोरियों के पास मोबाइल तो आ जाते हैं, लेकिन इससे होने वाले साइबर क्राइम से बचने का तरीका न तो उन्हें पता होता है और न ही अभिभावकों को इसकी जानकारी होती है. जिससे कई बार बिना किसी गलती के किशोरियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है. समाज उन्हें ही इसका जिम्मेदार ठहराने लगता है. ऐसे में हमारा प्रयास यही रहता है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक कर सकें जिससे इन साइबर क्राइम को काफी हद तक कम किया जा सके.

इस संबंध में साइबर से जुड़े कई विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सोशल मीडिया पर लोगों को अपनी फोटो और निजी जानकारियां साझा करने से बचना चाहिए, इसका उपयोग तभी करना चाहिए जब हमें इनका पूर्ण ज्ञान हो. ऑनलाइन अपराधी से बचने के लिए हमेशा एक मजबूत पासवर्ड का उपयोग करना चाहिए जिसमें कैपिटल लेटर्स, नंबर्स और स्पेशल कैरेक्टर का उपयोग शामिल है. विशेषज्ञों के अनुसार सोशल मीडिया का जाल और उसकी पहुंच अनन्त है. ऐसे में किसी साइबर अपराधी अर्थात हैकर्स का सटीक तौर पर पता लगाना बहुत मुश्किल होता है. वर्तमान में सोशल मीडिया जितना एडवांस होता जा रहा है इससे जुड़े अपराधी भी एडवांस होते जा रहे हैं. इसलिए इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका खुद को जागरूक रखना है. विशेषकर किशोरी उम्र के लिए यह और भी जरूरी हो गया है. नित्य नए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध हो रहे हैं, जहां आप अपने टैलेंट का प्रदर्शन कर सकते हैं, जिसके पीछे युवा वर्ग आकर्षित हो जाता है और हैकर्स के चंगुल में फंस जाता है. इसीलिए किसी भी नए एप्स को पूरी जानकारी के बिना डाउनलोड नहीं करनी चाहिए.

विशेषज्ञों की सलाह है कि कभी भी ऑनलाइन किसी को अपने घर की निजी जानकारियां, परिवार से जुड़ी जानकारियां और अपना पासवर्ड बताने से पहरेज करनी चाहिए, यहां तक कि अपने सबसे अच्छे दोस्त या करीबी को भी ऐसी बातें शेयर नहीं करनी चाहिए. समय समय पर अपना पासवर्ड बदलते रहना चाहिए. इसके लिए जागरूक रहने की जरूरत है. वहीं सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए अब इसे स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की जरूरत है. साइबर अपराध से बचने के लिए स्कूल और कॉलेजों में विशेष सेशन कराने की आवश्यकता है जिससे किशोरियां डरें नहीं बल्कि समय रहते हैकर्स से अपने फोन को सुरक्षित रख सके. यह आलेख संजॉय घोष मीडिया अवार्ड 2022 के अंतर्गत लिखा गया है.

# राजस्थान कांग्रेस में घमासान, अब गले मिलना नहीं आसान

**-रमेश सर्राफ धमोरा-**

राजस्थान कांग्रेस में मचा घमासान थमने का नाम ही नहीं ले रहा। पिछली 25 सितंबर को जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक का पार्टी विधायकों द्वारा बहिष्कार करने की घटना के बाद राजस्थान कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर है। नेता एक-दूसरे के खिलाफ खुलकर बयानबाजी कर रहे हैं। पार्टी में अनुशासन नाम मात्र का भी नहीं बचा है। कांग्रेस आलाकमान के निदेशों के उपरांत भी नेता एक दूसरे की टांग खिंचाई कर रहे हैं। इससे आम जन में कांग्रेस की नकारात्मक छवि बन रही है।

25 सितंबर को यह सब आलाकमान के पर्यवेक्षक (वर्तमान में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष) मलिकार्जुन खड़गे के सामने हुआ था। तत्कालीन प्रदेश प्रभारी अजय माकन ने यह बैठक बुलाई थी। इसका परिणाम कांग्रेस को आने वाले लंबे समय तक भुगतना पड़ेगा। इस घटना से पार्टी का अनुशासन तो तार-तार हुआ ही था। वहीं नेताओं में आपसी गुटबाजी भी इस कदर बढ़ गई कि एक गुट के नेता दूसरे गुट के नेता को देखना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। सचिन पायलट समर्थक नेता जहां आगामी चुनाव को देखते हुए पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं, वहीं अशोक गहलोत समर्थक नेता किसी भी सूरत में पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनने देने का प्रयास कर रहे हैं।

गहलोत समर्थक विधायकों का कहना है कि कांग्रेस पार्टी से बगावत कर सचिन पायलट व उनके समर्थक विधायक गद्दारों की श्रेणी में आ चुके हैं। ऐसे में उन्हें मुख्यमंत्री कैसे बनाया जा सकता है। उस समय यदि अशोक गहलोत सतर्क रहकर विधायकों को एकजुट नहीं करते तो पायलट समर्थक विधायक राजस्थान में भाजपा से मिलकर कांग्रेस की सरकार गिरा चुके होते। मगर मुख्यमंत्री गहलोत की सतर्कता के चलते ही सरकार बच पाई थी।

राजस्थान में सरकार गिराने का प्रयास करने वाले विधायक ही अब अपने नेता सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जिसे किसी भी स्थिति में पूरा नहीं होने दिया जाएगा। 25 सितंबर को भी पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए ही पूरा ड्रामा रचा गया था। हालांकि उस दिन गहलोत समर्थक विधायक ऐसी हिमाकत कर बैठे जो अब उनके गले पड़ गई है। जिसे गहलोत समर्थक न निगल सकते हैं न उगल सकते हैं। उस घटना के बाद जहां पायलट समर्थक विधायक फ्रंट फुट पर आकर खेल रहे हैं। वहीं गहलोत समर्थक विधायक बचाव की मुद्रा में नजर आ रहे हैं।

25 सितंबर की घटना के मुख्य सूत्रधार रहे कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी व पर्यटन निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को कांग्रेस अनुशासन समिति द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इसका तीनों नेताओं ने जवाब भी दे दिया था। मगर लंबे समय तक अनुशासन समिति द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने व अनुशासन समिति के निशाने पर आए तीनो नेताओं को प्रदेश सरकार व संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपने के विरोध में राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन ने कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा भेजकर किसी अन्य को राजस्थान का प्रभारी बनाने की मांग से राजस्थान की राजनीति में फिर से एक नया बवंडर उठ गया है।

माकन ने अपने इस्तीफे में लिखा है की जब आलाकमान के निर्देश की अवहेलना के मामले में जिम्मेदार नेताओं के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है तो नैतिक आधार पर उन्हें इस पद पर रहने का अधिकार नहीं है। माकन के इस्तीफे को गहलोत गुट पर दबाव के रूप में देखा जा रहा है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि राजस्थान के प्रकरण में कांग्रेस आलाकमान द्वारा कोई कार्यवाही नहीं कर उसे ठंडे बस्ते में डाले जाने के कारण माकन ने इस्तीफा देकर पूरे प्रकरण को एक बार फिर नए सिरे से जिंदा कर दिया है।

यहां खास बात यह है कि अगले महीने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान से गुजरेगी। माकन के इस्तीफे से अनुशासन समिति को गहलोत समर्थक तीनों नेताओं पर कार्रवाई करनी होगी। माकन के इस्तीफे की घोषणा के बाद ही तीनों नेताओं को राहुल गांधी के यात्रा कार्यक्रम के लिए बनी कमेटी से भी हटा दिया गया है। इन्हें सरदार शहर विधानसभा उपचुनाव में भी कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। इतना ही नहीं इन तीनों नेताओं को गुजरात विधानसभा चुनाव से भी अलग कर दिया गया है।

राजस्थान में एक साल बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में जहां पार्टी के सभी नेताओं को एकजुट होकर अगले विधानसभा चुनाव जीतने की तैयारी करनी चाहिए थी, वहीं इसका उल्टा हो रहा है। कांग्रेस के सभी नेता गुटों में बंटे हुए हैं।गहलोत-पायलट विवाद एक बार फिर नए सिरे से उठ खड़ा हुआ है। पहले जहां गहलोत समर्थक पायलट गुट के नेताओं को बगावत करने वाला कहकर उनको पार्टी की मुख्यधारा से अलग-थलग रखते थे। वही 25 सितंबर की घटना के बाद पायलट गुट गहलोत गुट पर हमलावर है। पायलट समर्थक मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा तो खुलेआम कह रहे हैं कि यदि पायलट को शीघ्र ही मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो अशोक गहलोत के नेतृत्व में चुनाव जीतना मुश्किल ही नहीं असंभव है। गुढ़ा ने तो यहां तक कह दिया है कि यदि गहलोत के नेतृत्व में ही पार्टी चुनाव लड़ती है तो विधायकों की संख्या दहाई के आंकड़े तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाएगी। इतने ही विधायक जीत पाएंगे जो एक फॉर्च्यूनर गाड़ी में बैठ कर यात्रा कर सकें। कांग्रेस के लिए इससे हल्की बात और क्या होगी।

पार्टी विधायक दिव्या मदेरणा लगातार गहलोत सरकार के मंत्रियों को कटघरे में खड़ा कर रही हैं। वहीं पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ओबीसी के आरक्षण के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर वादाखिलाफी का आरोप लगा रहे हैं। कई विधायक नए जिलों के गठन को लेकर सरकार पर हमलावर हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशों की कोई भी पार्टी नेता परवाह नहीं कर रहा है। राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास विभागीय सचिवों की गोपनीय रिपोर्ट भरने को लेकर मंत्रियों को अधिकार देने की मांग कर रहे हैं। गहलोत समर्थक मंत्री महेश जोशी, ममता भूपेश, परसादी लाल मीणा खाचरियावास के बयानों को गैरजरूरी बताकर खारिज कर रहें है। पायलट गुट के नेता चाहते हैं कि राहुल गांधी की राजस्थान यात्रा से पहले राजस्थान को लेकर पार्टी आलाकमान ऐसा कोई फैसला करे जिससे दोनों गुट संतुष्ट हो सकें और राजस्थान में चल रहा आपसी विवाद समाप्त हो सके।

## मुगल साम्राज्य व लचित बडफूकन

**-कुलदीप चंद अग्निहोत्री-**

कुछ दिन पहले असम सरकार का एक विज्ञापन उत्तरी भारत के प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है। विज्ञापन के अनुसार असम के महान सेनापति लचित बडफूकन (1622-1671) की जयंती, जो 24 नवम्बर को आती है, के उपलक्ष्य में दिल्ली के विज्ञान भवन में तीन दिवसीय लचित बडफूकन उत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शिरकत कर रहे हैं। असमिया भाषा में फूकन सेनापति को कहते हैं और बडफूकन यानी प्रमुख सेनापति। लेकिन लचित ने ऐसा कौन सा काम किया था जिसके कारण उनको इतनी सदियों बाद भी स्मरण किया जा रहा है। दरअसल प्रश्न तो यह होना चाहिए था कि लचित को आज तक याद क्यों नहीं किया गया? भारतीय विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाने वाले इतिहास का दुर्भाग्य यही है कि न तो उसमें दक्षिण भारत के इतिहास को शुमार किया जाता है और न ही पूर्वोत्तर भारत के इतिहास को। भारत में से मुगल शासन को निपटाने में जितना श्रेय शिवाजी मराठा, महाराणा प्रताप और खालसा पंथ को जाता है, उतना ही श्रेय लचित बडफूकन के हिस्से में भी आता है। लेकिन मुगल शासकों को भारत के स्थानीय शासक मानने वाले इतिहासकारों ने इस प्रकार के नायकों को भुलाना ही ज्यादा अच्छा समझा।

मौलाना अबुल कलाम आजाद, नुरूल हसन और हुमांयू कबीर जैसे लोग भारत के शिक्षा मंत्री रहे हों तो जाहिर है बीडी पांडेय जैसे तथाकथित इतिहासकार ही मान्य होंगे जिसने औरंगजेब की प्रशस्ति में एक ग्रन्थ लिख दिया। लचित बडफूकन उसी औरंगजेब की सेना को असम में पराजित करने वाले सेनानायक थे। मुगलों ने पूर्वोत्तर में बंगाल पर कब्जा तो अरसा पहले कर लिया था, लेकिन असम के पर्वतीय प्रदेश उनके कब्जे में नहीं आ रहे थे। असम मुगलों के कब्जे में आ जाता तो दक्षिण पूर्व एशिया तक में घुसने का रास्ता मिल जाता। तब हिन्द-चीन भी इस्लामी देश बन जाते। यह काम औरंगजेब ने अपने कार्यकाल में संभाला। उसने असम पर कब्जा करने के लिए मीरजुमला के नेतृत्व में अपनी सेना भेजी। मीर जुमला कुशल सेनापति था। वह असम सेना को पराजित करता हुआ भीतर तक घुस गया। बहुत से असम सैनिक इस युद्ध में शहीद हो गए। असम नरेश जयध्वज सिंह को राजधानी छोडकर गढगांव जाना पड़ा। मीर जुमला ने असम के अनेक हिस्सों को तबाह कर दिया। बस्तियाँ जला दीं। इतना ही नहीं असम के पुराने राजाओं की कब्रों को उखाड़ा गया। राजा को मीरजुमला के साथ अपमानजनक संधि करनी पड़ी। बहुत सा इलाका मुगलों को देना पड़ा। मुगलों के अधीन राजा बन कर रहना पड़ा। अपनी बेटी मुगलों को देनी पड़ी। इसी अपमान के चलते जयध्वज सिंह की मृत्यु हो गई। उसके उपरान्त चक्रध्वज सिंह राजा बना। चक्रध्वज ने कहा मुगलों के निशान ढोने से बेहतर है यमराज के पास चले जाना। चक्रध्वज सिंह किसी भी तरह असम को मुगलों के कब्जे से छुड़ाना चाहता था। औरंगजेब बलशाली था। देश के अधिकांश हिस्से पर उसका कब्जा था। लेकिन चक्रध्वज सिंह को चैन नहीं थी। उसने इस काम के लिए लचित बडफूकन को सेनापति नियुक्त कर दिया। नए सिरे से असमिया सेना गठित की गई।

असम की सेना ने मुगलों से असम को आजाद ही नहीं करवाया बल्कि इस अभियान में गुवाहाटी भी मुक्त हो गया। असम का मुक्त हो जाना औरंगजेब के लिए चुनौती बन गया। उसने जयपुर के राम सिंह के नेतृत्व में विशाल सेना दिल्ली से असम भेजी ताकि किसी भी तरीके से असम पर कब्जा कर हिन्द चीन तक जाने के लिए रास्ता साफ किया जा सके। दिल्ली से जा रही औरंगजेब की यह सेना असम जाने से घबरा रही थी क्योंकि असम के लोग काला जादू जानते हैं, ऐसी प्रसिद्धि थी। इसलिए औरंगजेब ने सेना के साथ पाँच सैयद पीर रवाना किए ताकि वे वहाँ के काला जादू का मुकाबला कर सकें।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

## आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

## मनरेगा में सुधार के लिए समिति गठित

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने सरकारी नौकरी की गारंटी देने की एकमात्र योजना मनरेगा में सुधार के लिए समिति का गठन किया है। इसका मकसद देश के अत्यंत निर्धन इलाकों में लोगों को ज्यादा से ज्यादा काम मुहैया कराना है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने आज यह जानकारी दी।

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत काम की मांग बहुत ज्यादा बनी हुई है। आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बावजूद मनरेगा में भारी आवंटन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इसे देखते हुए योजना की समग्र समीक्षा के लिए एक पूर्व अफसरशाह की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। यह समिति योजना के तहत व्यय के तरीके, सरकार के ढांचे और प्रशासनिक मसलों की समग्र समीक्षा करेगी, जिससे इस योजना की खामियों को दूर किया जा सके।

सूत्रों ने कहा कि यह समिति अक्टूबर में गठित की गई थी, जो जनवरी तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। यह रिपोर्ट फरवरी में संसद में पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट के पहले आएगी। यह समीक्षा पूरे देश में चलने वाली कवायद है। इसमें उन इलाकों की भी समीक्षा शामिल है, जहां पिछले कुछ साल में मनरेगा के बजट में बढ़ोतरी हुई है।

इसकी वजहों को जानने की कवायद होगी। सरकारी आंकड़े दिखाते हैं कि मनरेगा के तहत बिहार और ओडिशा जैसे राज्यों का खर्च तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों से पीछे है, जिनकी प्रति व्यक्ति आय अधिक है। इस प्रक्रिया से जुड़े एक अधिकारी ने बिजनेस स्टैंडर्ड से कहा, 'समिति के ध्यान का एक बड़ा केंद्र इस पर केंद्रित है कि क्या मनरेगा से गरीबी उन्मूलन का मकसद पूरा हो रहा है और क्या इसके लिए कुछ बदलाव की जरूरत है।'

उन्होंने कहा कि मनरेगा के मूल ढांचे में बदलाव होने की संभावना बहुत कम है क्योंकि यह अन्य सरकारी योजनाओं की तुलना में अलग है और इसमें बदलाव के लिए संसद से मंजूरी लेनी होगी। एक अन्य अधिकारी ने कहा, 'मनरेगा 2006 में शुरू किया गया। तब से 16 साल हो चुके हैं। समय समय पर योजना के प्रदर्शन की समीक्षा होती रही है और इस बाद भी ऐसा ही किया जाएगा। इसका मकसद भी वही है कि इसमें बदलते वक्त व जरूरतों के मुताबिक बदलाव किया जाए।'

एक अधिकारी ने कहा कि अपेक्षाकृत समृद्ध राज्यों के निवासी बेहतर स्थिति में हैं और गरीबी खत्म करने के लिए चलाई जा रही रोजगार योजना के तहत ज्यादा काम पा रहे हैं, ऐसे में इस योजना में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है। पिछले कुछ महीने के दौरान मनरेगा के तहत काम की मांग कम हुई है, लेकिन यह अभी भी महामारी के पहले के स्तर से बहुत ज्यादा है।

## सीमेंट कंपनियों के मार्जिन और लाभ पर दबाव बरकरार

मुंबई। सीमेंट क्षेत्र में अदाणी समूह का प्रवेश उद्योग के लिए चुनौती बन गया है। देश की प्रमुख सूचीबद्ध सीमेंट कंपनियों का संयुक्त शुद्ध लाभ जुलाई-सितंबर 2022 तिमाही में घटकर करीब एक दशक के निचले स्तर पर आ गया। ऊंचे परिचालन खर्च तथा तिमाही के दौरान अनुमान से कम बिक्री वृद्धि की वजह से सीमेंट निर्माताओं के मार्जिन और आय में बड़ी कमजोरी दर्ज की गई। अल्ट्राटेक सीमेंट, श्री सीमेंट, और इंडिया सीमेंट के साथ साथ एसीसी और अंबुजा सीमेंट समेत देश की 10 सबसे बड़ी सीमेंट निर्माताओं का संयुक्त शुद्ध लाभ (असाधारण लाभ एवं नुकसान के समायोजन सहित) वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही में 1,030 करोड़ रुपये रहा जो 71.8 प्रतिशत कम है।

## पीएनबी के ग्राहकों के लिए खास खबर, पैसों की लेन-देन करने में होगी परेशानी

**नई दिल्ली।** पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। जिन ग्राहकों ने अभी तक अपना अपडेट नहीं कराया है, तो उन्हें अगले महीने से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे ग्राहक जिनका KYC 12 दिसंबर के बाद पेंडिंग रहेगा, उन्हें अपने खाते से लेन-देन करने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. बैंक ने कहा है कि रिजर्व बैंक के नियमों के मुताबिक, ग्राहक 12 दिसंबर 2022 तक अपना KYC अपडेट करा लें। पीएनबी ने एक प्रेस रिलीज में कहा है कि जिन ग्राहकों का KYC अपडेशन बाकी है, उनके रजिस्टर्ड एड्रेस पर दो नोटिस और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर SMS के माध्यम से सूचना भेजी गई है। बैंक ने 20 और 21 नवंबर 2022 को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी इस बारे में नोटिफिकेशन शेयर किया था. पीएनबी ने अपने ट्वीट में कहा था- RBI के दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी ग्राहकों के लिए KYC अपडेशन अनिवार्य है। यदि आपका खाता 30.09.2022 तक केवाईसी अपडेशन के लिए ड्यू था, तो आपको पहले ही इस बारे में सूचित किया जा चुका है। आपसे अनुरोध है कि 12.12.2022 से पहले अपने केवाईसी को अपडेट करने के लिए बेस ब्रान्च से संपर्क करें। अपडेशन न करने के चलते आपके अकाउंट के ऑपरेशन को प्रतिबंधित किया जा सकता है।

# म्यूचुअल फंड निवेशकों को होगा अब जल्द पेमेंट, जानिए सेबी ने क्या कहा है

**नई दिल्ली।** म्यूचुअल फंड के निवेशकों को अब और आसानी हो जाएगी। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड यूनिटधारकों के लाभांश और यूनिट बेचने से प्राप्त राशि के ट्रांसफर के लिए समयसीमा कम कर दी है। अब असेट मैनेजमेंट कंपनियों (AMC) को लाभांश का भुगतान सात दिनों में करना होगा। अभी तक इसके लिए 15 दिन मिल रहे थे।

**क्या कहा सेबी ने :** नियामक ने कहा शुक्रवार को जारी एक सरकुलर में कहा कि लाभांश भुगतान मामले में सार्वजनिक रिकॉर्ड तिथि सार्वजनिक नोटिस जारी होने से, जहां लागू हो, दो कामकाजी दिवस होगी। सेबी ने कहा, ''यूनिटधारकों को लाभांश का भुगतान रिकॉर्ड तिथि से सात कामकाजी दिनों के भीतर होगा।'' साथ ही यूनिट बेचने से प्राप्त राशि के अंतरण के लिये समयसीमा मौजूदा 10 कामकाजी दिनों से घटाकर तीन कार्य दिवस कर दिया गया है। सेबी ने कहा, ''यूनिट बेचने से प्राप्त होने वाली राशि यूनिटधारकों (निवेशकों) को यूनिट बेचने की तिथि से तीन दिन के भीतर उपलब्ध करायी जाएगी।''

**विदेशों में निवेश हो तो क्या :** जिन योजनाओं में कुल संपत्ति में से कम-से-कम 80 प्रतिशत राशि अगर विदेशों में स्वीकृत निवेश उत्पादों में किया गया है तो ऐसी स्थिति में यूनिट बेचने से प्राप्त होने वाली राशि यूनिटधारकों को आवेदन देने

की तिथि से पांच कामकाजी दिवस के भीतर उपलब्ध करायी जाएगी।''

**अपवाद परिस्थिति की सूची आएगी :** सेबी के साथ विचार-विमर्श कर उद्योग संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) उन अपवाद परिस्थितियों की सूची प्रकाशित करेगा, जिसके कारण वह निवेशकों को निर्धारित समयसीमा में भुनायी गयी रकम देने में असमर्थन होंगे। साथ ही उन्हें यह बताना होगा कि ऐसी परिस्थिति में यूनिटधारकों को पैसा मिलने में कितना समय लगेगा। सूची का प्रकाशन 30 दिनों के भीतर किया जाएगा।

**देरी पर मिलेगा ब्याज :** नियामक ने कहा है कि अगर यूनिट बेचने से प्राप्त होने वाली राशि अथवा लाभांश भुगतान में देरी होती है तो यूनिटधारकों को प्राप्त होने वाली राशि पर सालाना 15 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा। ब्याज का भुगतान संपत्ति प्रबंधन कंपनियां करेंगी और इस प्रकार के भुगतान का विवरण अनुपालन रिपोर्ट के तहत सेबी को देना होगा।

### टाटा ग्रुप की स्माल कैप इक्विटी म्यूचुअल कंपनी ने दिया शानदार रिटर्न

# रुपए 10000 के SIP को बना दिया 8.39 लाख रुपये

**नई दिल्ली।** टाटा स्मॉल कैप फंड की ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम ने अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया है। यह स्कीम खासतौर पर स्मॉल-कैप इक्विटी में निवेश करती है। स्कीम का निवेश मुख्य रूप से स्मॉल-कैप फर्मों के इक्विटी-संबंधित इक्विपमेंट में निवेश के जरिए लंबी अवधि में पूंजी को बढ़ाना है। वैल्यू रिसर्च और मॉर्निंगस्टार दोनों ने फंड को 3-स्टार रेटिंग दी है।

**12 नवंबर 2018 हुआ था लॉन्च :** फंड को 12 नवंबर, 2018 को पेश किया गया था और अब तक इसने अपने पहले चार साल सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। 10,000 रुपये का मासिक एसआईपी अब बढ़कर 8.39 लाख रुपये हो गया है। बता दें कि इस म्यूचुअल फंड कंपनी ने अपने स्थापना के बाद से 30.65% का सालाना रिटर्न दिया है।

**Tata Small Cap Fund का प्रदर्शन :** निफ्टी स्मॉलकैप 250 टीआरआई इंडेक्स के 4.50% रिटर्न की तुलना में पिछले साल फंड ने 16.18% रिटर्न दिया है। ऐसे में रु 10,000 का मासिक एसआईपी यानी रु 1.20 लाख का निवेश बढ़कर रु 1.30 लाख हो गया होता। पिछले तीन सालों में निफ्टी स्मॉलकैप 250 टीआरआई इंडेक्स के प्रदर्शन की तुलना में इस फंड ने 34.89% की वार्षिक एसआईपी रिटर्न दिया है। रु 10,000 का मासिक एसआईपी यानी कुल रु 3.60 लाख का निवेश बढ़कर रु 5.90 लाख हो जाता। स्थापना के बाद से फंड ने 25.50% के निफ्टी स्मॉलकैप 250 टीआरआई इंडेक्स के प्रदर्शन की तुलना में 30.65% का वार्षिक एसआईपी रिटर्न दिया है। ऐसे में रु 10,000 का मासिक एसआईपी यानी कुल रु 4.70 लाख का निवेश बढ़कर रु 8.39 लाख हो जाता। **टाटा स्मॉल कैप फंड के बारे में :** टाटा स्मॉल कैप फंड के फंड मैनेजर चंद्रप्रकाश पडियार हैं। जबकि फंड के सहायक फंड मैनेजर सतीश चंद्र मिश्रा हैं। फंड को निफ्टी स्मॉलकैप 250 टीआरआई के खिलाफ बेंचमार्क किया गया है और 31 अक्टूबर 2022 तक फंड का एयूएम 2664.24 करोड़ रुपये है। 31 अक्टूबर तक डायरेक्ट ऑप्शन के लिए फंड का एनएवी रु 24.7869 और रेगुलर ऑप्शन के लिए रु 22.9871 था।

### प्री-बजट विचार-विमर्श के दौरान राज्यों ने की अधिक धन आवंटन की मांग

**नई दिल्ली।** राज्यों के वित्त मंत्रियों ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ प्री-बजट विचार-विमर्श के दौरान अधिक धन आवंटन की मांग को दोहराया। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन में अधिक अधिकार की भी मांग की। सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा, कुछ राज्यों ने खनिजों पर अधिक रॉयल्टी की भी मांग की है। तमिलनाडु के वित्त मंत्री पी. थियागा राजन ने बैठक के बाद कहा कि सभी राज्य, पार्टी लाइन से ऊपर उठकर, इस बात पर एकमत थे कि केंद्र प्रायोजित योजनाएं उनकी वित्तीय स्वायत्तता पर दबाव डाल रही हैं। क्योंकि उनमें से कुछ में राज्य बड़ी मात्रा में योगदान दे रहे हैं।

## रुपये में 23 पैसे की तेजी

**नई दिल्ली।** अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले महीने से ब्याज दर बढ़ाने की गति धीमी रखने के संकेत से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में आई गिरावट की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 23 पैसे की तेजी लेकर 81.70 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, पिछले कारोबारी दिवस रुपया 26 पैसे लुढ़ककर 81.93 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 21 पैसे मजबूत होकर 81.72 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली से समर्थन पाकर 81.60 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि लिवाली होने से यह 81.77 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक भी लुढ़का। अंत में पिछले दिवस के 81.93 रुपये प्रति डॉलर के

मुकाबले 23 पैसे की तेजी लेक 81.70 रुपये प्रति डॉलर पर रहा विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के जारी मिनट्स में कहा गया है कि अमेरिका में अगले महीने से ब्याज दर में बढ़ोतरी किये जाने की गति धीमी रह सकती है। इससे डॉलर आज दबाव में रहा और रुपये को बल मिला। साथ ही घरेलू शेयर बाजार के 1.24 प्रतिशत की तेजी लेकर 62 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पा 62272.68 अंक के नये शिखर प पहुंचने से भी रुपये को समर्थन मिला है।

### अमेजन भारत में फूड डिलिवरी बिजनेस बंद करेगी

**नई दिल्ली।** देश में अपने एडटेक वर्टिकल को बंद करने की घोषणा के एक दिन बाद अमेजन ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत में अपना फूड डिलिवरी कारोबार बंद कर रहा है। अमेजन ने मई 2020 में भारत में अपनी खाद्य वितरण सेवा शुरू की थी। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा, हमारी सालाना परिचालन योजना समीक्षा प्रक्रिया के तहत हमने अमेजन फूड को बंद करने का फैसला किया है। प्रवक्ता ने कहा, हम इन फैसलों को हल्के में नहीं लेते हैं। मौजूदा ग्राहकों और साझेदारों का ध्यान रखने के लिए हम इन कार्यक्रमों को चरणबद्ध तरीके से बंद कर रहे हैं। कंपनी ने बेंगलुरु में अमेजन फूड की शुरूआत की थी। गुरुवार को, अमेजॅन ने कहा था कि वह अगस्त 2023 से भारत में अमेजन अकादमी के संचालन नामक एडटेक की पेशकश को बंद कर रहा है, और वर्तमान शैक्षणिक बैच में नामांकित लोगों को पूरी फीस वापस कर देगा।

# गेहूं की बढ़ती कीमत पर लगेगी लगाम और एडिबल ऑयल का आयात घटेगा!

**नई दिल्ली।** गेहूं और खाद्य तेलों की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। इसके मद्देनजर किसानों ने इस बार गेहूं और तिलहन की ज्यादा बुवाई की है। चालू रबी मौसम में गेहूं और तिलहन फसलों की बुवाई का रकबा सालाना आधार पर 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। शुक्रवार को जारी कृषि मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। रबी सत्र में 25 नवंबर तक गेहूं की बुवाई का रकबा 10.50 प्रतिशत बढ़कर 152.88 लाख हेक्टेयर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 138.35 लाख हेक्टेयर था। इसी तरह तिलहन का रकबा 25 नवंबर तक 13.58 प्रतिशत बढ़कर 75.77 लाख हेक्टेयर हो गया है। मुख्य रबी फसल गेहूं की बुवाई अक्टूबर में शुरू होती है और कटाई मार्च-अप्रैल में शुरू होती है। गेहूं के अलावा, चना और सरसों 2022-23 फसल वर्ष (जुलाई-जून) के रबी मौसम के दौरान उगाई जाने वाली अन्य प्रमुख फसलें हैं।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश (6.40 लाख हेक्टेयर), राजस्थान (5.67 लाख हेक्टेयर), पंजाब (1.55 लाख हेक्टेयर), बिहार (1.05 लाख हेक्टेयर), गुजरात (0.78 लाख हेक्टेयर), जम्मू और कश्मीर (0.74 लाख हेक्टेयर), और उत्तर प्रदेश (0.70 लाख हेक्टेयर) में गेहूं बुवाई के रकबे में बढ़ोतरी हुई है। इस रबी सत्र में 25 नवंबर तक तिलहन का रकबा 13.58 प्रतिशत बढ़कर 75.77 लाख हेक्टेयर हो गया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह रकबा 66.71 लाख हेक्टेयर था। इसमें से उक्त अवधि के दौरान पहले के 61.96 लाख हेक्टेयर के मुकाबले सरसों की बुवाई 70.89 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है।

**दलहन का रकबा घटा :** दालों के मामले में बुवाई का रकबा कुछ कम हुआ है। इस अवधि के दौरान पहले के 94.37 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस बार 94.26 लाख हेक्टेयर पर दलहन बुवाई की गई है। मोटे अनाज की बुवाई 26.54 लाख हेक्टेयर में की गई, जो पहले 26.70 लाख हेक्टेयर में की गई थी। जबकि चावल की बुवाई 9.14 लाख हेक्टेयर में हुई जबकि पिछले साल की समान अवधि में 8.33 लाख हेक्टेयर में बुवाई हुई थी। इस रबी सत्र में 25 नवंबर को सभी रबी फसलों के तहत कुल खेती का रकबा 7.21 प्रतिशत बढ़कर 358.59 लाख हेक्टेयर हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 334.46 लाख हेक्टेयर था।

**आयात पर कम होगी निर्भरता :** गेहूं का रकबा बढ़ना भारत के लिए उत्साहजनक है। इससे देश में गेहूं के निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटाया जा सकता है। भारत दुनिया में गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। साथ ही भारत दुनिया में गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा कंज्यूमर भी है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं की कीमत में काफी तेजी आई थी। इससे स्थानीय बाजार में भी गेहूं की कीमत बढ़ रही थी। इस कारण भारत ने गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगा दी थी। लेकिन इसके बावजूद गेहूं की कीमत में तेजी बनी रही। इसी तरह तिलहनी फसलों का रकबा बढ़ने से भारत को मलेशिया, इंडोनेशिया, ब्राजील, अर्जेंटीना, रूस और यूक्रेन जैसे देशों से खाद्य तेल का कम आयात करना पड़ेगा। भारत दुनिया में कुकिंग ऑयल का सबसे बड़ा आयातक है। पिछले वित्त वर्ष में भारत ने वेजिटेबल ऑयल के आयात तक रेकॉर्ड 18.99 अरब डॉलर खर्च किए थे।

## पैसिव फंड योजनाओं में बड़े फंडों का दबदब

मुंबई। ज्यादातर छोटे फंड हाउस पैसिव फंड योजनाओं से दूरी बनाए हुए हैं, भले ही उनके बड़े प्रतिस्पर्धियों ने इस क्षेत्र में अपना दबदबा बढ़ाने पर लगातार जोर दिया है। कुल 43 फंड हाउसों में से 18 द्वारा इक्विटी पैसिव फंड पेश किए जाने बाकी है, जिनमें केनरा रोबेको और पराग पारेख फाइनैंशियल एडवायजरी सर्विसेज (पीपीएफएएस) जैसी मझोले आकार की परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) शामिल हैं।

इसके कई कारण हैं। पहला, छोटी एएमसी अभी भी सक्रिय पेशकशें पूरी करने पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं, और दूसरा, वे इस पर जोर नहीं देतीं कि उन्हें अपनी योजनाएं लोकप्रिय कैसे बनानी हैं। यूनियन एएमसी के मुख्य कार्याधिकारी जी प्रदीपकुमार ने कहा, %हम पैसिव सेगमेंट में अपने लिए कोई अंतर नहीं देख रहे हैं। यदि पहले से ही निफ्टी 50 या निफ्टी नेक्स्ट 50 जैसे फंड मौजूद हैं तो समान पेशकशों के साथ आगे बढ़ने का क्या फायदा है। ऐक्टिव श्रेणी में, आप दूसरों से अलग हो सकते हैं, भले ही फंड श्रेणी समान हो।

दो श्रेणियों - इंडेक्स फंड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में विभाजित पैसिव फंड ऐसी सामान्य एमएफ योजनाएं हैं, जो अपने बेंचमार्क पर अमल करती हैं। निफ्टी 50 की तरह इंडेक्स फंड या ईटीएफ में भी समान शेयर और भारांक होते हैं। इसकी वजह से, प्रत्येक निफ्टी 50 इंडेक्स फंड, चाहे यह एएमसी ए से हो या एएमसी बी से, समान हैं।

प्रमुख 10 एएमसी का पैसिव क्षेत्र में दबदबा है। कुल मिलाकर, उनकी पैसिव एयूएम 4.2 लाख करोड़ रुपये की है, जो इंडेक्स फंडों में कुल पूंजी का 96 प्रतिशत और ईटीएफ में 4.4 लाख करोड़ रुपये है। यदि हम एसबीआई और यूटीआई एमएफ के निफ्टी-50 और सेंसेक्स ईटीएफ, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ के भारत 22 ईटीएफ और निप्पॉन इंडिया के सीपीएसई ईटीएफ से संबंधित संस्थागत होल्डिंग को अलग कर दें, तो पैसिव एयूएम में शीर्ष-10 एएमसी की भागीदारी 85 प्रतिशत पर बनी हुई है।

जहां छोटी एएमसी पैसिव योजनाओं से दूरी बनाए हुए हैं, वहीं मझोले आकार की एएमसी को अपने पैसिव फंडों में प्रवाह आकर्षित करने में संघर्ष करना पड़ा है। उदाहरण लिए, निफ्टी-50 सूचकांक के 3 फंडों और ईटीएफ में सिर्फ 9 1,000 करोड़ रुपये की एयूएम प करने में सफल रहे हैं और योजनाएं 6 प्रमुख एएमसी एसबीआई, यूटीआई, निप्पॉन इंडि एचडीएफसी, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल और कोटक से जुड़ी हैं। जेएलआर मनी के सह-संस्थाप एवं मुख्य निवेश रणनीतिकार विज मंत्री ने कहा, %जब उत्पाद पूरी त समान हों तो ग्राहकों में बड़े ब्रांड की ओर रुख करने की प्रवृत्ति देखी जा है।

एमएफ उद्योग में हाल में प्रवे करने वाला नवी म्युचुअल प पैसिव खंड में कुछ उपस्थिति साथ एकमात्र छोटे आकार एएमसी है। उसने लागत के मोर्चे स्वयं की खास पहचान बनाई है। 0.06 प्रतिशत के कम खर्च अनुप के साथ पैसिव फंड पेश करने वा पहला फंड हाउस है। 21 नवं तक, इस एएमसी के निफ्टी इंडेक्स फंड की एयूएम 571 कर रुपये थी, जो 35 सूचकांक फं और ईटीएफ में 14वां सर्वाधि आंकड़ा है।

### अक्टूबर 2021 में पहुंचा था उच्चतम स्तर पर

# लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ा भारत का विदेशी मुद्रा भंडार

**मुंबई।** विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर लगातार दूसरे सप्ताह अच्छी खबर मिली है। बीते 18 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 2.537 अरब डॉलर बढ़कर 547.252 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस महीने यह लगातार दूसरे सप्ताह है, जबकि इसमें वृद्धि हुई है।

**अगस्त 2021 के बाद सबसे तेज वृद्धि**

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) से मिली जानकारी के मुताबिक 18 नवंबर 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 547.252 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इससे पहले, 11 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 14.72 अरब डॉलर बढ़कर 544.72 अरब डॉलर तक पहुंचा था। अगस्त 2021 के बाद देश के विदेशी मुद्रा भंडार में इस सप्ताह सबसे तेज वृद्धि हुई है।

गौरतलब है कि अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाक्रम के बीच केंद्रीय बैंक के रुपये की

विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने की वजह से इसमें कमी आई है।

**एफसीए में भी हुई बढोतरी**

केंद्रीय बैंक ने कहा है कि 18 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा आस्तियां (FCA) 1.76 अरब डॉलर बढ़कर 484.288 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और जापानी येन जैसे गैर डॉलर मुद्रा के मूल्य में आई कमी या बढ़त के प्रभावों को दर्शाया जाता है।

**बढ़ा सोने का भंडार**

आलोच्य सप्ताह के दौरान अपने सोने के भंडार में भी बढ़ोतरी हुई। बीते 18 नवंबर को इसके मूल्य में 31.5 करोड़ डॉलर की वृद्धि हुई। इसके साथ ही अपना स्वर्ण भंडार 40.011 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

**एसडीआर भी बढ़ा**

आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (SDR) 35.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 17.906 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में रखा देश का मुद्राभंडार भी 11.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.047 अरब डॉलर हो गया।

## अमेरिका में थैंक्सगिविंग डे की ऑनलाइन बिक्री 5.3 अरब डॉलर तक पहुंची, मोबाइल शीर्ष पसंद

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका में थैंक्सगिविंग डे पर लोगों ने ऑनलाइन खरीदारी में 5.3 अरब डॉलर खर्च किए, जो पिछले साल की तुलना में 2.8 फीसदी अधिक है।

एडोब एनालिटिक्स के अनुसार, सभी ऑनलाइन खरीदारी में मोबाइल उपकरणों का हिस्सा 55 प्रतिशत है, जो एक साल पहले की तुलना में 8.3 प्रतिशत अधिक है।

एडोब डिजिटल इनसाइट्स के प्रमुख विश्लेषक विवेक पंड्या ने कहा, थैंक्सगिविंग इस साल एक मोड़ बिंदु बन गया है, जहां स्मार्टफोन ने वास्तविक विकास को गति दी और इस बात पर प्रकाश डाला कि इन अनुभवों में कितना सुधार हुआ है।

उपभोक्ताओं ने अक्टूबर में 72.2 अरब डॉलर ऑनलाइन खर्च किए, जो पिछले महीने की तुलना में 10.9 फीसदी अधिक है।

एडोब एनालिटिक्स के अनुसार, उपभोक्ताओं ने पिछले साल (अक्टूबर 2021 में 72.4 अरब डॉलर) खर्च किया था, जहां पहले के सौदों ने शुरुआती छुट्टियों की खरीदारी में तेजी ला दी थी।

उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रॉनिक्स और खिलौनों सहित श्रेणियों में सौदेबाजी द्वारा लुभाया गया, जहां क्रमशः 17 प्रतिशत और 15 प्रतिशत की उच्च छूट दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया, दुकानदारों ने टीवी (4 प्रतिशत), खेल के सामान (3 प्रतिशत) और फर्नीचर (2 प्रतिशत) जैसी श्रेणियों अधिक मामूली छूट के स कंप्यूटर (10 प्रतिशत) के लि अच्छे सौदे देखे हैं। एडोब उम्मीद है कि साइबर वीक आसपास अभी भी सबसे अ सौदे होंगे।

एडोब ने भविष्यवाणी की कि साइबर वीक इस सा ऑनलाइन खर्च में 34.8 अ डॉलर उत्पन्न करेगा, जो एक सा पहले की तुलना में 2.8 प्रतिश अधिक है।

एडोब डिजिटल इनसाइट्स वरिष्ठ निदेशक टेलर श्राइनर ने क मुद्रास्फीति के दबाव और उधार ले की बढ़ती लागत के बावजूद, इ साल शुरुआती छुट्टियों की खरीद में कोई गिरावट नहीं आई।

## एक नजर

### पीटीआई रैली का स्थान बदला

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को शुक्रवार को गैरीसन शहर में अपनी सार्वजनिक सभा के लिए अनुमति मिल गई थी, लेकिन उसने कार्यक्रम स्थल को फैजाबाद से मुर्री रोड पर रहमानाबाद में बदल दिया। इसके अलावा, पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान का हेलीकॉप्टर इस्लामाबाद प्रशासन द्वारा परेड ग्राउंड में उतरने की अनुमति देने से इनकार करने के बाद पीर मेहर अली शाह अरिद कृषि विश्वविद्यालय में उतरेगा। डॉन समाचार पत्र के मुताबित राजधानी प्रशासन गैरीसन शहर में सार्वजनिक सभा तक पहुँचने के लिए इस्लामाबाद में विभिन्न मार्गों का उपयोग करने के लिए पार्टी को दी गई एनओसी को रद्द करने पर विचार कर रहा है। रावलपिंडी के उपायुक्त शोएब अली ने डॉन को बताया कि प्रशासन ने पीटीआई को रहमानाबाद में जनसभा करने की अनुमति दी थी और आयोजन के लिए निर्धारित शर्तों को लागू करने का अनुरोध किया है। शुक्रवार को फैजाबाद के मुर्री रोड पर एक ट्रेलर खड़ा किया गया है।

### चीन में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 31,709 नए मरीज

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन में कोरोना का प्रसार थमने का नाम नहीं ले रहा। 26 नवंबर को जारी आंकड़ों के मुताबिक 24 घंटों में रिकॉर्ड 31,709 नए मरीज सामने आए हैं। एक दिन पहले गुरुवार को 32,943 मरीज मिले थे। देश में हालात बेहद गंभीर हो रहे हैं। इसके मद्देनजर बड़े पैमाने पर लोगों का परीक्षण किया जा रहा है। राजधानी बीजिंग में सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। कोरोना के ताजा आंकड़े ने 13 अप्रैल का पिछला रिकॉर्ड पार कर दिया है। इस वजह से राजधानी में बाहर से आने वाले लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगाई गई है। गुआंगझोऊ के बैयून में लॉक डाउन लगाया गया है।

### सिंगापुर में फांसी की सजा के खिलाफ तीन भारतीय मूल के मलेशियाई लोगों के आवेदन खारिज

**सिंगापुर, एजेंसी।** सिंगापुर हाई कोर्ट ने ड्रग मामलों में फांसी की सजा के खिलाफ तीन भारतीय मूल के मलेशियाई लोगों के आवेदन को खारिज कर दिया। सिंगापुर के जुमात मोहम्मद सईद और भारतीय मूल के मलेशियाई लिंगकेस्वरन राजेंद्रन, दचिनामूर्ति कटैया और समनाथन सेल्वाराजू ने कहा कि वकीलों ने उनका प्रतिनिधित्व नहीं किया। सिंगापुर हाई कोर्ट ने शुक्रवार को आवेदनों को खारिज करते हुए कहा है कि सभी ने संविधान के अनुच्छेद 9 और 12 का उल्लंघन किया है। हाई कोर्ट ने चारों को मौत की सजा 2015 और 2018 के बीच सुनाई थी। सजा के खिलाफ इन लोगों की संबंधित सभी अपीलों को 2016 और 2020 के बीच खारिज कर दिया गया था। न्यायमूर्ति वैलेरी थीन ने कहा कि आवेदन उनके आपराधिक मामलों में अदालत के अंतिम फैसले के बाद से अपेक्षित तीन महीने की अवधि के बाहर दायर किया गया था।

### जर्मनी और फ्रांस ने एक दूसरे की मदद करने का संकल्प लिया

**बर्लिन, एजेंसी।** यूक्रेन में युद्ध के बीच रूस से आपूर्ति बंद होने के बाद संभावित ऊर्जा संकट को रोकने के लिए जर्मनी और फ्रांस ने एक दूसरे को पारस्परिक सहायता प्रदान करने का संकल्प लिया है। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज और फ्रांसीसी प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने शुक्रवार को एक संयुक्त समझौते पर हस्ताक्षर किये जिसके तहत जर्मनी फ्रांस को बिजली प्रदान करेगा जबकि बदले में अत्यावश्यक प्राकृतिक गैस प्राप्त करेगा। समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बर्लिन में आयोजित एक कार्यक्रम में शोल्ज ने कहा, मित्र जरूरत के समय एक दूसरे की मदद करते हैं। वहीं बोर्न ने कहा कि दोनों यूरोपीय देशों के बीच मित्रता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ह्यह्यह पहले ही साबित हो चुका है कि यह (मित्रता) चुनौतियों का सामना कर सकती है।

### ताइवान में मतदान के लिए उम्र कम करने, मेयर और नगर परिषदों के वास्ते मतदान

**ताइपे, एजेंसी।** ताइवान में स्थानीय निकायों के चुनाव के लिये शनिवार को मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं का पहुंचना शुरू हो गया था। इन चुनावों को 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले द्वीप के प्रमुख राजनीतिक दलों के लिए शक्ति परीक्षण के तौर पर देखा जा रहा है। ताइवान के नागरिक मतदान के जरिये सभी 13 क्षेत्रों (काउंटी) और नौ शहरों में अपने मेयर, नगर परिषद के सदस्यों तथा अन्य स्थानीय नेताओं का चुनाव करेंगे। इस मतदान के जरिये यह रायशुमारी भी कराई जा रही है कि मतदाताओं की न्यूनतम उम्र को क्या 20 वर्ष से घटाकर 18 किया जाए। मतदान स्थानीय समयानुसार शनिवार को सुबह आठ बजे शुरू हुआ। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों और सत्तारूढ़ दल ने जहां चुनावों को ताइवान के पड़ोसी देश से अस्तित्व के दीर्घकालिक खतरे से जोड़ने का प्रयास किया है, वहीं कई स्थानीय विशेषज्ञों को नहीं लगता कि इस बार चीन की कोई बड़ी भूमिका है। नेशनल ताइवान यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर येह-लिह वांग ने कहा, ह्लअंतरराष्ट्रीय संस्था ने बहुत कुछ दांव पर

# तोकायेव ने कजाख राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ

**अस्ताना, एजेंसी।** कजाकिस्तान में हाल ही में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने वाले श्री कासिम-जोमार्ट टोकायव ने देश की जनता के नाम पर शपथ ली और शनिवार को देश के प्रमुख का पद ग्रहण किया।

श्री तोकायेव ने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कहा,ह्लमैं कजाकिस्तान के लोगों की ईमानदारी से सेवा करने, कजाकिस्तान के संविधान और कानूनों का सख्ती से पालन करने, नागरिकों के अधिकारों एवं स्वतंत्रता की गारंटी देने, कजाकिस्तान के राष्ट्रपति के उच्च कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने की शपथ लेता हूं।

इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि पर्यवेक्षकों, विशेषज्ञों और पत्रकारों के अनुसार कजाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव निष्पक्ष और खुले तौर पर आयोजित किया गया था।

कजाख नेता ने कहा, लोगों की गतिविधि विशेष रूप से अधिक थी। कुछ नागरिक अपने पूरे परिवार के साथ

मतदान केंद्रों पर आए।

श्री तोकायेव ने कजाख संविधान में संशोधन की भी बात कही जो देश के राष्ट्रपति के चुनाव को सात साल के कार्यकाल के लिए फिर से चुनाव के अधिकार के बिना प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह सत्ता में नई पीढ़ी के राजनेताओं के उभरने की दिशा में एक कदम है।

श्री तोकायेव ने कहा, कजाकिस्तान अपने विकास के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। हमारे द्वारा शुरू किए गए बड़े पैमाने के परिवर्तनों ने मूलभूत परिवर्तनों का आधार तैयार किया है।

कजाकिस्तान के राष्ट्रपति के अनुसार, इस तरह के बदलावों ने लोगों के उज्जवल भविष्य के प्रति विश्वास को भी मजबूत किया है।

शपथ ग्रहण समारोह अस्ताना में पैलेस ऑफ इंडिपेंडेंस में हुआ और इसमें कजाकिस्तान के पहले राष्ट्रपति नूरसुल्तान नजरबायेव, सरकार और संसद के सदस्य, देश में मान्यता प्राप्त राजनयिक कोर और जनता के प्रतिनिधि शामिल हुए।

कजाख कानून के अनुसार, यदि एक राज्य का प्रमुख एक प्रारंभिक चुनाव में चुना जाता है, तो मतदान के परिणाम जारी होने के एक महीने के भीतर शपथ ली जाती है। परिणामों की घोषणा के चौथे दिन श्री तोकायेव ने शपथ ली।

कजाकिस्तान ने 20 नवंबर को प्रारंभिक राष्ट्रपति चुनाव आयोजित किया। छह लोगों को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में पंजीकृत किया गया था, जिनमें राज्य के मौजूदा मुखिया श्री तोकायेव भी शामिल थे। उन्होंने 81.31 प्रतिशत वोटों के साथ चुनाव जीता। कुल मतदान 69.44 फीसदी तक हुआ था।

## पशु नमूने में सफल परीक्षण ने सार्वभौमिक फ्लू टीके की रणनीति का मार्ग प्रशस्त किया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** इन्फ्लूएंजा वायरस के सभी 20 ज्ञात स्वरूपों की रोकथाम के लिए बनाया गया एक प्रयोगात्मक एमआरएनए-आधारित टीका प्रारंभिक परीक्षणों में घातक फ्लू स्वरूपों से व्यापक सुरक्षा प्रदान करने में कारगर साबित हुआ है। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है।

अमेरिका के पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय में शोधकताओं ने कहा कि यह टीका भविष्य में फ्लू महामारी के खिलाफ एक सामान्य निवारक कदम के रूप में उपयोगी साबित हो सकता है। अध्ययन के अनुसार, जानवरों के नमूनों में किए गए परीक्षणों से पता चला है कि जब इन जानवरों को उन फ्लू स्वरूपों के संपर्क में लाया गया, जिनका टीका बनाते समय इस्तेमाल नहीं हुआ था, तो भी इस टीके ने बीमारी के लक्षणों को कम किया और मौत से बचाव किया।

इस अध्ययन को 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित किया गया। अध्ययन में बताया गया है कि शोधकताओं ने उसी 'मैसेंजर राइबोन्यूक्लिक एसिड' (एमआरएनए) तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसका इस्तेमाल फाइजर और मोडर्ना सार्स-सीओवी-2 टीकों में किया गया था।

अध्ययन के वरिष्ठ लेखक स्कॉट हेन्सले ने कहा, इस टीकों को बनाने का मकसद एक ऐसा टीका विकसित करना है, जो लोगों को फ्लू के विभिन्न स्वरूपों से लड़ने के लिए एक आधारभूत स्तर की रोग प्रतिरोधी क्षमता प्रदान करे ताकि अगली फ्लू महामारी होने पर उनका बचान किया जा सके।

इन्फ्लुएंजा वायरस समय-समय पर महामारी का कारण बनते हैं और इनसे बड़ी संख्या में लोगों की मौत होती है।

## श्रीलंका के तमिल राजनीतिक दल नये संविधान में स्वायत्ता के लिए जोर देंगे

**कोलंबो, एजेंसी।** श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से वार्ता का न्योता मिलने के बाद तमिल अल्पसंख्यक राजनीतिक दल संघीय व्यवस्था की अपनी मांग, एक तमिल राष्ट्रीय गठबंधन(टीएनए) सहित तीन सूत्री 'फामूर्ला' का प्रस्ताव रखने के लिए सहमत हो गये हैं। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

द्वीपीय देश के पूर्वी और उत्तरी इलाकों में जनाधार रखने वाले सभी तमिल राजनीतिक दलों ने शुक्रवार को 89 वर्षीय टीएनए नेता राजावरोतियम सम्पंथन के आवास पर बैठक की। इसका उद्देश्य देश में अल्पसंख्यक समुदाय के लिए राजनीतिक स्वायत्ता की मांग के सिलसिले में अगले महीने प्रस्तावित विक्रमसिंघे की सर्वदलीय बैठक में संघीय व्यवस्था पर जोर देना है।

शुक्रवार की बैठक में जो 'फामूर्ला' तय किया गया, उसमें नये संविधान में तमिल क्षेत्रों का विकेंद्रीकरण करने सहित रूकी पड़ी प्रांतीय परिषद के चुनाव कराना और तमिलों की भूमि कथित तौर पर सरकार द्वारा हड़पने को रोका जाना शामिल है। टीएनए सूत्र ने बताया कि राजनीतिक दल राष्ट्रपति से मिलने से पहले फिर से बैठक करेंगे। विक्रमसिंघे ने बुधवार को सभी राजनीतिक दलों को वार्ता के लिए बुलाया था, जिसका उद्देश्य अगले साल चार फरवरी तक तमिल जातीय मुद्दे का समाधान करना है। विक्रमसिंघे ने संसद में कहा था कि वह 11 दिसंबर के बाद बैठक करने को इच्छुक हैं।

# वन्यजीव सम्मेलन से शार्क और कछुओं के संरक्षण को बढ़ावा मिला

**पनामा, एजेंसी।** अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव सम्मेलन में शार्क, कछुओं, छिपकलियों और मेढकों की सुरक्षा के लिए कुछ अहम नियम बनाने की दिशा में कदम उठाये गये। इन जीवों की संख्या उनका व्यापार किये जाने के कारण घटती जा रही है। वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन (सीआईटीईएस) शुक्रवार को पनामा में संपन्न हुआ।

संयुक्त राष्ट्र वन्यजीव सम्मेलन ने पांच सौ से अधिक प्रजातियों की सुरक्षा के साथ ही हाथीदांत व्यापार को फिर खोलने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। हाथीदांत व्यापार पर 1989 में पाबंदी लगा दी गयी थी।

वाइल्डलाईफ कंजर्वेशन सोसायटी की अंतरराष्ट्रीय नीति उपाध्यक्ष सुसैन लीबरमैन ने कहा, सीआईटीईएस से अच्छी खबर, वन्यजीव के लिए अच्छी खबर है क्योंकि यह संधि अंतरराष्ट्रीय संरक्षण के स्तंभों में एक है और पुख्ता तौर पर यह सुनिश्चित करेगा कि विभिन्न देश जैविक विविधता विघटन, जलवायु परिवर्तन और महामारियों के वैश्विक अंतसंबंधित संकटों का मुकाबला करने के लिए एकजुट हों।

उन्होंने कहा, यहां स्वीकार किये गये कई प्रस्ताव यह परिलक्षित करते हैं कि संसाधनों का अत्यधिक दोहन, असंपोषणीय व्यापार एवं अवैध व्यापार हो रहा है तथा उनमें से कुछ की वजह जलवायु परिवर्तन, बीमारी, बुनियादी ढांचा विकास एवं पयार्वास के पहुंचे नुकसान आदि हैं, जिनके फलस्वरूप वन्यजीव प्रजातियों की संख्या घट रही है।

वाशिंगटन डीसी में 49 साल पहले स्वीकार की गयी अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव व्यापार संधि की हाथीदांत और गैंडों के सींग तथा व्हेल एवं समुद्री कछुओं के अवैध एवं असंपोषणीय व्यापार पर रोकथाम में मदद पहुंचाने को लेकर तारीफ की गयी। लेकिन कुछ सीमाओं के चलते बाद में उसकी आलोचना की गयी। इस साल की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक शार्क की 90 से अधिक प्रजातियों को संरक्षण प्रदान करना है।

# नेपाल में सत्ताधारी गठबंधन की चुनाव में बढ़त जारी

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन ने शनिवार को नेपाल के संसदीय चुनाव में अपनी बढ़त बनाए रखी। अभी तक 148 सीट के परिणाम घोषित हुए हैं जिनमें से नेपाली कांग्रेस ने 77 सीट पर जीत हासिल की है। देश की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा की 165 सीट का चुनाव प्रत्यक्ष मतदान से होता है, जबकि शेष 110 सीट का चुनाव आनुपातिक चुनाव प्रणाली के जरिये होता है। सदन में स्पष्ट बहुमत हासिल करने के लिए किसी पार्टी या गठबंधन को 138 सीट की जरूरत होती है।

नेपाली कांग्रेस ने प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली के तहत अकेले 48 सीट जीती हैं। इसके सहयोगी दल सीपीएन-माओवादी सेंटर और सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट ने 16 तथा 10 सीट जीती हैं। लोकतांत्रिक समाजवादी और राष्ट्रीय जनमोर्चा को क्रमशः दो और एक सीट

मिली है। ये सभी सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा हैं। पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल नीत विपक्षी गठबंधन को 46 सीट मिली हैं। सीपीएन-यूएमएल की सहयोगी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी ने क्रमशः पांच और तीन सीट जीती हैं।

नवगठित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने सात सीट पर जीत हासिल की है। नागरिक उन्मुक्ति पार्टी, नेपाल वर्कर्स एंड पीजेंट्स पार्टी और जनमत पार्टी को क्रमशः 3, 1 और 1 सीट मिली हैं। निर्दलीय और अन्य को 13 सीट मिली हैं। प्रतिनिधि सभा और सात प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव रविवार को हुए थे। मतों की गिनती सोमवार को शुरू हुई थी।

# नासा का ओरियन कैप्सून चंद्रमा के चारों ओर विहंगम कक्षा में पहुंचा

**केप कैनवेरल (अमेरिका), एजेंसी।** अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का ओरियन कैप्सूल चंद्रमा के चारों ओर हजारों मील की दूरी तक फैली एक विहंगम कक्षा में प्रवेश कर गया है। कैप्सूल और इसमें रखी तीन परीक्षण डमी ने प्रक्षेपण के एक सप्ताह से अधिक समय बाद चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया। यह लगभग एक सप्ताह तक इस व्यापक लेकिन स्थिर कक्षा में रहेगा।

यह शुक्रवार तक पृथ्वी से 2,38,000 मील (3,80,000 किलोमीटर) दूर था और इसके आगामी कुछ दिन में करीब 2,70,000 मील (4,32,000 किलोमीटर) की अधिकतम दूरी पर पहुंच जाने की उम्मीद है। यह लोगों को ले जाने के लिए बनाए गए कैप्सूल द्वारा तय की गई दूरी का नया रिकॉर्ड बनाएगा।

ओरियन के प्रबंधक जिम जेफ्रे ने कहा, इसका मकसद आगे जाने के लिए खुद को चुनौती देना, लंबे समय तक बने रहना तथा जो हमने पहले खोजा है उसकी सीमा से आगे बढ़ना है। पचास साल पहले नासा के अपोलो कार्यक्रम के बाद से यह पहली बार है जब कोई कैप्सूल चंद्रमा पर पहुंचा है और चार अरब डॉलर की लागत वाली यह परीक्षण उड़ान काफी महत्वपूर्ण है।

कैप्सूल ने 16 नवंबर को फ्लोरिडा स्थित केनेडी अंतरिक्ष केंद्र से नासा के अब तक के सर्वाधिक शक्तिशाली रॉकेट के जरिए उड़ान भरी थी। इस मिशन के सफल होने पर नासा 2024 में अंतरिक्ष यात्रियों को चांद के आसपास भेजने के मिशन को अंजाम देगा। इसके बाद नासा 2025 में एक यान को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतारने की कोशिश करेगा।

# ब्राजील: हमलावर किशोर ने दो स्कूलों में दागी गोलियां, तीन की मौत और 11 घायल

**ब्रासीलिया, एजेंसी।** ब्राजील में दो स्कूलों में ताबड़तोड़ गोलीबारी कर तीन लोगों की हत्या कर दी गयी। बुलेटप्रूफ जैकेट पहने हमलावर ने दोनों स्कूलों में गोलियां चलाईं, जिसमें 11 लोग घायल भी हुए हैं।

दक्षिण-पूर्वी ब्राजील के एस्पिरिटो सैंटो राज्य की राजधानी विटोरिया से लगभग 80 किमी उत्तर स्थित छोटे से कस्बे अराक्रूज में स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे सैन्य पोशाक पहन कर आए किशोर ने दो स्कूलों को निशाना बनाया। हमलावर किशोर ने बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखा था। वह बंदूक लहराते हुए पहले एक सरकारी स्कूल में घुसा और वहां जमकर फायरिंग की। इसके बाद उसने उसी मार्ग पर स्थित एक निजी स्कूल का रुख किया और वहां भी गोलियां बरसाईं।

इस गोलीबारी में दो शिक्षकों व एक छात्र की मौत हो गयी। 11 अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। एक घायल व्यक्ति को हेलिकॉप्टर से अराक्रूज से साठ किलोमीटर दूर स्थित

शहर सेरा ले जाना पड़ा। स्कूलों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज में हमलावर पिस्तौल लिये दिख रहा है।

एस्पिरिटो सैंटो राज्य के गवर्नर रेनाटो कासाग्रांडे ने राज्य में तीन दिनों के शोक की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि हमलावर किशोर मनोरोगी है और उसका मनोचिकित्सक से इलाज चल रहा था। गवर्नर ने ट्वीट कर कहा कि मामले की जांच जारी रखी जाएगी और जल्द ही और अधिक जानकारी जुटाई जाएगी।

एस्पिरिटो सैंटो के सार्वजनिक सुरक्षा सचिव मर्सियो सेलांटे ने इस मामले में वीडियो भी जारी किया है। उसमें साफ दिख रहा है कि हमलावर ने सरकारी स्कूल का ताला तोड़ कर शिक्षकों के लाउंज में प्रवेश किया।

हाल ही में ब्राजील के राष्ट्रपति चुने गए लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने इसे बेतुकी त्रासदी करार दिया है। उन्होंने मामले की जांच और दो प्रभावित स्कूलों के आसपास के समुदायों को सांत्वना देने के लिए गवर्नर कासाग्रांडे को अपना पूरा समर्थन देने की बात कही।

## अपनी जान पर खतरे के बावजूद लांग मार्च को संबोधित करने के लिए अडिग हूं : इमरान खान

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि अपनी जान पर खतरे के बावजूद वह शनिवार को उनकी पार्टी द्वारा पूर्व निर्धारित विशाल रैली को संबोधित करने रावलपिंडी जाने के लिए अडिग हैं। उन्होंने यह कहते हुए लोगों से इस रैली में रावलपिंडी पहुंचने का आह्वान किया कि यह देश के लिए 'निर्णायक वक्त' है।

खान रावलपिंडी में अपने समर्थकों को संबोधित करने वाले हैं। उन्होंने कहा है कि नए आम चुनाव की मांग को लेकर उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) का यह प्रदर्शन 'पूरी तरह शांतिपूर्ण' होगा। गत तीन नवंबर को खान पर जानलेवा हमला हुआ था और उन्हें गोली लगी थी। वह फिलहाल स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। डॉन अखबार के अनुसार, खान (70) ने शुक्रवार को कहा कि घायल होने के बावजूद वह देश की खातिर रावलपिंडी जाने के लिए अडिग हैं।

जियो न्यूज चैनल के अनुसार खान ने कहा, कल (मैं)

रावलपिंडी जा रहा हूं क्योंकि यह देश के लिए निर्णायक वक्त है। हम एक ऐसा देश बनना चाहते हैं जिसके सपने कायदे आजम और अल्लामा इकबाल ने देखे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके ऊपर अब भी खतरा है लेकिन वह एहतियात बरतेंगे। पीटीआई की पंजाब इकाई ने लांग मार्च की अपनी तैयारी पूरी कर ली है और उसने योजना बनाई है कि रावलपिंडी की ओर अलग-अलग दो काफिले कूच करेंगे।

इस बीच, गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने शुक्रवार को कहा कि रैली की कोई तुक नहीं है और खान को इसमें शामिल नहीं होना चाहिए क्योंकि उनकी जान को खतरा है।

## एक नजर

### विश्व टीम शतरंज : भारत कांस्य पदक के प्लेऑफ में स्पेन से हारा

**यरूशलम, एजेंसी।** भारत को शनिवार को यहां फिडे विश्व टीम शतरंज चैम्पियनशिप में दो दौर के कांस्य पदक प्लेऑफ के टाई रहने के बाद स्पेन से टाईब्रेक में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों दौर में टीमों ने 2-2 से ड्रा खेला। लेकिन जेमी सांतोस लातासा और डेविड एंटन गुईजारो ने क्रमशः विदित संतोष गुजराती और निहाल सरीन को ह्यब्लिट्ज टाई ब्रेकह्ल में हराकर स्पेन को बढ़त दिलायी। अन्य बाजियों में एस एल नारायणन ने एलेक्सेई शिरोव से ड्रा खेला और अभिजीत गुप्ता ने मिगुएल सांतोज रूईज से अंक बांटे। इसेस स्पेन ने शनिवार को 3-1 के अंतर से जीत दर्ज की। पहले दौर में गुजराती ने सांतोस लातासा से जबकि सरीन ने गुईजारो से अंक बांटे। नारायणन और दानिल युफा तथा गुप्ता और सांतोस रूईज के बीच मुकाबले भी ड्रा रहे। दूसरे दौर में यही नतीजा रहा, सभी चारों बोर्ड पर इन्हीं खिलाड़ियों ने ड्रा खेले। स्पेन ने टाईब्रेक में 4-2 की जीत से टीम प्रतियोगिता में पहला पदक जीता।

### इमरान ख्वाजा दोबारा बने आईसीसी के उपाध्यक्ष

**दुबई, एजेंसी।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इमरान ख्वाजा को दो साल के कार्यकाल के लिए संगठन के उपाध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त करने की घोषणा की है। आईसीसी ने एक बयान में कहा,अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दो साल के कार्यकाल के लिए इमरान ख्वाजा को उपाध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त किया है। ख्वाजा वर्तमान में आईसीसी में एक एसोसिएट सदस्य निदेशक के रुप में कार्यरत हैं। ख्वाजा पहली बार 2008 में आईसीसी बोर्ड के लिए चुने गए थे और 2017 से डिप्टी चेयरमैन के रूप में कार्य कर रहे हैं। इससे पहले नवंबर में, आईसीसी बोर्ड ने सर्वसम्मति से ग्रेग बार्कले को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का दोबारा दो साल के कार्यकाल के लिए स्वतंत्र अध्यक्ष चुना था। बार्कले निर्विरोध चुने गए थे। बार्कले ने अपनी पुनर्नियुक्ति पर कहा था, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुना जाना एक सम्मान की बात है और मैं अपने साथी आईसीसी निदेशकों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। ऑकलैंड स्थित एक व्यावसायिक वकील, बार्कले को मूल रूप से नवंबर 2020 में आईसीसी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। वह पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के अध्यक्ष थे और आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2015 के निदेशक थे।

### क्रोएशिया को हराकर 19 साल बाद डेविस कप के फाइनल में पहुंचा ऑस्ट्रेलिया

**मलागा, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया ने 2021 फाइनलिस्ट क्रोएशिया को एक रोमांचक मुकाबले में हराकर 19 साल बाद डेविस कप के फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने बेतहाशा जश्न मनाया। पहले सेमीफाइनल मुकाबले में बोर्ना कोरिक ने ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी थानासी कोकिनाकिस को 6-4,6-3 से हराकर क्रोएशिया को 1-0 से आगे कर दिया। लेकिन इसके बाद दूसरे सेमीफाइनल में एलेक्स डी मिनौर ने मारिन सिलिच को 6-2, 6-2 से हराकर ऑस्ट्रेलिया को 1-1 से बराबरी दिला दी। थॉम्पसन और परसेल की जोड़ी ने इसके बाद युगल मुकाबले में निकोला मेक्टिक और मेट पाविक के खिलाफ 6-7 (3), 7-5, 6-4 से जीत दर्ज के 19 साल बाद फाइनल में जगह बनाई। रविवार को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना कनाडा या इटली से होगा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान लेटन हेविट ने अपनी टीम की जीत के बाद, यह एक लंबा समय रहा है। जाहिर है, हम एक बहुत ही गर्वित डेविस कप देश हैं। मैं इन लड़कों के लिए रोमांचित हूं, वे वहां जाने और डेविस कप के फाइनल में खेलने का मौका पाने के लायक हैं, और अब यह है रविवार को होने जा रहा है।

### डेविस कप : क्रोएशिया को 2-1 से हराकर आस्ट्रेलिया फाइनल में

**मलागा (स्पेन), एजेंसी।** आस्ट्रेलिया ने क्रोएशिया को 2-1 से हराकर 19 साल में पहली बार डेविस कप फाइनल में प्रवेश किया। आस्ट्रेलिया ने अपना 28वां और अंतिम खिताब 2003 में जीता था। लेटन हेविट की टीम शुक्रवार को पहला एकल गंवाने के बाद वापसी करने में सफल रही। फिर आस्ट्रेलिया की युगल जोड़ी ने निर्णायक मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल की। आस्ट्रेलिया के लिये 1999 से 2018 तक रिकॉर्ड 43 डेविस कप मुकाबले खेल चुके हेविट ने कहा, मुझे बहुत गर्व है। आस्ट्रेलिया का इस प्रतियोगिता में वास्तव में शानदार इतिहास है। बार्ना कोरिच ने थानासी कोकिनाकिस को 6-4, 6-3 को हराकर क्रोएशिया को आगे कर दिया था। लेकिन एलेक्स डि मिनॉर ने मारिन सिलिच को 6-2, 6-2 से हराकर अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया। जिससे युगल मुकाबला निर्णायक हो गया। जोर्डन थॉम्पसन और मैक्स पुर्सेल की जोड़ी ने निकोला मेकटिच और माटे पाविच की जोड़ी को 6-7, 7-5, 6-4 से हराकर अपनी टीम की सेमीफाइनल जीत सुनिश्चित की। डि मिनॉर ने कहा, टीम यही होती है जो कभी हार नहीं मानने वाला इरादा रखती है। दूसरे सेमीफाइनल में कनाडा का सामना शनिवार को इटली से होगा।

# श्रृंखला बचाने के लिये भारतीय बल्लेबाजी को बदलना होगा 'पावरप्ले' में खेलने का रवैया

**हैमिल्टन, एजेंसी।** भारतीय टीम जब रविवार को यहां 'करो या मरो' के दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी तो उम्मीद करेगी कि कप्तान शिखर धवन और युवा शुभमन गिल 'पावरप्ले' ओवरों में बेहतर रवैया अपनायें।

सेडोन पार्क तीनों ओर से खुला मैदान है लेकिन न्यूजीलैंउ में बल्लेबाजों के लिये सबसे मददगार मैदानों में से एक के रूप में मशहूर है जिसमें बल्लेबाजों को अपने शॉट के लिये उचित रन मिलेंगे।

पहले वनडे में धवन (77 गेंद में 72 रन) और गिल (65 गेंद में 50 रन) ने पहले विकेट के लिये 123 रन की भागीदारी निभायी थी लेकिन ईडन पार्क जैसे छोटे मैदान पर सात विकेट पर 306 रन का स्कोर कम से कम 40 रन से कम रहा।

गेंदबाजों ने महज 47 ओवर में ये रन गंवा दिये जिससे जिम्मेदारी मुख्य बल्लेबाजों पर ही आ जाती है क्योंकि अगर वाशिंगटन सुंदर ने शानदार योगदान नहीं दिया होता तो भारत 300 रन के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाता।

यह काफी हद तक पहले 10 पावरप्ले ओवरों में भारतीय सलामी बल्लेबाजों के सतर्कता भरे दृष्टिकोण की बदौलत ही हुआ जिसमें जरूरत के मुताबिक रन नहीं बने।

मोईन अली ने हाल में एक साक्षात्कार में कहा था कि जो टीमें पहले सफेद गेंद के क्रिकेट में आस्ट्रेलिया के तरीके को अपनाती थीं अब वे इंग्लैंड की ओर देखने लगी हैं जिसने हाल के दिनों में इस प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया है।

भारतीय टीम इसी में पिछड़ रही है और ऑकलैंड में टीम पहले पावरप्ले ओवर में कम से कम 40 रन से पिछड़ी।

एक और आंकड़े से भारतीय शीर्ष क्रम बल्लेबाजों के सीमित ओवर के प्रारूप में रवैये

का पता चलता है (इसमें सिर्फ रोहित शर्मा, केएल राहुल या विराट कोहली ही शामिल नहीं हैं)। धवन ने 77 गेंद में 72 रन बनाये जिसमें 13 चौके जड़े थे। जिससे उन्होंने 13 गेंदों में चौकों से 52 रन जोड़े। जबकि बचे हुए 20 रन के लिये उन्होंने 64 गेंद खेली और इसमें से 44 'डॉट' गेंद रहीं क्योंकि वह पावरप्ले में रन नहीं बना पा रहे थे।

जहां कप्तान एक ओर जूझ रहा था, वहीं गिल ने एक और अर्धशतक जड़कर अपने कुल औसत को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया लेकिन उनकी पारी की रफ्तार भी बहस का विषय है।

उन्होंने 65 गेंद में 50 रन बनाये जिसमें तीन छक्के और एक चौका जड़ा था। मतलब चार गेंद में 22 रन बने। उन्होंने बाकी के 28 रन 61 गेंद खेलकर बनाये।

पारी की नींव तैयार करने और तेजी से रन जुटाने का काम अंत की ओर छोड़ने के इसी रवैये से भारत ने टी20 विश्व कप गंवा दिया लेकिन हैरानी की बात है कि इस श्रृंखला के लिये वनडे में खिलाड़ियों के बदलने के बावजूद बल्लेबाजी दृष्टिकोण वही पुराना वाला बना हुआ है।

पारी का आगाज करने के लिये इतने सारे खिलाड़ी मशक्कत कर रहे हैं तो यह निहायत ही जरूरी है कि खिलाड़ी तेजी से रन जुटाये ताकि 50 ओवर के विश्व कप से तीन या चार महीने पहले नये चयनकर्ता पूल की 20 के करीब छंटनी करें तो रन की संख्या की अनदेखी नहीं की जा सकती।

धवन निश्चित रूप से अगले महीने बांग्लादेश में रोहित के साथ पारी का आगाज करेंगे और कोई गारंटी नहीं है कि शुभमन अंतिम एकादश में अपना स्थान बरकरार रख पायेंगे क्योंकि रोहित सलामी बल्लेबाज के तौर पर वापसी करेंगे। केएल राहुल मध्यक्रम में सूर्यकुमार यादव (अगली श्रृंखला के लिये आराम दिये जाने पर) का स्थान ले सकते हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की तुलना में वनडे में ऋषभ पंत का स्ट्राइक रेट और औसत काफी बेहतर है लेकिन इस श्रृंखला के उप कप्तान को और अधिक निरंतर रहने की जरूरत है ताकि विकेटकीपिंग के लिये संजू सैमसन और ईशान किशन से आगे रह सकें जो निश्चित रूप से उनके करीब हैं।

ईडन पार्क की पिच पर भारतीय तेज गेंदबाजों ने काफी कम गेंदबाजी की है। उन्हें टॉम लैथम और केन विलियमसन से मुकाबला करने के लिये तरीका ढूंढने की जरूरत है। ये दोनों खिलाड़ी इस प्रारूप में भारत के खिलाफ काफी निरंतर रहे हैं।

उमरान मलिक 145 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने में प्रभावी रहे, अर्शदीप सिंह स्विंग हासिल करने की काबिलियत के बावजूद जूझते दिखे और शारदुल ठाकुर भी अच्छा नहीं कर पाये।

टॉस भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा क्योंकि सेडोन पार्क पर शाम होते होते बल्लेबाजी करना आसान हो जाता है।

अगर भारतीय टीम लक्ष्य का पीछा करती है तो उनके लिये अच्छा होगा क्योंकि स्पिनरों को शाम में ओस की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। देखना होगा कि युजवेंद्र चहल की जगह कुलदीप यादव को आजमाया जाता है या नहीं।

#### टीमें इस प्रकार हैं :

**भारत:** शिखर धवन (कप्तान), शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), दीपक हुड्डा, शाहबाज अहमद, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, दीपक चाहर, अर्शदीप सिंह, शार्दुल ठाकुर और उमरान मलिक।

**न्यूजीलैंड:** केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलेन, डेविन कॉनवे, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, टिम साउदी, मैट हेनरी, एडम मिल्ने, जिमी नीशाम, मिशेल सैंटनर और लॉकी फर्ग्यूसन।

मैच भारतीय समयानुसार सुबह सात बजे शुरू होगा।

## भारत यदि यहां नहीं आता, तो हम भी वहां नहीं जायेंगे : रमीज

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने कहा है कि अगर भारत अगले साल पाकिस्तान में होने वाले एशिया कप में हिस्सा नहीं लेगा तो पाकिस्तान भी विश्व कप 2023 के लिये भारत का दौरा नहीं करेगा। रमीज ने शुक्रवार को पाकिस्तानी मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारी स्थिति स्पष्ट है कि यदि वे (भारतीय टीम) आते हैं, तो हम विश्व कप में जाएंगे, यदि वे नहीं आते हैं तो उन्हें ऐसा करने दें। उन्हें पाकिस्तान के बिना खेलने दो। अगर पाकिस्तान अगले साल भारत में होने वाले विश्व कप में भाग नहीं लेता है, तो उसे कौन देखेगा? उन्होंने कहा, हमारी टीम प्रदर्शन कर रही है। हमने दुनिया में सबसे ज्यादा पैसा कमाने वाली टीम को हरा दिया है, हम टी20 विश्व कप का फाइनल खेल चुके हैं। मैंने हमेशा कहा है कि हमें पाकिस्तान क्रिकेट की अर्थव्यवस्था में सुधार करना है और यह तभी होगा जब हमारी टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। हमने 2021 टी20 विश्व कप में यह कर दिखाया है। हमने भारत को एशिया कप में हराया, पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने एक साल में दो बार अरबों डॉलर की अर्थव्यवस्था वाले बोर्ड को हराया है। उल्लेखनीय है कि 2023 एशिया कप का आयोजन अगले साल पाकिस्तान में होगा, जिसके बाद भारत एकदिवसीय विश्व कप की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान ने इससे पहले 2009 में भी एशिया कप की मेजबानी की थी। वर्ष 2009 में लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में मैच के दौरान श्रीलंका टीम पर हुए आतंकवादी हमले के बाद दुनिया भर की टीमों ने पाकिस्तान का दौरा करना बंद कर दिया।

## मेजबान कतर की विश्व कप टीम का 'शो' खत्म

**दोहा, एजेंसी।** मेजबान कतर का फीफा विश्व कप में सफर खाड़ी देश में फुटबॉल के सबसे बड़े टूनार्मेंट को लांच करने के एक हफ्ते के अंदर ही खत्म हो गया।

कतर को शुक्रवार को विश्व कप में सेनेगल से 1-3 की हार से लगातार दूसरी पराजय झेलनी पड़ी और उसकी टूनार्मेंट से बाहर होने की पुष्टि कुछ घंटों बाद ही हो गयी जब नीदरलैंड और इक्वाडोर ने ग्रुप ए के एक अन्य मैच में 1-1 से ड्रा खेला।

इससे कतर विश्व कप के 92 वर्ष के इतिहास में इतनी जल्दी बाहर होने वाला पहला मेजबान देश बन गया। कतर अंतिम 16 के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकता, भले ही नीदरलैंड के खिलाफ ग्रुप

के अंतिम मैच का नतीजा कुछ भी हो।

दक्षिण अफ्रीका 2010 में ग्रुप चरण से ही बाहर होने वाली एक अन्य मेजबान टीम रही है लेकिन वह कम से कम एक जीत और एक ड्रा खेलने में सफल रही थी।

कतर के कोच फेलिक्स सांचेज ने अपनी टीम के आधिकारिक रूप से बाहर होने से पहले कहा, अगर आपने इस टूनार्मेंट में हमारे बहुत आगे तक पहुंचने की उम्मीद की थी तो यह निराशाजनक होगा। हमारा लक्ष्य प्रतिस्पर्धी होना था।

कतर की टीम भले ही 2019 एशियाई चैम्पियन हो लेकिन पिछले रविवार को उद्घाटन समारोह के बाद हुए इक्वाडोर से पहले मैच में 0-2 से मिली हार के दौरान 'नर्वस' दिखी।

दूसरे मैच में कतर का प्रदर्शन इतना बढ़िया नहीं था लेकिन कम से कम उसके लिये एक गोल हुआ। कतर की टीम मेजबान होने के नाते पहली बार विश्व कप में खेल रही है, वह कभी भी इस टूनार्मेंट के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी।

वहीं सेनेगल का अभियान नीदरलैंड से पहले मैच में मिली हार के बाद इस नतीजे से पटरी पर आ गया। अब टीम मंगलवार को इक्वाडोर से भिड़ेगी।

## स्पेन के खिलाफ उम्मीदें जीवंत रखने उतरेगा जर्मनी

**दोहा, एजेंसी।** अप्रैल में जब विश्वकप के ड्रा डाले गए थे तो सभी की निगाहें अल बायत स्टेडियम में जर्मनी और स्पेन के बीच होने वाले मुकाबले पर टिकी थी।

इन दो पूर्व विश्व चैंपियन के बीच होने वाला यह मुकाबला आठ महीने बाद और अधिक महत्वपूर्ण बन गया है। इन दोनों को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन जर्मनी पहले मैच में जापान से हार के कारण बाहर होने के कगार पर खड़ा है। उसे अपनी उम्मीदें जीवंत रखने के लिए रविवार को स्पेन पर हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

स्पेन से हारने पर जर्मनी को लगातार दूसरे विश्वकप में पहले दौर में ही बोरिया बिस्तर समेटना पड़ सकता है। जर्मनी की हार तथा जापान और कोस्टारिका के बीच मैच कम से कम ड्रॉ होने पर चार बार का चैंपियन बाहर हो जाएगा। दूसरी तरफ स्पेन नॉकआउट में

अपनी जगह सुरक्षित करना चाहेगा। उसने अपने पहले मैच में कोस्टारिका को 7-0 से हराया था।

जर्मनी के लिए संकेत उत्साहजनक नहीं है। उसने स्पेन के खिलाफ जो आखिरी मैच दो साल पहले नेशंस लीग में खेला था उसमें उसे 6-0 से हार का सामना करना पड़ा था। जर्मनी ने अपना चौथा विश्वकप खिताब 2014 में ब्राजील में जीता था लेकिन 2018 में वह ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया था। अगर इस बार भी चार साल पहले की कहानी दोहराई जाती है तो यह पहला अवसर होगा जबकि जर्मनी लगातार दो विश्व कप में नॉकआउट में जगह नहीं बनाएगा।

स्पेन ने 2010 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्वकप में अपना आखिरी खिताब जीता था जबकि 2018 में वह अंतिम 16 से आगे नहीं बढ़ पाया था। यदि स्पेन जर्मनी को हरा देता है और उधर कोस्टारिका जापान को नहीं हरा पाता है तो फिर वह अंतिम 16 में पहुंच जाएगा। कोस्टारिका पर बड़ी जीत के बाद स्पेन की टीम जर्मनी के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ मैदान पर उतरेगी।

स्पेन के कोच लुइस एनरिक ने कहा, ह्यह्यपिछले मैच के परिणाम से हमारा काफी मनोबल बढ़ा है लेकिन अब हमारा सामना जर्मनी से है जिसे जीत की सख्त दरकार हैह्लह्ल जर्मनी के विंगर लेरॉय साने इस मैच में वापसी कर सकते हैं। वह घुटने की चोट के कारण पिछले मैच में नहीं खेले थे। विश्व फुटबॉल की इन दो दिग्गज टीमों के बीच विश्वकप में पांचवां मुकाबला होगा। इन दोनों के बीच विश्वकप में आखिरी मैच 2010 में सेमीफाइनल में खेला गया था जिसे स्पेन ने 1-0 से जीता था।

## टिम साउथी ने एकदिवसीय क्रिकेट में पार किया 200 विकेट का आंकड़ा

**ऑकलैंड, एजेंसी।** न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी ने एकदिवसीय क्रिकेट में 200 विकेट का आंकड़ा पार कर लिया है। उन्होंने ऑकलैंड में भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच में, साउथी ने अपने 10 ओवरों में 73 रन देकर 3 विकेट लिए। उनका इकॉनमी रेट 7.30 था। उन्होंने कप्तान शिखर धवन (72) और श्रेयस अय्यर (80) के दो अहम विकेट लिए और शार्दुल ठाकुर (1) को भी आउट किया। 149 एकदिवसीय मैचों में साउथी के नाम 202 विकेट हैं, जो 33.83 के औसत और 33.83 के इकॉनमी रेट से आए हैं। उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का आंकड़ा 7/33 है। न्यूजीलैंड की तरफ से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में उनसे ऊपर न्यूजीलैंड के गेंदबाज क्रिस हैरिस (203), काइल मिल्स (240) और पूर्व ऑलराउंडर डेनियल विटोरी (297) हैं। भारत के खिलाफ मैच की बात करें तो इस मैच में धवन (72), शुभमन गिल (50) और अय्यर (80) के अर्द्धशतक के साथ-साथ ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर द्वारा 16 गेंदों में 37 रन की तेज पारी की बदौलत भारतीय टीम ने अपने 50 ओवरों में सात विकेट पर 306 रन बनाए। न्यूजीलैंड की तरफ से तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन और साउथी ने तीन-तीन विकेट लिए। एडम मिल्ने को भी एक विकेट मिला। 307 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम ने टॉम लाथम (104 गेंदों पर 145 *) और कप्तान केन विलियमसन (98 गेंदों पर 94 *) के बीच चौथे विकेट के लिए हुए 221 रनों की साझेदारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने सात विकेट से जीत दर्ज की।

## डी ब्रुइन और बेल्जियम को मिलेगा विश्वकप में प्रभाव छोड़ने का दूसरा मौका

**दोहा, एजेंसी।** बेल्जियम के स्टार मिडफील्डर केविन डी ब्रुइन जानते हैं कि उन्होंने और उनकी टीम ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था जिसकी भरपाई वह विश्वकप में मोरक्को के खिलाफ रविवार को होने वाले दूसरे मैच में पूरी करना चाहेंगे। डी ब्रुइन को पिछले मैच में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था लेकिन उन्होंने तब कहा था, ह्यह्यमैं नहीं जानता कि मुझे यह ट्रॉफी क्यों दी गई है। हो सकता है कि मेरी ख्याति के कारण ऐसा किया गया हो। बेल्जियम ने अपने पहले मैच में कनाडा को 1-0 से हराया लेकिन उसकी टीम किसी भी समय प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही। अब बेल्जियम को मोरक्को के खिलाफ रविवार को यह साबित करना होगा कि आखिर वह विश्व में ब्राजील के बाद दूसरे नंबर की टीम क्यों है। बेल्जियम को उसके स्टार खिलाड़ियों के कारण खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। उसकी टीम में कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो 30 वर्ष से अधिक के हैं और उनका यह आखिरी विश्वकप हो सकता है। इनमें डी ब्रुइन, एडेन हैजार्ड, एक्सल विटसेल, जान वर्टोंघेन, टोबी एल्डरविएरल्ड और गोलकीपर थिबाउट कर्टोइस शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी अब आगामी मैचों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। कनाडा के खिलाफ प्रदर्शन को कोच रहते हुए टीम का सबसे खराब मैच करार देने वाले बेल्जियम के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज मोरक्को के खिलाफ कुछ नए चेहरों को मैदान में उतार सकते हैं। इनमें स्टार स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकु भी शामिल है जो चोटिल होने के कारण कनाडा के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे। मोरक्को ने अपने पहले मैच में 2018 में उपविजेता रही क्रोएशियाई टीम के खिलाफ गोल रहित ड्रा खेला था जो उसके कोच वालिद रेगरागुई के लिए उत्साहजनक शुरूआत रही थी।

## अमेरिका ने फिर इंग्लैंड को हताश किया, गोलरहित ड्रा पर रोका

**अल खोर (कतर), एजेंसी।** अमेरिका ने फीफा विश्व कप में शनिवार को 0-0 से ड्रा खेलकर फिर इंग्लैंड को जीत दर्ज करने से महरूम कर दिया।

कतर में शुरूआती मैच में ईरान पर 6-2 की बड़ी जीत से प्रबल दावेदार के दर्जे को सही साबित करने वाली इंग्लैंड को अब भी अमेरिका के खिलाफ पहली जीत का इंतजार है। इंग्लैंड के समर्थक इस ड्रा से काफी निराश थे और मैदान में ह्यहूटिंगह्ल कर रहे थे।

तीन बार बार दोनों टीमें फुटबॉल के इस बड़े मंच पर एक दूसरे के सामने हुई हैं और हर बार अमेरिकी टीम इंग्लैंड के फुटबॉल प्रेमियों को निराश करती रही है।

इंग्लैंड के कोच गैरेथ साउथगेट ने अपने खिलाड़ियों को अमेरिका

के उस रिकॉर्ड की याद दिलायी थी जिसमें 1950 में प्रतिंद्वद्वी टीम ने 1-0 से जीत हासिल की थी और 2010 में 1-1 से ड्रा खेला था। पर खिलाड़ी ग्रेग बेरहाल्टर की युवा और ऊर्जा से भरी टीम के खिलाफ जोशिला प्रदर्शन नहीं कर सके। इंग्लैंड के कप्तान और 2018 विश्व कप के 'गोल्डन बूट' विजेता हैरी केन का मैच में प्रदर्शन फीका रहा और वह 'स्टॉपेज-टाइम' में हेडर से गोल करने के करीब पहुंचे थे लेकिन असफल रहे। वह अब तक इस टूनार्मेंट में एक भी गोल नहीं कर सके हैं। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं था। हमने दो या तीन मौके मिले थे लेकिन हम गोल नहीं कर सके।

ग्रुप बी में इंग्लैंड चार अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि अमेरिका दो अंक से तीसरे स्थान पर है।

अमेरिका ने वेल्स के खिलाफ अपने पहले मैच के शानदार प्रदर्शन को जारी रखा। इंग्लैंड की टीम खुद को भाग्यशाली समझ सकती है कि पहले हाफ में क्रिश्चियन पुलिसिच का बायें पैर से लगा शॉट लगाकर क्रासबार हिट करके निकल गया और वेस्टन मैकिनी का शॉट भी बेकार हो गया।

अल बायत स्टेडियम में काफी संख्या में इंग्लैंड के प्रशंसक मौजूद थे जिन्हें जीत से अपनी टीम के एक मैच रहते नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीद थी।

# सिद्धार्थ और रश्मिका की फिल्म 'मिशन मजनू' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी

अब भले ही सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ जमा हो रही हो। बावजूद इसके कई फिल्मों को ओटीटी पर रिलीज किया जा रहा है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और रश्मिका मंदाना की फिल्म मिशन मजनू ने भी ओटीटी की राह पकड़ ली है। मतलब यह कि आप घर पर बैठे-बैठे इस फिल्म का आनंद ले पाएंगे। फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। आइए जानते हैं मिशन मजनू किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर और कब दर्शकों के बीच आएगी। शेरशाह और थैंकगॉड के बाद सिद्धार्थ अब मिशन मजनू में दिखेंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर अगले साल रिलीज होगी। निमार्ताओं ने 18 जनवरी, 2023 को फिल्म दर्शकों के बीच लाने की योजना बनाई है। नेटफ्लिक्स जल्द ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करने वाला है। दिसंबर, 2020 में इस फिल्म की घोषणा हुई थी। पिछले साल नवंबर में सिद्धार्थ ने फिल्म से अपनी पहली झलक दर्शकों को दिखाई थी। बीते कुछ महीनों में बड़े सितारों की फिल्में धड़ाधड़ फ्लॉप होने के बाद तमाम निमार्ताओं ने अपनी फिल्मों की ओटीटी रिलीज का रास्ता तलाशना शुरू कर दिया है। गोविंदा नाम मेरा से लेकर सेल्फी, फ्रेडी, टीकू वेड्स शेरू और खुफिया जैसी फिल्में ओटीटी पर आएंगी। मिशन मजनू की कहानी पाकिस्तान की धरती पर भारत के सबसे महत्वाकांक्षी रॉ ऑपरेशन पर आधारित है। यह फिल्म 1970 के दशक में असली घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म एक साहसिक जासूसी थ्रिलर होगी। फिल्म देश के ऐसे जांबाज सिपाहियों की कहानी सबके सामने लेकर आएगी, जो देश सेवा में अपनी जान कुर्बान कर देते हैं, लेकिन उनकी कहानियां कभी किसी के सामने नहीं आतीं। फिल्म में रॉ एजेंट बन सिद्धार्थ ऐसी ही कहानी दर्शकों के लिए लेकर आएंगे। मिशन मजनू का इंतजार इसलिए भी बेसब्री से किया जा रहा है, क्योंकि यह साउथ की मशहूर अदाकारा रश्मिका की पहली हिंदी फिल्म है। वह इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी सिद्धार्थ के साथ बनी है। शांतनु बागची ने फिल्म का निर्देशन किया है। रॉनी स्क्रूवाला, अमर बुटाला और गरिमा मेहता ने मिलकर इस फिल्म को बनाया है।

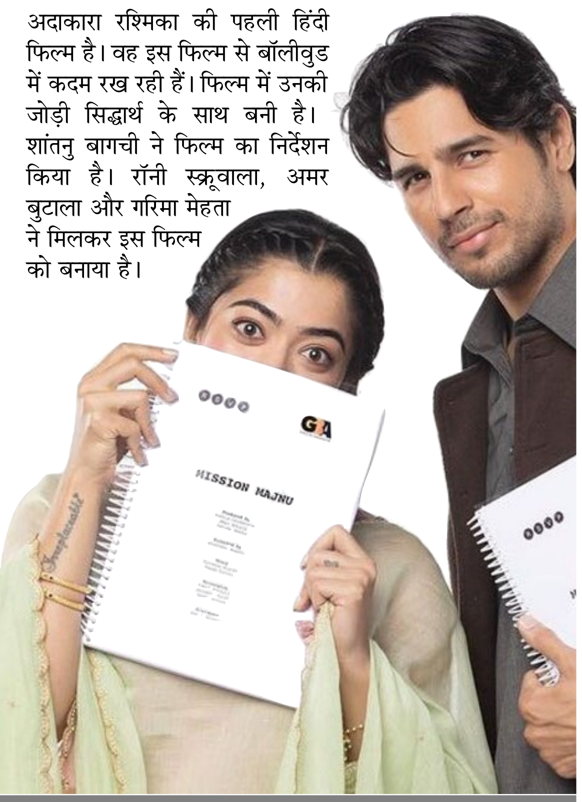


# प्रतीक बब्बर ने इंडिया लॉकडाउन में अपनी प्रवासी की भूमिका को लेकर किया खुलासा

दम मारो दम, दरबार और ब्रह्मास्त्र में अपने काम से मनोरंजन उद्योग में अपनी पहचान बनाने वाले बॉलीवुड एक्टर प्रतीक बब्बर मधुर भंडारकर द्वारा निर्देशित अपनी आगामी फिल्म इंडिया लॉकडाउन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसको लेकर अभिनेता ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस तरह की उनकी भूमिका है।

इस फिल्म में वह माधव की भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं, एक प्रवासी श्रमिक जो लॉकडाउन के कारण अपनी पत्नी के साथ अपने गांव वापस जाने के लिए मजबूर है।

अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, प्रतीक ने कहा, मेरी भूमिका एक प्रवासी श्रमिक की है, जिसका जीवन एक ठहराव पर आ जाता है और वह इस दुविधा में फंस जाता है कि क्या उसे घर से दूर शहर में रहने की कोशिश करनी चाहिए या जाना बुद्धिमानी होगी। इस सवाल पर कि उन्होंने अपने किरदार के लिए कैसे तैयारी की, अभिनेता ने कहा, हमने इस किरदार के लिए बहुत तैयारी की थी। मैं कुछ प्रवासी श्रमिकों से मिला और उनके साथ दिल से दिल की बातचीत की। उनकी शारीरिक भाषा से और वे अपने सांसारिक जीवन कैसे जीते थे। इन सभी दिन-प्रतिदिन के अवलोकनों ने मुझे माधव की भूमिका निभाने के बारे में जानकारी दी।

अभिनेता ने कहा कि एक और चुनौतीपूर्ण कार्य बोली सीखना था और पूर्णता के लिए, उन्होंने कोचिंग ली और फिल्में देखीं। बोली अलग थी, उच्चारण बहुत अलग थे। हमारे पास सेट पर एक संवाद कोच था जिसने हमें हर शब्द, संवाद और भावना के माध्यम से मदद की। यह तैयारी के बारे में थोड़ा सा था। मैं संदर्भ फिल्में भी देखीं, चक्र, आक्रोश, अंकुर, दो बीघा जमीन जिसमें प्रवासियों के समान चरित्र थे। उनके संघर्ष और गुस्से को समझना माधव की तैयारी में एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि थी।

इंडिया लॉकडाउन आम लोगों पर महामारी और लॉकडाउन के प्रभाव के बारे में है। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि कितने लोग बेरोजगार हो गए, प्रवासी श्रमिकों के अपने मूल स्थानों पर वापस जाने का मुद्दा, और यौनकर्मियों को उनकी आय के स्रोत से वंचित कर दिया गया।

यह पूछे जाने पर कि फिल्म में देखने लायक क्या है और लोग इससे कैसे जुड़ेंगे, उन्होंने कहा, लोगों को इंडिया लॉकडाउन क्यों नहीं देखना चाहिए? यह एक भावना है जिसे हम सभी विश्व स्तर पर साझा करते हैं और यह सिर्फ हमारे देश तक ही सीमित नहीं है। यह है एक सार्वभौमिक रूप से साझा भावना। यह हमें एक साथ बांधता है। इंडिया लॉकडाउन दुनिया भर में

# गायिका एडेल ने अपने शो में होने वाले हंगामे को लेकर किया खुलासा

ब्रिटिश गायिका एडेल ने अपने लास वेगस शो को लेकर खुलासा करते हुए बताया है कि कैसे उन्होंने उस शो को किया और फैंस को प्रभावित किया। फीमेल फर्स्ट यूके की रिपोर्ट के मुताबिक, 34 वर्षीय गायिका ने पहले अपनी पूरी रेजिडेंसी को स्थगित कर दिया था।, ओपनिंग नाइट से ठीक 24 घंटे पहले, जब उनकी टीम कोविड-19 के प्रकोप से प्रभावित हुई, और एडेल ने अब स्वीकार किया है कि उनके प्रशंसकों ने शो को पसंद नहीं किया होगा। उन्होंने मंच पर कहा, मैंने इसके लिए पूरी मेहनत की थी। मैं वह दूसरा शो नहीं कर सकती थी और आपको भी यह पसंद नहीं आया होगा, मैं आपको बता रही हूं। ईजी ऑन मी की हिटमेकर, जो दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली कलाकारों में से एक हैं, ने मजाक में यह भी कहा कि, उनके प्रशंसक कुछ ड्रिंक पीने के बाद उनके शो का अधिक आनंद लेंगे। संडे मिरर अखबार के मुताबिक, उन्होंने अपने प्रशंसकों से कहा, जाओ और कुछ ड्रिंक मंगवाओ..तुम जितनी शराब पिओगे, मैं उतनी ही अच्छी हूं। इस साल की शुरूआत में, एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि एडेल ने कैसर पैलेस में अपने शो को पहले की योजना से अधिक अंतरंग बनाने के लिए एक निर्णय लिया था। एडेल ने जनवरी में अपना पूरा रेसीडेंसी स्थगित कर दिया, और पुरस्कार विजेता स्टार ने बाद में अपने प्रशंसकों को निर्णय समझाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। फीमेल फर्स्ट यूके आगे बताता है कि लंदन में जन्मी स्टार ने अपने प्रशंसकों से माफी भी मांगी, लेकिन जोर देकर कहा कि शो को खत्म करना असंभव था। एडेल ने स्थिति के बारे में शर्मिंदा महसूस करने की बात भी कबूल की। उसने कहा, मुझे खेद है, यह आखिरी मिनट है। मैं बहुत परेशान हूं और मैं वास्तव में शर्मिंदा हूं और मुझे फिर से यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए खेद है।

# ताल में ऐश्वर्या ने पहली बार कही आग.. गाने के लिए मेकअप किया था

दिग्गज फिल्म निमार्ता सुभाष घई ने कहा कि वह हमेशा अपनी अभिनेत्रियों को कम मेकअप का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं और याद करते हैं कि कैसे बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने 1999 की फिल्म ताल में पहली बार कहीं आग लगे लग जाए गाने की शूटिंग के दौरान मेकअप किया था। ताल सुभाष घई द्वारा निर्देशित 1999 की संगीतमय रोमांटिक फिल्म थी, जिसमें ऐश्वर्या राय, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। यह बॉक्स ऑफिस पर हिट रही और इसे इसके संगीत, गाने, नृत्यकला और अभिनेताओं के प्रदर्शन के लिए याद किया जाता है। जाने-माने निर्देशक ने कहा, मैं हमेशा अपनी अभिनेत्रियों से मेकअप के उपयोग को सीमित करने का अनुरोध करता हूं क्योंकि यह वास्तविक भावनाओं को सामने लाता है। ऐश्वर्या ने फिल्म ताल में पहली बार मेकअप कहीं आग लगे लग जाए गाने की शूटिंग के दौरान किया था। जब मैंने ऐश्वर्या को भूमिका के लिए चुना, तो मैं एक साधारण और दिव्य लड़की के जीवन को चित्रित करना चाहता था जो स्वाभाविक रूप से सुंदर थी। फिल्म में ऐश्वर्या के लुक के लिए मेकअप आर्टिस्ट मिकी कॉन्ट्रैक्टर को कैसे शामिल किया गया, इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने उनसे (मिकी कॉन्ट्रैक्टर) कहा था कि मैं आपको जितना चाहूं उतना पैसा दूंगा लेकिन मैं ऐश्वर्या पर आपसे मेकअप का इस्तेमाल नहीं करने का अनुरोध करता हूं। मिकी एक पेशेवर होने के नाते तुरंत मेरी बात समझ गए। उन्होंने ताल से ताल मिलाओ गाने पर कोलकाता की सेनजुति दास की परफॉर्मेंस को देखकर उनकी तारीफ करते हुए कहा, आपने बहुत अच्छा गाया सेंजुती। इस शो की सबसे अच्छी बात यह है कि यह हमें अपने जीवन को फिर से जीने में मदद करता है। इंडियन आइडल शो के मेजबान और गायक आदित्य नारायण भी प्रदर्शन के दौरान उनके साथ शामिल हुए। उन्होंने कहा, आज, मुझे लगा कि उदित (नारायण) जी मेरे पास खड़े थे और प्रदर्शन कर रहे थे। जज नेहा कक्कड़ ने भी कहा, आप एक परफेक्शनिस्ट सेंजुती हैं, और यह आपके प्रदर्शन के तरीके को दशार्ता है। शो के शीर्ष 12 प्रतियोगियों में अयोध्या से ऋषि सिंह, बिदिप्त चक्रवर्ती, अनुष्का पात्रा, देबोस्मिता रॉय, सेनजुति दास, कोलकाता से सोनाक्षी कार, जम्मू से चिराग कोतवाल, लखनऊ से विनीत सिंह, रूपम भरनहरिया, अमृतसर से नवदीप वडाली, शिवम सिंह हैं। हिमेश रेशमिया, नेहा कक्कड़ और विशाल ददलानी द्वारा जज किए गए इंडियन आइडल 13 का प्रसारण सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होता है।

# रणवीर सिंह की फिल्म सर्कस का नया पोस्टर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म सर्कस का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। फिल्मकार रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस में रणवीर सिंह की मुख्य भूमिका है। फिल्म सर्कस का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। इस पोस्टर में रणवीर सिंह अतरंगी अवतार में दिख रहे हैं। रणवीर दो अलग-अलग लुक में दिख रहे हैं। कॉमेडी ड्रामा फिल्म सर्कस में रणवीर सिंह डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में रणवीर के साथ पूजा हेगडे और जैकलीन फर्नांडीस भी नजर आने वाली हैं। बताया जा रहा है कि सर्कस कॉमेडी फिल्म अंगूर की रीमेक है। यह फिल्म 23 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर रिलीज की जाएगी।इस फिल्म में अजय देवगन और दीपिका पादुकोण का स्पेशल अपीयरेंस होगा।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DLHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-डब्लूए 30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।